विवरणिका

2026-27

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज फॉर वीमेन

(NAAC ग्रेड मान्यता प्राप्त 'A+' | NIRF 2025 कॉलेज रैंकिंग - 65)

दिल्ली विश्वविद्यालय

KARVAAN

FRESHER'S PARTY

(24 अगस्त 1908-23 मार्च 1931)

शिवराम हरि राजगुरु का जन्म 1906 में पुणे जिले के खेड़ नामक स्थान पर एक सामान्य मध्यमवर्गीय हिंदू ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वह बहुत कम उम्र में वाराणसी आए, जहाँ उन्होंने संस्कृत सीखी और हिंदू धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन किया। वाराणसी में ही उनका संपर्क क्रांतिकारियों से हुआ। वह स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़कर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (HSRA) के सक्रिय सदस्य बन गए।

राजगुरु में निर्भीकता और अडिग साहस कूट कूट कर भरा था। उनके जीवन का एकमात्र उद्देश्य उनकी मातृभूमि की स्वतंत्रता थी, जिसके लिए उन्होंने किसी भी बलिदान को बहुत बड़ा नहीं समझा। वह चंद्रशेखर आज़ाद, सरदार भगत सिंह और जतिन दास के करीबी सहयोगी थे। उनका कार्यक्षेत्र उत्तर प्रदेश और पंजाब रहा, जिसमें कानपुर, आगरा और लाहौर उनके मुख्य केंद्र थे।

राजगुरु एक कुशल निशानेबाज़ थे और पार्टी में उन्हें गनमैन के रूप में जाना जाता था। उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण था ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जे. पी. सॉन्डर्स की 1928 में लाहौर में हत्या।

सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव पर सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में मुकदमा चलाया गया । उन्हें दोषी ठहराया गया और मृत्युदंड की सज़ा दी गई। राजगुरु को उनके दो साथियों के साथ 23 मार्च, 1931 की शाम को लाहौर जेल में फांसी दी गई। शहादत के समय राजगुरु की आयु केवल 23 वर्ष थी।

विषय सूची

अध्यक्ष का संदेश 1
प्रधानाचार्या की कलम से 2–3
कोषाध्यक्ष की ओर से 4
महाविद्यालय का दृष्टिकोण और ध्येय 5
प्रवेश विवरण 6–7
NEP: UGCF फ्लोचार्ट 8–9
कॉलेज का परिचय 10
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई. क्यू.ए.सी) 11
संकाय 12
विभाग
- जैव रसायन विभाग 13
- जैवचिकत्सा विज्ञान विभाग 14
- रसायन विज्ञान विभाग 15
- संगणक (कंप्यूटर) विज्ञान विभाग 16
- इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग 17
- खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग 18
- यंत्र विन्यास (इंस्ट्रूमेंटेशन) विभाग 19
- प्रबंधन अध्ययन विभाग 20
- वित्तीय अध्ययन विभाग 21
- गणित विभाग 22
- सूक्ष्मजैविकी (माइक्रोबायोलॉजी) विभाग 23
- भौतिकी विभाग 24
- मनोविज्ञान विभाग 25
- सांख्यिकी विभाग 26

सहायक विभाग
- अंग्रेज़ी विभाग 27
- पर्यावरण अध्ययन विभाग 28
- शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग 29-30

सुविधाएं @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. 31–32
अवसर@ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. 33-36
उपलब्धियां @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. 37
प्लेसमेंट सेल 38
तकनीकी क्लब @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. 39
जीवन @ एस.आरसी .ए.एस.डब्ल्यू. 40–53
सामाजिक पहल @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. 54–57
महाविद्यालय नियम 58–59
अध्यादेश 60–61
समितियाँ 62
पाठ्यक्रम-सह सीटों की संख्या 63
शुल्क संरचना 64
बहु-निर्गमन योजना और प्रवेश संबंधी शुल्क की वापसी 65

अध्यक्ष का संदेश

शुभकामनाएँ!

किसी भी संस्थान की वास्तविक शक्ति उसके लोगों की प्रतिबद्धता, समर्पण और दूरदर्शी दृष्टि में निहित होती है। शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन (SRCASW) में यही सामूहिक भावना वर्ष 1989 में अपनी विनम्र शुरुआत से लेकर आज एक अग्रणी शैक्षणिक संस्थान के रूप में स्थापित होने तक हमारी प्रगति की प्रेरक शक्ति रही है। हम अपने प्रेरणास्रोत, अमर शहीद शिवराम हरि राजगुरु के आदर्शों से निरंतर प्रेरणा प्राप्त करते हैं, जिनका साहस, दृढ़ संकल्प और देशभक्ति हम सभी के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं।

जैसे-जैसे भारत 'विज़न 2047' की ओर बढ़ते हुए 'अमृत काल' के परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है, SRCASW समग्र और समावेशी शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के अपने लक्ष्य पर अडिग है। हम ऐसे व्यक्तित्वों के निर्माण के लिए समर्पित हैं जो न केवल शैक्षणिक रूप से दक्ष हों, बल्कि सामाजिक रूप से जागरूक, दृढ़ एवं चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हों तथा एक सतत, न्यायपूर्ण और समतामूलक भविष्य के निर्माण में सार्थक योगदान देने के लिए पूर्णतः तैयार हों।

हमारा शैक्षिक दर्शन जिज्ञासा, समालोचनात्मक चिंतन तथा आजीवन सीखने के प्रति गहन अभिरुचि को विकसित करने पर केंद्रित है। शैक्षणिक उत्कृष्टता को सुदृढ़ नैतिक मूल्यों के साथ समन्वित करते हुए हमारा उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करना है, जो सहानुभूति, सत्यनिष्ठा और उत्तरदायित्व की भावना के साथ वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाने में सक्षम हों। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के सतत एवं प्रभावी क्रियान्वयन ने हमारे शैक्षिक ढाँचे को और अधिक सुदृढ़ बनाया है। इसके माध्यम से लचीलापन, नवाचार तथा बहुविषयक शिक्षण को प्रोत्साहन मिला है, जिससे विद्यार्थियों के समग्र विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं। इस प्रगतिशील परिवर्तन को सफल बनाने में अपने अटूट समर्पण, सहयोग और प्रतिबद्धता के लिए मैं सभी हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

आगामी वर्ष में हम शिक्षण-अधिगम की नवाचारी पद्धतियों पर अपने विशेष ध्यान को पुनः दृढ़ करते हैं। हम अनुभवात्मक अधिगम के अवसरों का विस्तार करने तथा विद्यार्थियों की सहभागिता को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के समावेशन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। हम अपने आधारभूत ढाँचे को और अधिक सुदृढ़ करने, शैक्षणिक कार्यक्रमों में विविधता लाने तथा उद्योग, शिक्षाजगत और वैश्विक भागीदारों के साथ सार्थक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं, ताकि विद्यार्थियों को अधिक समृद्ध, गुणवत्तापूर्ण और व्यापक शैक्षिक अनुभव प्रदान किया जा सके।

SRCASW में शिक्षा केवल कक्षा-कक्ष तक सीमित नहीं है। हमारी सक्रिय छात्र समितियाँ, क्लब तथा विभिन्न पहल विद्यार्थियों को रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और सामुदायिक सहभागिता के विकास के लिए प्रभावी मंच प्रदान करते हैं। विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रमों तथा सामाजिक पहलों के माध्यम से हम अपने विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, संवेदनशीलता और समावेशिता की सशक्त भावना का निरंतर विकास कर रहे हैं।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम ऐसे युवा मस्तिष्कों का निर्माण करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं, जो उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व करें तथा राष्ट्र-निर्माण में सार्थक योगदान दें। समानता, सतत विकास और उत्कृष्टता के सिद्धांतों से प्रेरित होकर हम ऐसा शैक्षिक वातावरण विकसित करने का सतत प्रयास करते हैं, जहाँ प्रत्येक छात्रा अपनी पूर्ण क्षमता का विकास कर सके और अपने सर्वोच्च लक्ष्य प्राप्त कर सके।

आप सभी को एक सफल, समृद्ध एवं उपलब्धियों से परिपूर्ण शैक्षणिक यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्रोफेसर के. एन. सरस्वती
अध्यक्ष, गवर्निंग बॉडी
शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन,
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रधानाचार्या की कलम से

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन, परिवर्तनकारी शिक्षा, शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध एक संस्थान के रूप में भावी छात्राओं का हार्दिक स्वागत करता है। हमारा सजीव एवं प्रेरणादायी परिसर छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों के एक गतिशील समुदाय को पोषित करता है, और एक ऐसा वातावरण तैयार करता है, जहाँ सहयोग, नवाचार और आत्मीयता की भावना निरंतर विकसित एवं सुदृढ़ होती है।

शहीद शिवराम हरि राजगुरु की अमर विरासत से प्रेरणा प्राप्त करते हुए हम अनुशासन, दृढ़ता तथा समाज की प्रगति के प्रति समर्पण जैसे उनके आदर्शों का अनुसरण करते हैं। 'अमृत काल' के माध्यम से वर्ष 2047 के विकसित भारत के संकल्प की ओर अग्रसर राष्ट्र की आकांक्षाओं के अनुरूप हमारा महाविद्यालय भी एक विकसित, समावेशी तथा ज्ञान-आधारित समाज के निर्माण के राष्ट्रीय लक्ष्य के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

अनुप्रयुक्त विज्ञान के एक अग्रणी केंद्र के रूप में हमारी शैक्षणिक संरचना अनुभवात्मक एवं व्यावहारिक अधिगम पर आधारित है, जिसे वास्तविक जीवन की चुनौतियों का समाधान करने तथा उद्योग जगत की निरंतर बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया गया है। महाविद्यालय में 14 स्नातक कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं, जिनमें बी.एससी. (ऑनर्स) - जैवरसायन, जैव-चिकित्सा विज्ञान, रसायन विज्ञान, संगणक (कंप्यूटर) विज्ञान, विद्युतकी (इलेक्ट्रॉनिक्स), खाद्य प्रौद्योगिकी, यंत्र विन्यास (इंस्ट्रूमेंटेशन), गणित, सूक्ष्मजीवविज्ञान, भौतिकी तथा सांख्यिकी, बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (BFIA), बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान शामिल हैं। इन सभी कार्यक्रमों को उभरते हुए तथा उच्च-विकास वाले क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक अभिकल्पित किया गया है, ताकि छात्राएँ नवाचार, अनुसंधान और नेतृत्व के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल एवं दक्षताओं से सुसज्जित हो सकें।

हमारी अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ एवं अनुसंधान सुविधाएँ सजीव अधिगम पारितंत्र (Learning Ecosystem) के रूप में कार्य करती हैं, जो विद्यार्थियों में जिज्ञासा, प्रयोगधर्मिता तथा अर्जित ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करती हैं। इसके परिणामस्वरूप हमारी छात्राएँ न केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट बनती हैं, बल्कि बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम तथा उद्योग जगत की अपेक्षाओं के अनुरूप पूर्णतः तैयार भी होती हैं।

महाविद्यालय विद्यार्थियों की रोजगारपरक क्षमता को सुदृढ़ करने तथा उनमें उद्यमशीलता की सोच विकसित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। हमारा करियर परामर्श एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ विद्यार्थियों को करियर उन्नयन हेतु सुव्यवस्थित मार्गदर्शन एवं विविध अवसर उपलब्ध कराता है। वहीं, महाविद्यालय का इन्क्यूबेशन सेंटर नवाचार एवं उद्यमिता का एक सशक्त केंद्र है, जो विद्यार्थियों को परामर्श, प्रशिक्षण तथा आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उनके अभिनव विचारों को प्रभावशाली उद्यमों जैसे कॉर्पोरेट क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना या स्टार्ट-अप पारितंत्र में उद्यमी के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने में सहयोग प्रदान करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)–2020 का प्रभावी क्रियान्वयन हमारे शैक्षणिक दृष्टिकोण को निरंतर समृद्ध कर रहा है। यह नीति लचीलापन, अंतर्विषयक अधिगम तथा कौशल विकास को प्रोत्साहित करते हुए विद्यार्थियों को समग्र एवं भविष्य उन्मुख शिक्षा प्रदान करती है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को मुख्य, ऐच्छिक (Elective) तथा कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों के समन्वित चयन के माध्यम से अपनी रुचियों एवं आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं अपनी शैक्षणिक यात्रा का निर्धारण करने का अवसर प्राप्त होता है, जिससे उनके समग्र व्यक्तित्व का विकास सुनिश्चित होने के साथ-साथ वे वैश्विक स्तर की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी सक्षम बनते हैं। अनुसंधान, नवाचार तथा अनुभवात्मक अधिगम पर दिया गया विशेष बल हमारे अनुप्रयुक्त विज्ञान-आधारित शैक्षणिक दृष्टिकोण के साथ पूर्णतः सामंजस्य स्थापित करता है तथा विद्यार्थियों को ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग और नवोन्मेषी सोच के लिए सशक्त बनाता है।

हरे-भरे 9.5 एकड़ में फैला महाविद्यालय परिसर आधुनिक आधारभूत अवसंरचना एवं उन्नत प्रौद्योगिकी का समन्वित स्वरूप प्रस्तुत करता है, जो विद्यार्थियों के लिए एक अनुकूल, समावेशी एवं प्रेरणादायी अधिगम वातावरण का निर्माण करता है। वाई-फाई-सुविधायुक्त स्मार्ट कक्षाएँ, जो संवादात्मक (इंटरैक्टिव) शिक्षण उपकरणों से सुसज्जित हैं, विद्यार्थियों की विविध अधिगम आवश्यकताओं की प्रभावी पूर्ति सुनिश्चित करती हैं। महाविद्यालय में मुक्ताकाशी (ओपन-एयर) एम्फीथिएटर, अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इनडोर सभागार, तीन-मंज़िला RFID प्रणाली-सुसज्जित पुस्तकालय, सहयोगात्मक सम्मेलन कक्ष तथा लगभग 119 छात्राओं की आवासीय क्षमता वाला छात्रावास उपलब्ध है। ये सभी सुविधाएँ पाठ्येतर एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के सशक्त केंद्र के रूप में भी कार्य करती हैं, जहाँ विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता, सहयोग की भावना तथा टीमवर्क का प्रभावी विकास होता है।

हमारी प्रतिष्ठित पूर्व छात्राएँ, जिन्होंने विश्वभर में विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं, हमारे संस्थान द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं उसके व्यापक प्रभाव की सशक्त प्रमाण हैं। वे अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में नेतृत्वकर्ता, नवप्रवर्तक तथा परिवर्तन के अग्रदूत के रूप में भावी पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित कर रहीं हैं।

प्रिय छात्राओं, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन में आपकी शैक्षणिक यात्रा आपके व्यक्तित्व की संभावनाओं को पहचानने, शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने तथा आजीवन सार्थक संबंध स्थापित करने का एक अनमोल अवसर है। इस नई यात्रा का आरंभ करते हुए हम आपको जिज्ञासा के साथ सीखने, आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व करने तथा संवेदनशीलता एवं सहानुभूति के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

SRCASW परिवार में आपका हार्दिक स्वागत है। हम आपके सुखद और सफल भविष्य की कामना करते हैं।

प्रो. (डॉ) पायल मागो
प्रधानाचार्य, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन
दिल्ली विश्वविद्यालय

कोषाध्यक्ष का संदेश

दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रतिष्ठित संघटक महाविद्यालय तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास तथा समग्र व्यक्तित्व निर्माण के माध्यम से युवा छात्राओं को सशक्त बनाने के अपने संकल्प के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है।

हमारा महाविद्यालय अत्याधुनिक आधारभूत अवसंरचना तथा आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाओं द्वारा समर्थित एक सशक्त एवं जीवंत शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता है। ये सुविधाएँ विद्यार्थियों को उद्योग जगत के निरंतर विकसित होते मानकों के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव अर्जित करने का अवसर प्रदान करती हैं, जिससे वे सफल व्यावसायिक जीवन के साथ-साथ उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए भी सुदृढ़ रूप से तैयार हो सकें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)–2020 के अनुरूप महाविद्यालय चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है, जिसके अंतिम वर्ष में अनुसंधान-उन्मुख अध्ययन पर विशेष बल दिया गया है। यह समर्पित अनुसंधान घटक विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, नवाचार तथा स्वतंत्र अनुसंधान की भावना का विकास करता है जिससे भविष्य के वैज्ञानिकों, विद्वानों और विचारकों को तैयार किया जा सके।

कक्षा-कक्षीय शिक्षण के अतिरिक्त महाविद्यालय सह-पाठ्यक्रम एवं पाठ्येतर गतिविधियों को भी समान महत्व प्रदान करता है। विविध प्रकार की गतिविधियाँ तथा विद्यार्थियों द्वारा संचालित पहल उन्हें अपनी रुचियों का विस्तार करने, समाज के प्रति सार्थक योगदान देने तथा नेतृत्व क्षमता, प्रभावी संप्रेषण और पारस्परिक कौशल जैसे आवश्यक गुणों का विकास करने के व्यापक अवसर प्रदान करती हैं। इससे प्रत्येक छात्रा के समग्र व्यक्तित्व के विकास को सुनिश्चित किया जाता है।

यह विवरणिका हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों, परिसर के जीवन और छात्र सहायता प्रणालियों का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। हमें विश्वास है कि यह आपके शैक्षणिक भविष्य के बारे में एक सूचित और सार्थक विकल्प चुनने में एक उपयोगी मार्गदर्शिका सिद्ध होगी।

आगामी सुखद और सफल शैक्षणिक यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्रो. राज किशोर शर्मा

कोषाध्यक्ष, गवर्निंग बॉडी

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन

दिल्ली विश्वविद्यालय

महाविद्यालय का दृष्टिकोण और ध्येय

दृष्टिकोण: दुनिया के अग्रणी संस्थानों में शामिल होने की दिशा में अग्रसर होते हुए, कॉलेज उच्चतम शैक्षणिक मानकों को बनाए रखते हुए उद्योग और शैक्षणिक जगत के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने और अनुसंधान एवं विकास में एक अग्रणी भूमिका निभाने का प्रयास करता है।

इसका उद्देश्य समाज की सेवा करना है, ताकि विद्यार्थियों को इस प्रकार तैयार किया जा सके कि वे वर्तमान और भविष्य की सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से निपट सकें। यह संस्थान संरचित शिक्षण प्रणाली के माध्यम से प्रासंगिक ज्ञान का प्रसार करता है। कॉलेज का लक्ष्य उच्च गुणवत्ता वाली व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से- जीवन में बदलाव लाना, भविष्य का निर्माण करना, तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करना और उद्यमों से मजबूत संबंध विकसित करना है।

ध्येय: कॉलेज का उद्देश्य समग्र दृष्टिकोण वाली शिक्षा प्रदान कर एक नई पीढ़ी के पेशेवरों का निर्माण और पोषण करना है। उनमें मज़बूत नैतिक मूल्य विकसित किए जाते हैं, ताकि वे नए युग में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले प्रतिनिधियों के रूप में कार्य कर सकें। हमारा सतत प्रयास रहेगा कि हम भविष्य के पेशेवरों के लिए व्यावहारिक रणनीतियों को आत्मसात करें और प्रसारित करें तथा उन्हें रणनीतिक सोच और वैश्विक परिवेश में कार्य करने की समझ प्रदान करें, ताकि वे संगठन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सकें।

प्रवेश विवरण

सभी स्नातक (UG) कार्यक्रमों में प्रवेश, विश्वविद्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट पर निर्दिष्ट पात्रता आवश्यकताओं, मानदंडों और प्रक्रियाओं के आधार पर किया जाता है। ये विवरण Under-Graduate Bulletin of Information - 2026 (UG-BOI) और Common Seat Allocation System-2025 (CSAS) में प्रकाशित किए गए हैं।

प्रत्येक कार्यक्रम के लिए पात्रता मानदंड UG BOI-2026 में दिए गए हैं, जो विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट admission.uod.ac.in पर उपलब्ध है। उम्मीदवारों को UG BOI-2026 और CSAS-2026 को ध्यानपूर्वक पढ़कर पात्रता मानदंडों की जांच करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त कोई अन्य पात्रता मानदंड नहीं है।

उम्मीदवारों की जिम्मेदारी है कि वे दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर अद्यतन, दिशानिर्देश, समय सारिणी और प्रवेश से संबंधित नीतियों की नियमित जांच करें।

CSAS-2026 से संबंधित किसी भी मुद्दे/विवाद पर केवल दिल्ली न्यायालयों का क्षेत्राधिकार मान्य होगा।

महत्वपूर्ण सूचना: स्नातक (UG) प्रवेश - 2026 से संबंधित अधिसूचनाओं और अपडेट्स के लिए कृपया www.admission.du.ac.in देखें। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश, कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट - स्नातक 2026 (CUET (UG) – 2026) के आधार पर किया जाएगा।"

प्रवेश प्रक्रिया के मुख्य बिंदु:

1. केवल CUET (UG) - 2026 में उपस्थित होना दिल्ली विश्वविद्यालय में सीट सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। उम्मीदवार को CSAS-2026 में आवेदन करना अनिवार्य है।
2. आवेदन करने से पूर्व, उम्मीदवार को UG BOI-2026 और CSAS-2026 को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए।
3. UG BOI-2025 में दी गई न्यूनतम पात्रता और कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता मानदंडों को ध्यान में रखना आवश्यक है।
4. उम्मीदवार को प्रवेश वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोग्राम सूची, शुल्क संरचना, और अन्य संबंधित जानकारी की जांच करनी चाहिए।
5. पात्रता निर्धारण और दस्तावेज़ सत्यापन केवल दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में होगा।
6. केवल वही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने CUET (UG)-2026 दिया हो और किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं उत्तीर्ण की हो।
7. CSAS-2026 पोर्टल पर वरीयताओं को भरना और समय पर आवेदन करना अनिवार्य है।
8. सभी UG कार्यक्रमों में सीट आवंटन CUET (UG) - 2026 में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा।
9. प्रदर्शन-आधारित कार्यक्रमों, ECA और खेल कोटा में सीट आवंटन CUET अंकों + परफॉर्मेंस टेस्ट/ट्रायल/प्रमाणपत्रों के आधार पर किया जाएगा।
10. CSAS-2026 मेरिट सूची जो प्रवेश वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी, उसका पालन दिल्ली विश्वविद्यालय (UoD) के सभी कॉलेजों द्वारा किया जाएगा।
11. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे प्रवेश से संबंधित सभी सूचनाओं और अपडेट्स के लिए अपने डैशबोर्ड, ईमेल और प्रवेश वेबसाइट (www.admission.du.ac.in) को नियमित रूप से जांचते रहें।

प्रवेश विवरण

12. अगर उम्मीदवार प्रवेश दिशानिर्देश, समय-सारणी, पात्रता मानदंड या CSAS-2026 नियमों से अनजान रहता है, तो इसके लिए दिल्ली विश्वविद्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। उम्मीदवार की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी है कि वह इन सभी जानकारियों की नियमित जांच करे।
13. यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित तिथि और समय के भीतर आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं करता है या शुल्क का भुगतान नहीं करता है, तो उसका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
14. विश्वविद्यालय/कॉलेज द्वारा सूचित किए जाने पर उम्मीदवार को मूल दस्तावेज़ों की सत्यापन प्रक्रिया के लिए स्वयं उपस्थित होना होगा।
15. आरक्षित श्रेणियों (जैसे PwBD, CW, KM) के अंतर्गत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार को अपनी पात्रता साबित करने की जिम्मेदारी स्वयं लेनी होगी। अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग–गैर क्रीमी लेयर (OBC-NCL), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS), अल्पसंख्यक, सीडब्ल्यू (CW), दिव्यांगजन (PwBD) तथा कश्मीरी प्रवासी (KM) श्रेणियों के अंतर्गत आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित आरक्षित श्रेणी/उप-श्रेणी के प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज सक्षम जारीकर्ता प्राधिकारी द्वारा निर्गत स्वरूप में अपलोड करने होंगे।
16. यदि किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज़ नकली, झूठे या किसी भी प्रकार से दोषपूर्ण हैं, तो प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा — भले ही प्रवेश पहले से दिया जा चुका हो। यदि कार्यक्रम पूरा करने के बाद ऐसा पाया गया, तो डिग्री रद्द कर दी जाएगी और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
17. उम्मीदवार की प्रवेश प्रक्रिया में भागीदारी अस्थायी (provisional) होगी। अगर पात्रता पूरी नहीं होती है, तो प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा और कानूनी कार्रवाई हो सकती है।
18. यदि कोई उम्मीदवार बाद में अयोग्य पाया जाता है, तो विश्वविद्यालय प्रवेश शुल्क वापस नहीं करेगा।
19. विश्वविद्यालय को यह अधिकार है कि वह किसी भी उम्मीदवार का प्रवेश रद्द कर सकता है यदि वह विश्वविद्यालय के नियमों का उल्लंघन करता है।

कॉमन सीट अलोकेशन सिस्टम 2026 (CSAS) के तीन चरण

चरण I: दिल्ली विश्वविद्यालय में आवेदन करना

चरण II: प्रोग्राम्स और कॉलेजों के लिए वरीयताओं को भरना

चरण III: सीट आवंटन - प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करना

महत्वपूर्ण:
दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के लिए, उम्मीदवार को तीनों चरणों को सफलतापूर्वक पूरा करना अनिवार्य है।

NEP: UGCF प्रवाह संचित्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 इस बात को रेखांकित करती है कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का उद्देश्य अच्छे, विचारशील, समग्र और रचनात्मक व्यक्तियों का विकास करना होना चाहिए। इस लक्ष्य को प्राप्त करने का तरीका समग्र और बहु-विषयी शिक्षा के माध्यम से है, जिसमें छात्राओं को अपनी पढ़ाई को आकार देने की स्वतंत्रता दी जाती है।

Structure of UG Single Core Discipline Program

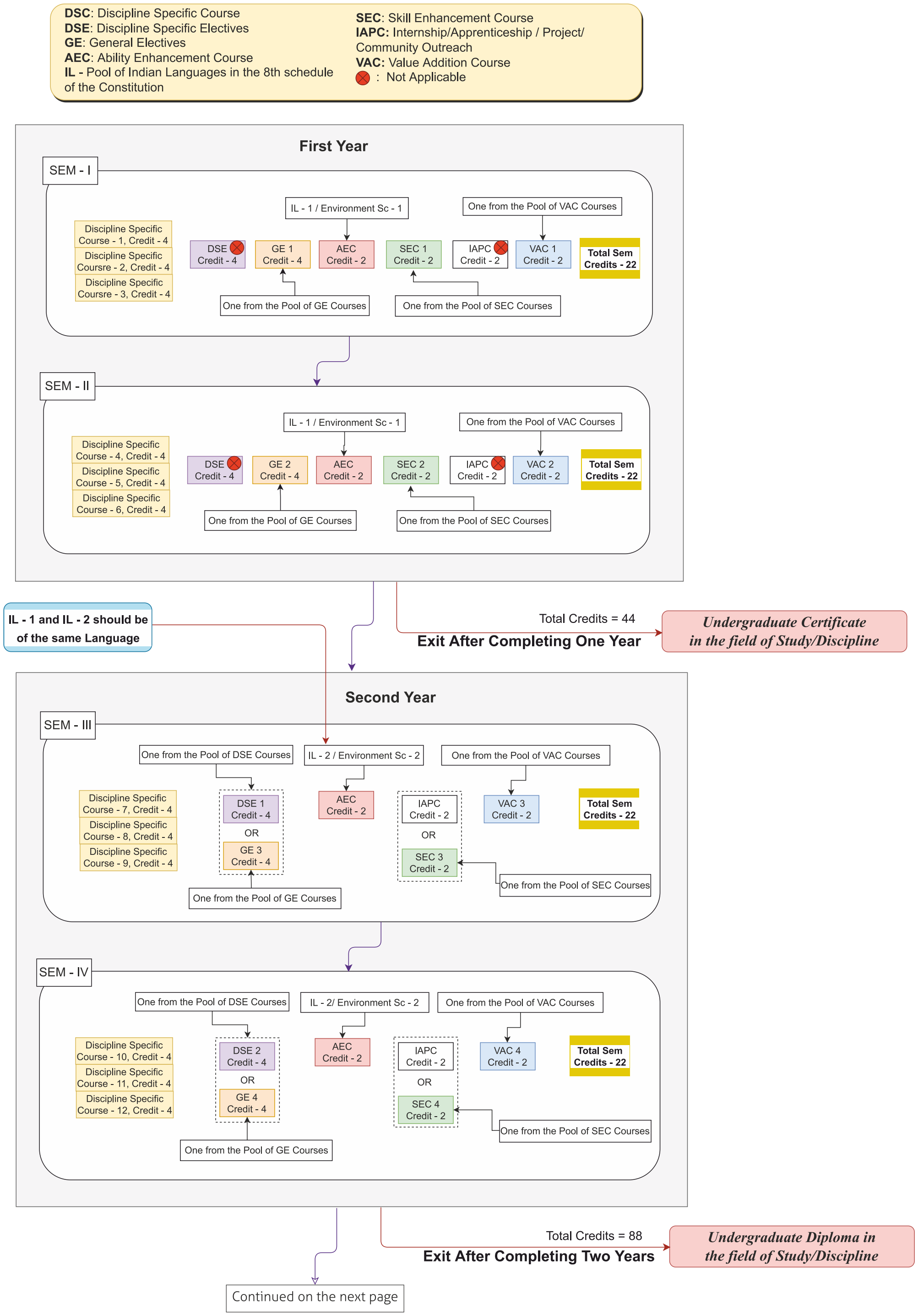

NEP: UGCF प्रवाह संचित्र

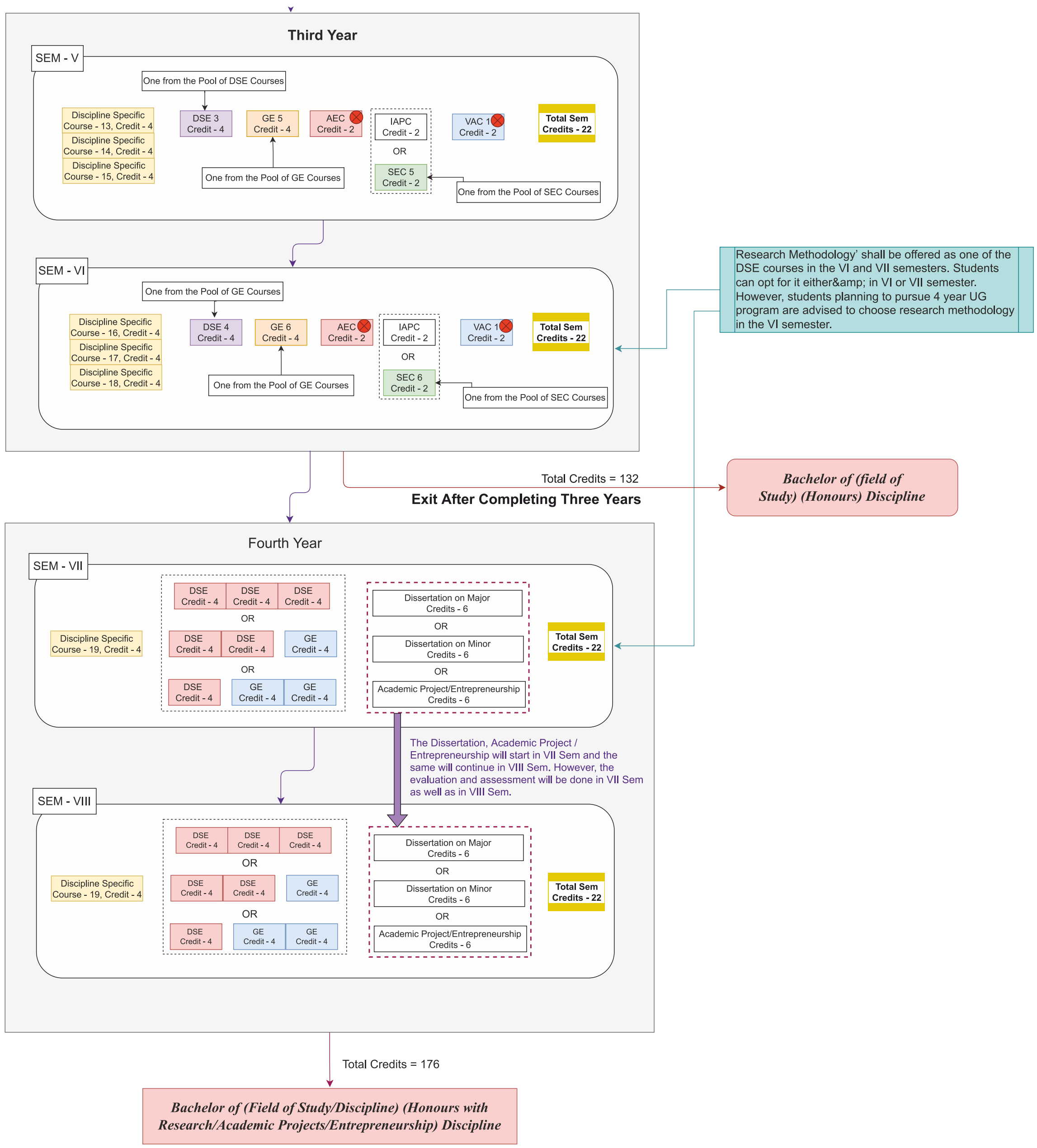

Important note: Students studying DSEs offered by any Discipline other than His/Her Core Discipline will be treated as GE for Him/Her.

In a single core discipline program, the student shall Major in the core discipline. However, if he/she wishes to Minor in another discipline then he/she has to earn 28 credits from GE courses of the second discipline.

In four years, a student will study the following number of DSCs, DSEs and GEs:
Total DSC papers : 20
Total DSE paper options : 10 (minimum to be chosen is 4)
Total GE paper options : 10 (minimum to be chosen is 4)

The student can **Minor** in another discipline, if he/she fulfills the following criteria:

Seven GEs = Minor
(7 x 4) = 28 credits

Example: A student is enrolled in B.A. (Hons.) History and decides to pursue 4th year (sem VII + sem VIII).

If he successfully completes the 4th year, he/she will be awarded **Major in History**.

In addition, if the student successfully completes, seven GEs in Political Science, he/she will be awarded **Minor in Political Science**.

महाविद्यालय का परिचय

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वूमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक कॉलेज है, जिसे दिल्ली सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित किया गया है। इस कॉलेज की स्थापना वर्ष 1989 में हुई थी। यह कॉलेज निम्नलिखित कार्यक्रम* प्रदान करता है:

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम
1	बी.एससी. (ऑनर्स) जैव रसायन	8	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित
2	बी.एससी. (ऑनर्स) जैवचिकित्सा विज्ञान	9	बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजैविकी
3	बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	10	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी
4	बी.एससी. (ऑनर्स) संगणक विज्ञान	11	बी.एससी. (ऑनर्स) सांख्यिकी
5	बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स	12	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.) [फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट एनालिसिस]
6	बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी	13	बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज
7	बी.एससी. (ऑनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन	14	बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान

ये प्रोग्राम छात्राओं को आवश्यक और व्यावहारिक ज्ञान से लैस करने का मंच प्रदान करते हैं ताकि वे वैश्विक स्तर पर उभरती चुनौतियों का सामना कर सकें। वर्तमान में कॉलेज में लगभग 1000 छात्राएं देश के विभिन्न हिस्सों से पढ़ रही हैं।

शिक्षण की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि छात्रा सीखें, पुनः सीखें और जो कुछ ग़लत हो उससे सीखें। कॉलेज की शिक्षण नीति शिक्षक और छात्रा के बीच प्रभावी संबंध पर केंद्रित है। कॉलेज में कुशल स्टाफ है जो दैनिक गतिविधियों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करता है।

नियमित कार्यक्रमों के अलावा, कॉलेज शॉर्ट-टर्म कोर्स, कार्यशाला, और विभिन्न विषयों पर व्याख्यान भी आयोजित करता है। कॉलेज CISCO के साथ मिलकर CISCO नेटवर्किंग अकादमी चलाता है और छात्राओं को CCNA इंडस्ट्री सर्टिफिकेशन के लिए तैयार करता है।

कॉलेज में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) केंद्र भी है जहाँ PG डिप्लोमा इन लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड नेटवर्किंग (PGDLAN) प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, कॉलेज जर्मन भाषा में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी प्रदान करता है।

कॉलेज छात्राओं को शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर देता है। कॉलेज में कई सोसायटी और क्लब हैं, जिनके माध्यम से छात्राएं अपनी प्रतिभा को पहचान सकती हैं और उसे निखार सकती हैं।

* "अंडर ग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क (UGCF) 2022 (NEP 2020)" के तहत पाठ्यक्रमों का विवरण दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई. क्यू.ए.सी)

कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई. क्यू. ए.सी) को यूजीसी और नैक के प्रस्ताव के अनुसार स्थापित किया गया है ताकि गुणवत्ता संवर्धन और निगरानी के लक्ष्यों को साकार किया जा सके। गुणवत्ता संवर्धन एक निरंतर प्रक्रिया है और इसलिए आई. क्यू.ए.सी कॉलेज के समग्र प्रदर्शन में सचेत, सुसंगत और उत्प्रेरक सुधार के लिए एक प्रणाली विकसित करने का प्रयास करता है। यह प्रकोष्ठ समी संस्थागत प्रथाओं में गुणवत्ता संवर्धन के मानकों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इस प्रकार उत्कृष्टत्ता और सतत विकास की प्रणाली को प्रोत्साहित करता है।

कॉलेज का एक सक्रिय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई. क्यू.पू.सी) है जो निरंतर विभिन्न गुणवत्ता पहलुओं की निगरानी और विश्लेषण करता है और इसे निरंतर सुधारने के लिए रणनीतियों पर विचार-विमर्श करता है। आई, क्यू.पू.सी. सेमिनार, विशेषज्ञ व्याख्यान् स्वास्थ्य जांच शिविर आदि जैसे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने के अलावा, गुणवत्ता मानकों की स्थापना और रखरखाव के प्रति भी प्रतिबद्ध है। इसमें छात्रों, स्टाफ और अभिभावकों से समय-समय पर प्रतिक्रिया लेना, परिणामों का विश्लेषण करना और नेक वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (ए. क्यू.ए.आर) जमा करना शामिल है।

आई. क्यू.ए.सी ने अंतरर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और उद्योगों के साथ सहयोग को भी सुगम बनाया है।

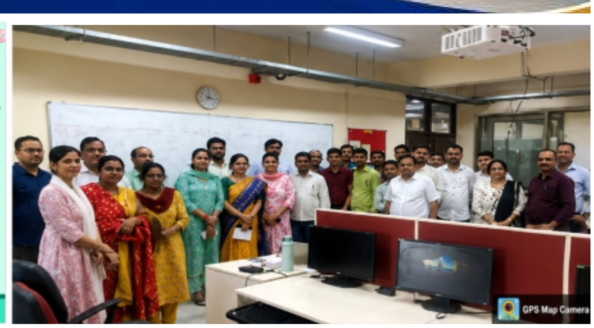

संकाय

प्रधानाचार्य एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

प्रोफेसर (डॉ) पायल मागो[1,4]
पीएच.डी. (बॉटनी),
एम.एससी. (बॉटनी)
दिल्ली विश्वविद्यालय

जीव विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

प्रोफेसर डॉ. रेखा मेहरोत्रा#[2]
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (जेनेटिक्स), एम.फिल. (बॉटनी),
एम.एससी. (बॉटनी) दिल्ली विश्वविद्यालय

जैव रसायन विभाग

डॉ. साधना जैन#
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोकैमिस्ट्री), एम.एससी.
(बॉयोकैमिस्ट्री), दिल्ली विश्विविद्यालय

जैव चिकित्सा विज्ञान विभाग

प्रोफेसर डॉ. राधिका बक्शी
(प्रोफेसर)
पी.एचडी. (बॉयोकैमिस्ट्री) ए.आई.आई.एम.एस.,
एम.एससी. (बॉयोकैमिस्ट्री) दिल्ली विश्वविद्यालय
अवकाश पर डीयू के इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स
में निदेशक पद पर

डॉ. श्रुति बंसवाल#
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (मोलेक्यूलर बॉयोलॉजी एवं बॉयोटेक्नालॉजी)
आई.ए.आर.आई., दिल्ली, एम.एससी.
(प्लांट मोलिक्यूलर बॉयोलॉजी) दिल्ली विश्वविद्यालय

जैव चिकित्सा विज्ञान विभाग

डॉ. वर्षा मेहरा
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोमेडीकल साईस), दिल्ली विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (बॉयोटेक्नालॉजी), जे.एन.यू

डॉ. मौ. साकिब अन्सारी
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोकैमिस्ट्री),
एम.एससी. (बॉयोकैमिस्ट्री) बुन्देलखंड विश्वविद्यालय

डॉ. इन्दु अरोड़ा
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (कैमिस्ट्री), एम.एससी. (कैमिस्ट्री)
दिल्ली विश्वविद्यालय

रसायन विज्ञान विभाग

प्रोफेसर डॉ. जसजीत कौर #
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोटेक्नालॉजी), एम.एससी. (कैमिस्ट्री),
पंजाब विश्वीविद्यालय, पटियाला

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

डॉ. सुरुचि चावला
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (सी.एस.), दिल्ली विश्वविद्यालय,
एम.टेक. (सी.एस.ई.), कुरूक्षेत्रा विश्वविद्यालय

संगणक विज्ञान विभाग

प्रोफेसर डॉ. दीपाली बजाज#
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. डी.यू., एम.फिल. (कम्प्यूटर साईस), मदुरई कामराज
विश्वविद्यालय, एम.सी.ए. (इग्नू), दिल्ली

डॉ. आकांक्षा
(एसोसिएट प्रोफेसर) पीएच.डी. (सी.एस.), डी.यू.
एम.फिल. (सी.एस.), मदुरई कामराज विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (सी.एस.), बनस्थली विद्यापीठ

इलेक्ट्रॉनिक विभाग

सुश्री वेनिका गुप्ता
(एसोसिएट प्रोफेसर)
एम.फिल. (इलेक्ट्रॉनिक्स), एम.एससी.
(इलेक्ट्रॉनिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

सुश्री प्रीति सिंघल
(एसोसिएट प्रोफेसर)
एम.फिल. (इलैक्ट्रॉनिक्स), एम.एससी.
(इलैक्ट्रॉनिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग

डॉ. दीपा जोशी #
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (डेयरी), एन.डी.आर.आई., करनाल,
एम.एससी. (एफ.टी.), जी.बी.पन्त विश्वविद्यालय

प्रोफेसर डॉ. रंजना सिंह
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (फूड टेक्नॉलॉजी), एम.एससी.
(फूड टेक्नॉलॉजी), जी.बी.पन्त विश्वविद्यालय

डॉ. परा धोलकिया
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी.(गृह विज्ञान), दिल्ली विश्वविद्यालय
एम. एससी. खाद्य एवं पोषण , एम. एस. युनिवर्सिटी
ऑफ बड़ौदा

इलेक्ट्रॉनिक विभाग

डॉ. दया भारद्वाज #[3]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी., टी.ई.आर.आई. विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (एम.आई.सी.ए.) जीवाजी विश्वविद्यालय

प्रोफेसर डॉ. स्नेहा काबरा
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (इलैक्ट्रॉनिक्स),
एम.एससी. (इलैक्ट्रॉनिक्स), डी.यू

गणित विभाग

प्रोफेसर डॉ. पुनीता सक्सेना#
(प्रोफेसर)
पी.एच.डी. (मैथेमैटिक्स), जामिया मिलिया इस्लामिया,
एम.फिल., एम.एससी. (मैथेमैटिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

भौतिकी विज्ञान विभाग

प्रोफेसर डॉ. अलका वोहरा कुंअॅर#
(प्रोफेसर)
पी.एच.डी. (भौतिकी), एम.एससी. (भौतिकी),
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रभारी प्राध्यापक, संबंधित विभाग / 1 समन्वयक, वित्तीय और प्रबंधन अध्ययन विभाग /
2 समन्वयक, माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग / 3 समन्वयक, मनोविज्ञान विभाग / 4 समन्वयक, सांख्यिकी विभाग

जैव रसायन विभाग

"नवाचार हमारी परंपरा है"

यह विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) जैव रसायन कार्यक्रम प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम में जीवन के अणुओं, कोशिका जीवविज्ञान, प्रोटीन, एंजाइम, जीन संरचना, मानव शरीर क्रिया विज्ञान, संक्रामक रोगों, पादप जैव रसायन, आनुवंशिकी, प्रतिरक्षा विज्ञान आदि जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। यह पाठ्यक्रम छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों और औद्योगिक नौकरियों के चयन में सक्षम बनाता है, जिससे उन्हें अन्य कार्यक्रमों की तुलना में एक विशेष बढ़त प्राप्त होती है। विभाग अकादमिक ब्लॉक के भूतल पर स्थित है।

पिछले वर्षों में, हमारे छात्राओं को विश्वविद्यालय स्तर पर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया है। कई छात्रा प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, और जामिया मिल्लिया इस्लामिया आदि में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ छात्राओं ने एम्स (AIIMS), डीयूईटी (DUET), पीजीआईएमईआर (PGIMER), हैदराबाद विश्वविद्यालय, और बीएचयू (BHU) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों/विश्वविद्यालयों की परास्नातक प्रवेश परीक्षाओं में अखिल भारतीय स्थान भी प्राप्त किया है।

विभाग की प्रयोगशालाएँ बुनियादी उपकरणों से लेकर उन्नत उपकरणों तक सुसज्जित हैं, जिनमें pH मीटर, UV-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, शीतित अपकेन्द्रक, इलेक्ट्रोफोरेसिस यूनिट्स, वेस्टर्न ब्लॉटिंग उपकरण, लैमिनार हूड, पीसीआर (PCR) आदि शामिल हैं। ये सभी उपकरण स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत आवश्यक प्रयोगों को करने के लिए उपलब्ध हैं।

विभाग छात्राओं को छोटे शोध परियोजनाओ पर कार्य करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। कुछ छात्रा परियोजनाओं को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया और वहां उन्हें सराहा भी किया गया। इसके अतिरिक्त, छात्राओं को नियमित रूप से अनुसंधान संस्थानों और औद्योगिक इकाइयों जैसे कि ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट (THSTI), रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी (RCB), डाबर रिसर्च फाउंडेशन, और दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर आदि में शैक्षणिक भ्रमण पर भी ले जाया जाता है।

सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

- विनकूलम, विभाग की निर्वाचित छात्रा समिति, नियमित रूप से सेमिनार, बौद्धिक वार्ताएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, पूर्व छात्रा मिलन, तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त व्यक्तित्वों के साथ कार्यशालाओं का आयोजन करती है।
- विभाग की एक अन्य प्रमुख विशेषता इसका वार्षिक टेक-फेस्ट "एलिक्सिर" और वार्षिक विभागीय पत्रिका 'अनलॉकिंग माइंडस' है।
- छात्राओं को मानसिक शीतलता प्रदान करने के उद्देश्य से, विभाग शैक्षणिक और मनोरंजक यात्राओं का भी आयोजन करता है।
- विभाग में नियमित रूप से मेंटॉर (शिक्षक) - मेंटी (छात्रा) बैठकें आयोजित की जाती हैं।

जैवचिकित्सा विज्ञान विभाग

बी.एससी. (ऑनर्स) जैवचिकित्सा विज्ञान, एक चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो NEP योजना के अंतर्गत आता है। यह विभाग वर्ष 2005 में स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य जैविक विज्ञान में करियर के लिए छात्राओं को एक मजबूत ज्ञान आधार और आवश्यक कौशल प्रदान करना है।

इस कोर्स में मानव शरीर क्रिया विज्ञान, फार्माकोलॉजी, आनुवंशिकी, जैव रसायन, प्रतिरक्षा विज्ञान, रोगविज्ञान, जैव सूचना विज्ञान, जैवभौतिकी, विषविज्ञान, जैवसांख्यिकी, जैव प्रौद्योगिकी और औषधीय रसायन विज्ञान जैसे विषयों के क्रेडिट शामिल हैं। इसका पाठ्यक्रम इसे एक अंतःविषय पाठ्यक्रम बनाता है जो छात्राओं को जैविक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए सक्षम बनाता है। विभाग में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ हैं जिनमें थर्मो-साइकलर, UV स्पेक्ट्रो-फोटोमीटर, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस यूनिट्स, सेंट्रीफ्यूज, इनक्यूबेटर, शेकर्स, ऑटोक्लेव, रोटरी वैक्यूम, लैमिनार फ्लो और एनिमल सेल कल्चर फैसिलिटी जैसे नवीनतम उपकरण मौजूद हैं।

विभाग की छात्रा संस्था "काइमेरा" सेमिनार और परस्पर संवादात्मक सत्र आयोजित करती है, जिनमें प्रतिष्ठित शिक्षाविद और उद्यमी शामिल होते हैं ताकि छात्रा नवीनतम शोध और तकनीकी विकास से अपडेट रहें। विभाग का वार्षिक वैज्ञानिक उत्सव "प्लेक्सस" छात्राओं द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें वे वैज्ञानिक व बौद्धिक चर्चाओं में भाग लेती हैं। विभाग नियमित रूप से संगोष्ठी एवं कार्यशाला भी आयोजित करता है।

विभाग के बहुविषयी फैकल्टी- जीवों की आणविक, कोशिकीय और शारीरिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करते हैं। विभाग अनुसंधान परियोजनाओं, छात्रा इंटर्नशिप, व्यावहारिक प्रशिक्षण और ग्रीष्मकालीन परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी करता है। RCB, डाबर इंडिया लिमिटेड, NBRC, JNU, AIIMS, और ICGEB जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के दौरे आयोजित किए जाते हैं।

यह कोर्स छात्राओं को आधारभूत एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान दोनों में अनुसंधान के लिए आवश्यक ज्ञान और हस्तांतरणीय कौशल प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम से स्नातक छात्रा फार्मास्युटिकल कंपनियों में कार्य करते हैं या TIFR, IISERs, IISc, NII, JNU जैसे संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं।

यह पाठ्यक्रम छात्राओं को स्व-रोजगार विकल्पों जैसे नैदानिक (डायग्नोस्टिक) प्रयोगशाला खोलना, फ्रीलांस लाइसेंस प्राप्त करना, या जैव प्रौद्योगिकी यूनिट स्थापित करने के लिए प्रेरित करता है। इस प्रकार यह पाठ्यक्रम छात्राओं को अनुप्रयुक्त जीवविज्ञान (Applied Biology) में उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है।

प्लेक्सस 2026

बायोमेडिकल साइंसेज़ में कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. अर्नब भट्टाचार्जी, डॉ. राकेश शर्मा, डॉ. एस. एस. मैत्रा तथा डॉ. ज्योति बाला ने स्वास्थ्य सेवा उन्नयन के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए।

इस कार्यक्रम में 80 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन इस निष्कर्ष के साथ हुआ कि कम्प्यूटेशनल उपकरण जैव-चिकित्सीय अनुसंधान को गति प्रदान करने तथा उद्योग क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्त्वपूर्ण और परिवर्तनकारी भूमिका निभाते हैं। प्रतिभागियों को इस विषय से संबंधित बहुमूल्य ज्ञान एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण प्राप्त हुए।

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग NEP के अंतर्गत चार वर्षीय बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम संचालित करता है।

विभाग में चार सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें एक अनुसंधान प्रयोगशाला भी शामिल है। ये प्रयोगशालाएँ रसायन विज्ञान की तीन प्रमुख शाखाओं – अकार्बनिक, कार्बनिक और भौतिक रसायन – की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। अनुसंधान प्रयोगशाला में कई शोध परियोजनाएँ एवं नवाचार परियोजनाएँ भी सफलतापूर्वक की गई हैं।

प्रयोगशालाएँ विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित हैं, जैसे कि यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, इलेक्ट्रॉनिक तुला, माइक्रोप्रोसेसर-आधारित सेंट्रीफ्यूज (16,000 आरपीएम), हॉट प्लेट वाले मैग्नेटिक स्टिरर, वॉर्टेक्स शेकर, रोटरी वैक्यूम पंप, रोटरी एवपोरेटर, आइस मेकर, डीप फ्रीज़र, डिजिटल पीएच मीटर, डिजिटल और इलेक्ट्रिक मेल्टिंग पॉइंट उपकरण, डिस्टिलेशन यूनिट, फ्यूम हूड आदि।

विभाग के छात्रा विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और कॉलेज की विभिन्न समितियों के सदस्य होते हैं। इसके अलावा, वे राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन और सेमिनार में भाग लेते हैं ताकि रसायन विज्ञान और संबंधित विषयों में नवीनतम नवाचारों और विकास से अवगत रह सकें। विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजनाएँ उनके शोध कौशल को और बेहतर बनाती हैं।

विभाग में एक जीवंत रासायनिक समिति 'अल्केमी' है, जो छात्राओं और शिक्षकों को कक्षा से बाहर संवाद का मंच प्रदान करती है। यह समिति प्रतिष्ठित विद्वानों और वैज्ञानिकों द्वारा लोकप्रिय व्याख्यान नियमित रूप से आयोजित करती है ताकि सदस्यों को रसायन विज्ञान से संबंधित क्षेत्रों में नवीनतम विकास से अवगत कराया जा सके। वार्षिक तकनीकी उत्सव और कार्यशालाएँ छात्राओं को अनुभव प्रदान करने के लिए आयोजित की जाती हैं। छात्राओं को इंटर-कॉलेज प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में भाग लेने के भरपूर अवसर मिलते हैं। शैक्षिक भ्रमण छात्राओं को कक्षा से बाहर भी शिक्षा प्रदान करते हैं।

छात्राओं का चयन परास्नातक एवं शोध कार्यक्रमों के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों में हुआ है, जैसे – दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान {बीएचयू (वाराणसी), चेन्नई, धनबाद, गांधी नगर, गुवाहाटी, जोधपुर, मुंबई, रुड़की}, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (मोहाली, पुणे), टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (दिल्ली), जामिया हमदर्द (दिल्ली), भारतीय प्रबंधन संस्थान (रांची), यूनिवर्सिटी ऑफ बफेलो (न्यूयॉर्क, अमेरिका), यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो (यू.के.), यूनिवर्सिटी कॉलेज, डबलिन (आयरलैंड), फ्राई यूनिवर्सिटैट बर्लिन (जर्मनी), तथा कई अन्य।

संगणक (कंप्यूटर) विज्ञान विभाग

विभाग नवीनतम सॉफ्टवेयर विकास उपकरणों एवं प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल प्रदान करने के लिए उत्कृष्ट आधारभूत संरचना उपलब्ध कराता है। विभाग के पास अत्याधुनिक आईसीटी-सक्षम प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध हैं:

- नवीनतम कंप्यूटर विन्यास (Configuration) से युक्त 137 कंप्यूटर (इंटेल कोर i7 प्रोसेसर, 20 जीबी एवं 16 जीबी रैम, 3.4 गीगाहर्ट्ज प्रोसेसर, 64-बिट विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम तथा समुचित सुरक्षा सुविधाओं सहित)।
- संगणनात्मक क्षमता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विभाग ने हाल ही में डेल प्रिसीजन 5860 टॉवर ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (GPU) वर्कस्टेशन स्थापित किया है, जो इंटेल ज़ियॉन W7-2475X प्रोसेसर तथा इंटेल W-सीरीज़ चिपसेट से संचालित है। यह प्रणाली 128 जीबी रैम, 1 टीबी SSD स्टोरेज तथा एनवीडिया RTX 6000 Ada ग्राफिक्स कार्ड से सुसज्जित है, जो उच्च-प्रदर्शन संगणना (High-Performance Computing) एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित कार्यभार के कुशल निष्पादन में सक्षम है। इस प्रणाली में वाई-फाई 5 तथा ब्लूटूथ 5.0 के माध्यम से वायरलेस कनेक्टिविटी उपलब्ध है। साथ ही, जुपिटर नोटबुक एवं जुपिटर लैब जैसे विकास परिवेश की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं को प्रोग्रामिंग, डेटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग तथा अनुसंधान संबंधी कार्यों के लिए एक उन्नत संगणनात्मक मंच प्राप्त होता है।
- 4 लेज़र प्रिंटर, 1 बहु-कार्यात्मक (Multi-function) प्रिंटर तथा 2 स्कैनर।
- विद्यार्थियों के व्यावहारिक अनुभव को समृद्ध बनाने हेतु लाइसेंस प्राप्त (Licensed) एवं मुक्त स्रोत (Open Source) सॉफ्टवेयर का संतुलित संयोजन।
- प्रत्येक प्रयोगशाला में मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर उपलब्ध हैं तथा दो पोर्टेबल प्रोजेक्टरों का उपयोग सेमिनारों, प्रस्तुतियों एवं शिक्षण गतिविधियों में किया जाता है।

प्रयोगशालाएँ नवीनतम सॉफ्टवेयरों से सुसज्जित हैं, जिनमें माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस प्रोफेशनल 2021, टर्बो C++, क्विन्सी (Quincy), IDLE पाइथन, स्ट्रॉबेरी प्रोलॉग, मल्टीमीडिया टूल्स, रेड हैट लिनक्स, Lex एवं Yacc यूटिलिटीज़, विजुअल स्टूडियो, नवीनतम जावा SE डेवलपमेंट किट, CPU सिम्युलेटर, वेका, ऑक्टेव, एंड्रॉयड स्टूडियो, एनाकोंडा नेविगेटर, MySQL, VS कोड, nodejs, XAMPP, MASM आदि शामिल हैं। विद्यार्थियों में अनुसंधान की भावना को प्रोत्साहित करने तथा उनकी शोध क्षमताओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रयोगशालाएँ उच्च गति की इंटरनेट सुविधा से सुसज्जित हैं, जिसके माध्यम से उन्हें ई-जर्नल्स तथा अन्य डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों तक सहज पहुँच उपलब्ध कराई जाती है।

विभाग में प्रोग्रामर/सर्वर कक्ष, विभागीय पुस्तकालय, UPS कक्ष तथा शिक्षण कक्ष सहित विभिन्न उपयोगिता कक्ष उपलब्ध हैं, जो शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रयोगशालाओं के प्रभावी एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए विभाग में प्रशिक्षित एवं दक्ष प्रयोगशाला कर्मी कार्यरत हैं, जिनमें एक तकनीकी सहायक, प्रयोगशाला सहायक तथा प्रयोगशाला परिचारक शामिल हैं।

विभागीय पुस्तकालय: विभाग में एक लघु पुस्तकालय/बुक क्लब संचालित है, जिसमें संकाय सदस्यों एवं पूर्व छात्राओं द्वारा दान की गई 200 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। यह पुस्तकालय विद्यार्थियों में अध्ययन, पठन-पाठन तथा ज्ञान-विस्तार की संस्कृति को प्रोत्साहित करता है।

शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए इंटरनेट सुविधा: विद्यार्थियों में अनुसंधान की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभाग की प्रयोगशालाएँ इंटरनेट सुविधा से सुसज्जित हैं, जिसके माध्यम से ई-जर्नल्स तथा अन्य महत्त्वपूर्ण वैज्ञानिक पोर्टलों तक पहुँच उपलब्ध कराई जाती है। यह सुविधा कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों दोनों के लिए उपलब्ध है।

इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग

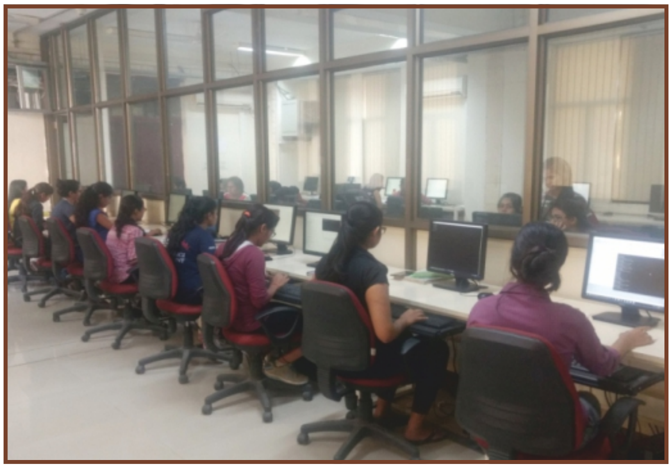

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग बी. एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स, एक डिग्री कार्यक्रम आयोजित करता है। यह प्रोग्राम बुनियादी से लेकर उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स का गहन ज्ञान प्रदान करता है। इस कार्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्रों के पास उच्च शिक्षा के लिए कई रास्ते हैं जैसे कि एम.एस.सी. (इलेक्ट्रॉनिक्स), एम.सी.ए., एम.बी.ए. आदि। इस कार्यक्रम के पूरा होने पर छात्रों के पास कैरियर के कई अवसर हो सकते हैं। विभाग के पास संघार इलेक्ट्रॉनिक्स, माइक्रोप्रोसेसर, ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल और एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स आदि जैसी अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ है। ये प्रयोगशालाएँ डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, फंक्शन जनरेटर, बिजली आपूर्ति, मल्टी मीटर, व्यावहारिक ट्रेनर किट, परिष्कृत माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर ट्रेनर से सुसज्जित हैं। किट आदि के साथ-साथ उनके सॉफ्टवेयर जैसे मैटलैब, मल्टीसिम्, एक्सिलिनक्स और एलटीस्पाइस भी शामिल हैं। दो इलेक्ट्रॉनिक्स सिमुलेशन प्रयोगशालाएं ऑनलाइन और ऑफलाइन सिमुलेशन के लिए 50 से अधिक नवीनतम कंप्यूटरों से सुसज्जित हैं। सिमुलेशन, प्रोजेक्ट, असाइनमेंट, वेबिनार और अनुसंधान के लिए नवीनतम कंप्यूटरों में छात्रों और कर्मचारियों को वेव तक पहुंचने के लिए इंटरनेट सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। विभाग के पास संकाय और छात्रों के लिए एक बुक बैंक भी है। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में नए विकास और हालिया रुझानों को कारगर बनाने के लिए छात्रों के लिए सक्रिय रूप से सेमिनार, बेबिनार, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। विभाग सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में सामुदायिक सेवाओं में शामिल होने के लिए छात्रों का समर्थन करके मूल्य-आधारित शिक्षा को भी बढ़ावा देता है। विभाग की अपनी छात्र सोसायटी है जिसका नाम 'विद्युत है। यह सोसायटी संकायों के साथ मिलकर प्रतिवर्ष तकनीकी उत्सव इलेक्ट्रोमेनिया के साथ-साथ विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी गतिविधियों का आयोजन करती है। छात्र परिषद् छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में नवीनतम प्रौद्योगिकियों, अनुसंधान और विकास की जानकारी देने के लिए एक द्विवार्षिक पत्रिका "इलेक्ट्रोवेडा" प्रकाशित करती है। विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स में अनुसंधान के प्रति प्रेरित छात्रों के लिए संस्थान इंटर्नशिप के अवसर भी प्रदान करता है।

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग

"नवाचार ही हमारी जीवनशैली है।"

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है, जिसमें बेसमेंट क्षेत्र में 2 पायलट प्लांट हैं। यह विभाग NEP 2020 के अनुसार बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी में पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें कई निकास बिंदु हैं। यह 4 वर्षीय कार्यक्रम है जिसमें अंतिम वर्ष में अनुसंधान परियोजनाएं भी शामिल हैं। विभाग में 5 स्थायी प्राध्यापक, 1 अतिथि प्राध्यापक और 4 अंशकालिक शिक्षक हैं। विभाग में 5 प्रयोगशालाएं हैं: विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला 1 और 2, खाद्य सूक्ष्मजीवविज्ञान प्रयोगशाला, खाद्य एवं पोषण प्रयोगशाला, और विश्लेषणात्मक यंत्र प्रयोगशाला। इसके अलावा, कल्चर इनोकुलेशन, सैंपल वेटिंग और सैंपल डिज़ाइनिंग के लिए अतिरिक्त कक्ष भी हैं, जो लैमिनार फ्लो चैंबर से सुसज्जित हैं। पायलट प्लांट में कैनिंग यूनिट, निर्जलीकरण यूनिट, फ्लूइडाइज्ड बेड फ्रीज़र, डीप फ्रीज़र, बेकरी और आइसक्रीम यूनिट शामिल हैं। विभागीय पुस्तकालय में संदर्भ पुस्तकें, परियोजना रिपोर्ट और उत्पाद विकास साहित्य उपलब्ध हैं, जिसमें छात्रा और संकाय इंटरनेट और कंप्यूटर की सुविधा का उपयोग कर सकते हैं।

विश्लेषणात्मक प्रयोगशालाओं में निम्नलिखित उपकरण हैं: मॉइस्चर मीटर, बर्स्टिंग स्ट्रेंथ टेस्टर, वैक्यूम ओवन, ब्रुकफील्ड विस्कोमीटर (डिजिटल और एनालॉग), एब्बेस रिफ्रैक्टोमीटर, पेनिट्रोमीटर, हाइड्रोमीटर, सॉक्सलेट यूनिट, यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, डिहाइड्रेटर, मफल फर्नेस, पोलरिमीटर, लोविबॉन्ड टिंटोमीटर, केजेलडाहल यूनिट, वैक्यूम एवपोरेटर, कॉब टेस्टर, वैक्यूम पैकेजिंग मशीन, फर्मेंटर, और आरएम-पीवी एस्टीमेशन असेंबली। बेकरी यूनिट में प्लैनेटरी मिक्सर, बेकिंग ओवन, डो नीडर, ब्रेड स्लाइसर, डफ शीटर, बन कटर, शुगर ग्राइंडिंग मिल है। माइक्रोबायोलॉजी लैब में ऑटोक्लेव, इनक्यूबेटर, डिजिटल माइक्रोस्कोप, बाइनोक्यूलर माइक्रोस्कोप, बीओडी इनक्यूबेटर, हाईमीडिया एयर सैम्पलर, मिलीफिल्ट्रेशन असेंबली, लैमिनार एयर फ्लो चैंबर, इलेक्ट्रॉनिक कॉलोनी काउंटर आदि हैं।

विकसित सुविधाओं में शामिल हैं: HPLC सिस्टम, टेक्सचर एनालाइज़र, एटोमिक एब्जॉर्प्शन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रैनसिमैट, फैट एनालाइज़र, प्रोटीन एनालाइज़र, रिवर्स ऑस्मोसिस प्लांट और SO2 एस्टीमेशन असेंबली। विभाग को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय से पचास लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है ताकि अत्याधुनिक उपकरण खरीदे जा सकें। वर्तमान सत्र 2024-25 में विभाग ने ड्रॉप टेस्टर, किचन एड मिक्सर, ऑयल प्रेसिंग मशीन, मिलिंग मशीन और डिजिटल माइक्रोस्कोप जैसे नए उपकरण स्थापित किए हैं।

विभाग कॉलेज के अन्य विभागों और विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर कार्यशालाएं, प्रशिक्षण सत्र, व्याख्यान, संगोष्ठी और वेबिनार का आयोजन करता है ताकि छात्रा वर्तमान गतिविधियों से अवगत रहें। वर्तमान सत्र में विभाग ने "विश्व खाद्य दिवस" मनाया और सस्टेनेबल फूड चॉइस - मशरूम की खेती" पर प्रो. रेखा मेहरोत्रा द्वारा एक व्याख्यान और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। मार्च माह में "फूड फेलेसिटी" नामक तकनीकी महोत्सव के अंतर्गत अनेक इंटर कॉलेज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

छात्राओं के लिए शैक्षणिक भ्रमण भी आयोजित किए जाते हैं, जिसमें वे विभिन्न उद्योगों और संस्थानों का दौरा करते हैं जैसे: NDRI-कर्नाल, एंसीट गोल्डन मिलेट्स, मदर डेयरी-दिल्ली, गोगिया फ्लेवर इंडस्ट्री आदि। वर्तमान सत्र में छात्राओं ने DFM फूड्स लिमिटेड (क्रैक्स प्लांट) का भी दौरा किया। छात्राओं को भारत और विदेशों के प्रमुख संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला है, जैसे कि CFTRI-मैसूर, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पैकेजिंग, NDRI- करनाल, NIFTEM-सोनीपत, BHU, PAU, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, स्कॉटलैंड, नीदरलैंड्स आदि। पूर्व छात्रा भी GSK, मदर डेयरी, नेस्ले इंडिया, पेप्सीको, याकुल्ट, FSSAI, BIS आदि में कार्यरत हैं। विभाग का लक्ष्य छात्राओं को नवाचार आधारित उत्पाद विकास और उद्यमिता कौशल के साथ तैयार करना है।

यंत्र विन्यास (इंस्ट्रूमेंटेशन) विभाग

इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) कार्यक्रम प्रदान करता है, जो एक सुव्यवस्थित आधारभूत ढांचे और विशेषीकृत प्रयोगशालाओं द्वारा समर्थित है, जिसे अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों दोनों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें शामिल हैं: विश्लेषणात्मक इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला, जिसमें HPLC, GLC, UV-Vis और FTIR स्पेक्ट्रोफोटोमीटर जैसे उन्नत उपकरण हैं। बायोमेडिकल प्रयोगशाला, जो ECG, EEG, ELISA और PCR मशीनों से सुसज्जित है। विभाग में इलेक्ट्रॉनिक्स, विद्युत मशीनें, और नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशालाएं भी हैं, जिनमें मोटर्स, PID नियंत्रक, और एनालॉग, डिजिटल तथा संचार इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए ट्रेनर किट्स उपलब्ध हैं। माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर प्रयोगशाला 8085, 8086, और 8051 किट्स के साथ MATLAB, LABVIEW और KiCAD के प्रशिक्षण की सुविधा देती है, जो प्रोग्रामिंग और पीसीबी डिज़ाइन पर केंद्रित है। औद्योगिक इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला फ्लो मीटर, कैलिब्रेटर जैसे उपकरणों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण देती है। पीसीबी फैब्रिकेशन प्रयोगशाला एक अर्ध-स्वचालित CNC मशीन से सुसज्जित है, जो पीसीबी एनग्रेविंग और ड्रिलिंग, सोल्डरिंग स्टेशन और ड्रिलिंग टूल्स की मदद से छात्राओं को सर्किट प्रोटोटाइप और फैब्रिकेशन का गहन प्रशिक्षण देती है। सभी प्रयोगशालाएं कंप्यूटर सिस्टम्स से सुसज्जित हैं जो सिमुलेशन आधारित लर्निंग को सपोर्ट करती हैं।

छात्राओं को नवीनतम विकासों से अवगत रखने के लिए, विभाग ने वर्ष 2025-2026 के दौरान शैक्षणिक, सह-पाठ्यचर्या (co-curricular) और संवर्धन गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला का आयोजन किया। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्म-जागरूकता को प्रोत्साहित करने हेतु माइंडफुलनेस एवं हैप्पीनेस पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें पाठ्यक्रम, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों तथा विभागीय अवसरों से परिचित कराया गया। इसके अतिरिक्त, Semicon'25 के शैक्षणिक भ्रमण ने विद्यार्थियों को सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी तथा उद्योग जगत की नवीनतम प्रगतियों एवं कार्यप्रणालियों की उपयोगी जानकारी प्रदान की। छात्राओं ने शिक्षक दिवस समारोह और छात्र परिषद (स्टूडेंट काउंसिल) चुनावों जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे समुदाय और नेतृत्व की भावना विकसित हुई। विभाग ने अपने वार्षिक तकनीकी उत्सव, 'TECHNEXUS'25' का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया। 'TAC Automation' की एक औद्योगिक यात्रा ने आधुनिक ऑटोमेशन प्रणालियों का व्यावहारिक अनुभव (hands-on exposure) प्रदान किया। इसके अलावा, सीएमओएस (CMOS) प्रौद्योगिकियों-न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग पर विशेषज्ञों के व्याख्यान ने छात्रों के ज्ञान को बढ़ाया। विभाग के वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन Vyakhyan '26 में प्रतिष्ठित पूर्व छात्राओं ने सहभागिता करते हुए अपने अनुभव साझा किए तथा विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

प्रबंधन अध्ययन विभाग

शहीद राजगुरु कॉलेज के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा संचालित बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ (BMS) कार्यक्रम विद्यार्थियों को भविष्य के लिए सक्षम एवं दक्ष व्यावसायिक नेतृत्वकर्ता के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम विपणन (मार्केटिंग), वित्त (फाइनेंस), मानव संसाधन प्रबंधन (ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट) तथा डिजिटल व्यवसाय (डिजिटल बिज़नेस) जैसे प्रमुख क्षेत्रों को समाहित करता है, जिससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ उसके व्यावहारिक अनुप्रयोग की भी सुदृढ़ समझ प्राप्त होती है।

शैक्षणिक अध्ययन और उद्योग जगत के मध्य की दूरी को कम करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा समय-समय पर प्रतिष्ठित उद्यमियों, नीति-निर्माताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग विशेषज्ञों को आमंत्रित कर अतिथि व्याख्यान, संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। ये कार्यक्रम विद्यार्थियों को वास्तविक व्यावसायिक चुनौतियों, उद्योग की कार्यप्रणालियों तथा उभरते हुए रुझानों की व्यावहारिक समझ प्रदान करते हैं, जिससे उनके ज्ञान, कौशल एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण का समग्र विकास होता है।

क्षेत्रीय भ्रमण, लाइव प्रोजेक्ट्स, केस प्रतियोगिताओं तथा सामाजिक जन-जागरूकता एवं आउटरीच पहलों के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है, जिससे उनमें विश्लेषणात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता तथा समस्या-समाधान कौशल का प्रभावी विकास होता है। विभाग का वार्षिक महोत्सव **IIDAIRA** विद्यार्थियों को अपनी प्रबंधकीय दक्षता, नवाचार एवं रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है।

प्रबंधन अध्ययन विभाग अपनी सुदृढ़ शैक्षणिक संस्कृति तथा निरंतर विकसित हो रहे पूर्व छात्र नेटवर्क पर गर्व करता है। विभाग के अनेक विद्यार्थियों ने **भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIMs)**, **फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ (FMS)** तथा विभिन्न प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा हेतु स्थान प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों ने विविध क्षेत्रों की प्रतिष्ठित संस्थाओं एवं कंपनियों में इंटर्नशिप तथा सफल प्लेसमेंट प्राप्त कर विभाग की उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं व्यावसायिक उपलब्धियों को और सुदृढ़ किया है।

वित्तीय अध्ययन विभाग

वित्तीय अध्ययन विभाग, विद्यार्थियों को वित्त एवं निवेश प्रबंधन के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्रदान करने हेतु एक उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराता है। विभाग का पाठ्यक्रम इस प्रकार तैयार किया गया है कि विद्यार्थियों में वर्तमान के गतिशील वित्तीय परिदृश्य के अनुरूप विश्लेषणात्मक, मात्रात्मक तथा प्रभावी निर्णय लेने की क्षमता का विकास हो सके।

पाठ्यक्रम में वित्तीय बाजार, निवेश विश्लेषण, कॉर्पोरेट वित्त तथा जोखिम प्रबंधन जैसे प्रमुख विषयों पर विशेष बल दिया गया है। इसके साथ ही कार्यशालाओं, वित्तीय सिमुलेशन तथा शोध-आधारित शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया जाता है।

उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करने के उद्देश्य से विभाग समय-समय पर वित्त विशेषज्ञों, वित्तीय विश्लेषकों तथा अर्थशास्त्रियों के व्याख्यान एवं संवाद सत्र आयोजित करता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को बाजार की नवीनतम प्रवृत्तियों, मूल्यांकन तकनीकों तथा वास्तविक वित्तीय निर्णय-निर्माण प्रक्रियाओं की गहन समझ प्राप्त होती है।

विभाग विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, वित्तीय शोध परियोजनाओं तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे उनकी तकनीकी दक्षता, विश्लेषणात्मक क्षमता तथा व्यावसायिक कौशल का समुचित विकास होता है। साथ ही, विभाग विद्यार्थियों द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं पहलों के माध्यम से वित्तीय साक्षरता और वित्तीय जागरूकता को भी बढ़ावा देता है।

विभाग के स्नातक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करने के साथ-साथ वित्तीय परामर्श, निवेश संस्थानों तथा कॉर्पोरेट वित्त सहित वित्तीय क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों में सफलतापूर्वक कार्यरत हैं, जो विभाग की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण का प्रमाण है।

गणित विभाग

"चुनौतियों को अवसरों में परिवर्तित करना"

वर्ष 1989 में स्थापित गणित विभाग महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही उसकी शैक्षणिक यात्रा का अभिन्न अंग रहा है। विभाग चार वर्षीय बी.एससी. (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम संचालित करता है, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अनुरूप एक, दो अथवा तीन वर्ष पूर्ण करने पर क्रमशः प्रमाणपत्र (Certificate), डिप्लोमा अथवा डिग्री प्राप्त करने के लचीले विकल्प उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों को अन्य विभागों से माइनर पाठ्यक्रम चुनने की भी सुविधा प्रदान की जाती है।

विभाग एक सशक्त एवं प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता है, जहाँ समर्पित शिक्षक एवं उत्साही विद्यार्थी मिलकर गणितीय सिद्धांतों तथा उनके वास्तविक जीवन में अनुप्रयोगों की गहन समझ विकसित करते हैं। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक चिंतन, तार्किक दृष्टिकोण, समस्या-समाधान क्षमता तथा गणित की लालित्य एवं वैज्ञानिक प्रकृति के प्रति रुचि विकसित करना है।

विभाग की शैक्षणिक सोसाइटी रमनआर्य के माध्यम से समय-समय पर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं विविध शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जो बौद्धिक संवाद एवं ज्ञान-विनिमय को प्रोत्साहित करती हैं। 'अभिज्ञान' विशेष व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत प्रतिष्ठित विद्वानों के व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं, जबकि " संवाद " पूर्व छात्राओं के साथ संवाद का एक प्रभावी मंच प्रदान करता है। ये पहल विद्यार्थियों को शोध कार्य, इंटर्नशिप तथा बहुविषयक सहयोग के लिए प्रेरित करती हैं, साथ ही उनमें नेतृत्व क्षमता एवं व्यावसायिक नेटवर्क विकसित करने में भी सहायक होती हैं।

विभाग का पाठ्यक्रम सैद्धांतिक ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल के संतुलित विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें कैलकुलस, रैखिक एवं अमूर्त बीजगणित, तथा वास्तविक एवं समिश्र विश्लेषण जैसे मूल विषयों के साथ-साथ ग्राफ सिद्धांत, रैखिक प्रोग्रामिंग, डेटा साइंस तथा मैथमेटिकल पाइथन जैसे अनुप्रयुक्त विषय भी सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम, कौशल-विकास तथा मूल्य-वर्धित पाठ्यक्रमों की भी व्यवस्था है। विभाग में उपलब्ध आधुनिक प्रयोगशालाएँ एवं Mathematica, R, LaTeX तथा HTML जैसे सॉफ्टवेयर विद्यार्थियों के अध्ययन एवं शोध कार्य को प्रभावी रूप से समर्थन प्रदान करते हैं।

इस कार्यक्रम के स्नातक शोध, बैंकिंग, कॉर्पोरेट क्षेत्र, शिक्षण तथा प्रशासनिक सेवाओं में उत्कृष्ट करियर बना सकते हैं। साथ ही वे एम.एससी. (M.Sc.), पीएच.डी. (Ph.D.), एम.सी.ए. (MCA) अथवा एम.बी.ए. (MBA) जैसे उच्च शिक्षा कार्यक्रमों में भी प्रवेश लेकर अपनी शैक्षणिक यात्रा को आगे बढ़ा सकते हैं। विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी को भी प्रोत्साहित करता है।

"तर्क से परिभाषित, जिज्ञासा से प्रेरित" के अपने मूलमंत्र तथा "प्रज्ञा का आलोक" के अपने दृष्टिकोण के साथ गणित विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार एवं समग्र शिक्षा के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है।

सूक्ष्मजैविकी (माइक्रोबायोलॉजी) विभाग

सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग वर्तमान में बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजीवविज्ञान कार्यक्रम संचालित करता है। सूक्ष्मजीव हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। वे पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने से लेकर विभिन्न उद्योगों में उपयोगी संसाधन के रूप में कार्य करने तथा संक्रामक रोगों के कारक बनने तक अनेक महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाते हैं। सूक्ष्मजीवविज्ञान का अध्ययन विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, औषधि उद्योग, कृषि, जैव-प्रौद्योगिकी, खाद्य एवं पेय उद्योग तथा विभिन्न हरित (Green) क्षेत्रों में विविध एवं उत्कृष्ट कैरियर अवसर उपलब्ध कराता है।

विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल सूक्ष्मजीवविज्ञान का गुणवत्तापूर्ण ज्ञान प्रदान करना ही नहीं, बल्कि शोध गतिविधियों एवं कौशल विकास के माध्यम से उन्हें उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना भी है। विभाग में आधुनिक सुविधाओं से युक्त विशाल प्रयोगशालाएँ उपलब्ध हैं, जिनमें मीडिया तैयारी, बायो-इंस्ट्रूमेंटेशन, इनोक्यूलेशन तथा पालन कार्य के लिए पृथक प्रयोगशालाएँ स्थापित हैं। विभाग में आधारभूत एवं अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित उन्नत उपकरण सुविधा भी उपलब्ध है।

विभाग के विद्यार्थी देश एवं विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। हाल ही के शैक्षणिक सत्र में विभाग की एक छात्रा ने विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया। विभाग विद्यार्थियों को शोध परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करता है तथा उनके वैज्ञानिक शोध-पत्रों के प्रकाशन में भी सहयोग प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों के लिए प्रतिष्ठित शोध संस्थानों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के नियमित शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किए जाते हैं, जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव एवं उद्योग जगत की कार्यप्रणाली की समझ प्राप्त होती है।

विभाग की एक विशेष उपलब्धि इसका लोकप्रिय कौशल विकास पाठ्यक्रम "मशरूम कल्टीवेशन एंड टेक्नोलॉजी" है, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के मशरूम के वैज्ञानिक उत्पादन एवं संवर्धन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप अनेक विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित उद्योगों में रोजगार प्राप्त किया है, जबकि कुछ ने सफल उद्यमी के रूप में अपने स्वयं के व्यवसाय की स्थापना की है। विभाग मशरूम उत्पादन से संबंधित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों तथा संकाय विकास कार्यक्रमों का भी नियमित आयोजन करता है।

विभाग में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) आधारित आधुनिक मशरूम उत्पादन सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र स्थापित है। हाल ही में इस केंद्र को विश्वविद्यालय द्वारा "सर्वश्रेष्ठ कौशल विकास केंद्र" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक वर्ष 2023–24 के लिए माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा विभाग को राष्ट्रीय स्तर पर "सर्वश्रेष्ठ विभाग" का सम्मान भी प्राप्त हुआ।

विभाग की सक्रिय छात्र परिषद 'इथीरियल' समय-समय पर राष्ट्रीय सम्मेलनों, प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के साथ संवाद सत्रों तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करती है। विभाग का वार्षिक तकनीकी महोत्सव 'माइक्रोब्लेज़' वैज्ञानिक व्याख्यानों, प्रतियोगिताओं एवं विविध ज्ञानवर्धक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को नवाचार एवं वैज्ञानिक चिंतन के लिए प्रेरित करता है। इसके अतिरिक्त, विभाग प्रतिवर्ष अपनी वार्षिक पत्रिका 'एवन्सेण्ट' का प्रकाशन करता है, जिसमें विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों द्वारा किसी विशिष्ट वैज्ञानिक विषय पर लिखे गए शोधपरक एवं ज्ञानवर्धक लेख प्रकाशित किए जाते हैं।

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम संचालित करता है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के वर्तमान युग में, जहाँ विश्व निरंतर अधिक परस्पर जुड़ा हुआ और सुलभ होता जा रहा है, भौतिकी का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। परमाणुओं, बोसॉन, क्वांटम कंप्यूटिंग और नैनोप्रौद्योगिकी जैसी सूक्ष्मतम इकाइयों से लेकर ब्रह्मांड जैसी विशालतम संरचनाओं तक, भौतिकी प्रकृति के मूलभूत सिद्धांतों को समझने का आधार प्रदान करती है। विभाग का उद्देश्य छात्राओं को ऐसा वैज्ञानिक ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है, जिससे वे वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ-साथ उत्तरदायी, जागरूक एवं संवेदनशील नागरिक के रूप में भी विकसित हो सकें। विभाग में तीन सुसज्जित एवं विशाल प्रयोगशालाएँ तथा एक पूर्णतः वातानुकूलित कम्प्यूटेशनल भौतिकी प्रयोगशाला उपलब्ध है। इन प्रयोगशालाओं में आधारभूत स्तर से लेकर उन्नत एवं शोध-स्तरीय प्रयोगों के संचालन हेतु आवश्यक सभी आधुनिक वैज्ञानिक उपकरण उपलब्ध हैं। इनमें लेज़र, पोलारीमीटर, स्पेक्ट्रोमीटर, इलेक्ट्रॉनिक ब्रिज, कैथोड रे ऑसिलोस्कोप (CRO), डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप (DSO), हॉल इफेक्ट उपकरण, रेजिस्टेंस मीटर, फ़ंक्शन जनरेटर, आर.एफ. ऑसिलेटर, बहु-आउटपुट पावर सप्लाई तथा ऑप्टिकल बेंच जैसे अत्याधुनिक उपकरण सम्मिलित हैं। कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला में LaTeX, Scilab, FORTRAN, C++, Python, GNU Plot तथा Meshm जैसे आधुनिक कम्प्यूटेशनल सॉफ़्टवेयर उपलब्ध हैं, जो विद्यार्थियों को आवश्यक संगणकीय (Computational) कौशल प्रदान करते हैं तथा उन्हें भौतिकी एवं अन्य वैज्ञानिक समस्याओं का कम्प्यूटेशनल समाधान विकसित करने में सक्षम बनाते हैं। विभाग में विविध अनुसंधान क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले समर्पित एवं अनुभवी संकाय सदस्य कार्यरत हैं। इनके साथ-साथ प्रशिक्षित एवं अनुभवी प्रयोगशाला सहायक तथा पैरा-शैक्षणिक कर्मचारी विद्यार्थियों की शैक्षणिक, अनुसंधान, करियर एवं परामर्श संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में निरंतर सहयोग प्रदान करते हैं। विभाग की सक्रिय छात्र परिषद के नेतृत्व में संचालित "टेक्योन (Tachyon)" सोसायटी नियमित रूप से शैक्षणिक, तकनीकी एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन करती है। विद्यार्थियों के अधिगम अनुभव को समृद्ध बनाने के लिए विभाग समय-समय पर प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के व्याख्यान, विशेषज्ञ वार्ताएँ, राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं एवं वैज्ञानिक संस्थानों के शैक्षणिक भ्रमण तथा अध्ययन यात्राओं का आयोजन करता है। विभाग की ई-वेस्ट सोसायटी महाविद्यालय परिसर एवं उसके बाहर ई-कचरा संग्रहण अभियान चलाकर सामाजिक एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का निर्वहन करती है। यह सोसायटी हिंदुस्तान ई-वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड जैसे गैर-सरकारी संगठन के सहयोग से ई-कचरा प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य करती है। बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम विद्यार्थियों को सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक भौतिकी में शोध हेतु आवश्यक ज्ञान, तकनीकी दक्षता तथा विश्लेषणात्मक क्षमता से सुसज्जित करता है। विभाग के अनेक स्नातक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। विभाग के विद्यार्थियों का चयन मैक्स प्लांक यूनिवर्सिटी, बॉन (जर्मनी), पर्ड्यू यूनिवर्सिटी (अमेरिका), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU), दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (DTU), नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (NSUT), दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में एम.एससी., इंटीग्रेटेड पीएच.डी. एवं अन्य उच्च शिक्षा कार्यक्रमों के लिए हुआ है।

मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान विभाग वर्ष 2017 में स्थापित किया गया था और बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान में अध्ययन प्रदान करता है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम में मनोविज्ञान के विभिन्न उप-क्षेत्र शामिल हैं जैसे मनोविज्ञान की नींव, सामाजिक और सांस्कृतिक मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान, जीवन काल विकास, संगठनात्मक व्यवहार, सांख्यिकी और अनुसंधान पद्धति और जैव-मनोविज्ञान । हम अपने छात्रों के बीच एक मजबूत सैद्धांतिक आधार के साथ-साथ उनके सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देना चाहते हैं। यह अनुसंधान उन्मुख और समस्या समाधान कौशल विकसित करने के लिए किया जाता है। शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में छात्रों के बीच सीखने की प्रक्रिया को समृद्ध करने के लिए इंटरैक्शन-आधारित व्याख्यान, ई-लर्निंग संसाधनों का उपयोग, ऑडियो-विजुअल एड्स, मूवी स्क्रीनिंग और शोध लेख शामिल हैं। विभाग के पास पुस्तकों, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और सूची, और परीक्षण उपकरणों की एक आंतरिक पुस्तकालय है; इन सभी का उपयोग डिजाइन किए गए प्रैक्टिकम में किया जाता है। कई शिक्षण शिक्षाशास्त्र और मल्टीमॉडल दृष्टिकोण के माध्यम से, हम छात्रों को कक्षा शिक्षण के भीतर और बाहर अनुसंधान रुचियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। विभाग में 'साइमेंशिया' नाम से एक अकादमिक सोसायटी है - जो मानस और विवेक के लिए एक खिड़की है। 2017 से, सोसायटी ने मनोविज्ञान के विभिन्न उप-क्षेत्रों के प्रख्यात वक्ताओं द्वारा कार्यशालाओं, सेमिनारों और इंटरैक्टिव सत्रों जैसी छात्रा केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया है। ऐसे सत्र व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं और छात्रों के बीच समुदाय की भावना पैदा करते हैं। सोसायटी का मुख्य आकर्षण इसका वार्षिक विभागीय महोत्सव ट्रेज़ॉयर है, जिसके दौरान पैनल चर्चा, सेमिनार, कार्यशाला और अंतर कॉलेज प्रतियोगिताओं जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विभाग अपनी वार्षिक पत्रिका "सोफ्रोसिन" भी जारी करता है जो इसकी गतिविधियों के विवरण पर प्रकाश डालती है। इस प्रकार विभाग अपने छात्रों के लिए शैक्षणिक और अंतःविषय गतिविधियों में संलग्न होने के लिए एक प्रेरक वातावरण बनाता है।

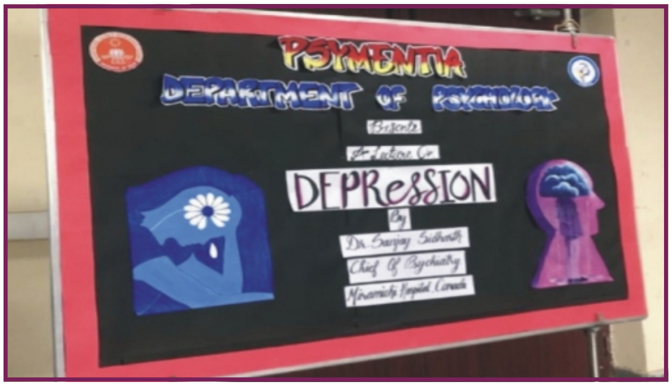

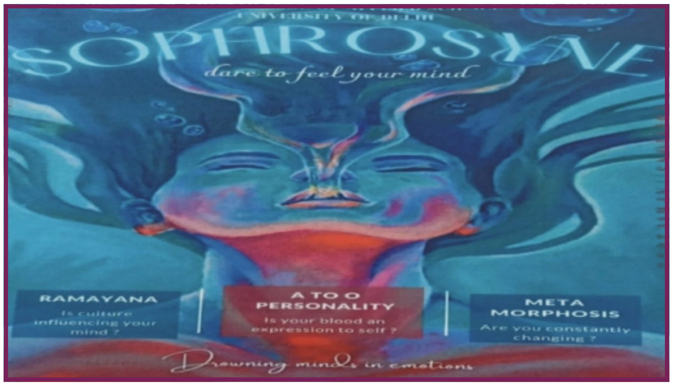

सांख्यिकी विभाग

यह सर्वविदित है कि, मोटे तौर पर सांख्यिकी, अनिश्चितता का अध्ययन है: इसे कैसे मापें (संभावना सिद्धांत में विचारों और विधियों का उपयोग करके), इसके बारे में क्या करें (सांख्यिकीय अनुमान और निर्णय सिद्धांत से अवधारणाओं का उपयोग करके) और यह भी सीखें डेटा के साथ कैसे खेलें: सांख्यिकी डेटा विज्ञान के लिए एक प्रमुख मूलभूत अनुशासन है और हाल के युग में इसका विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग हो रहा है। सांख्यिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2017 में छात्रों के लिए सांख्यिकी में स्नातक डिग्री कार्यक्रम बी.एससी शुरु करने के उद्देश्य से की गई थी। इस सांख्यिकीय कार्यक्रम के माध्यम से, छात्र सांख्यिकीय उपकरणों का बुनियादी ज्ञान सीखते हैं और वास्तविक जीवन स्थितियों में इसके अनुप्रयोगों को लागू करते हैं। विभाग का मूल दर्शन शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अपने छात्रों के बीच न केवल बुद्धि और रचनात्मकता को विकसित करना है, बल्कि उन्हें उनके अतिरिक्त शैक्षणिक और पाठ्चेतर स्वभाव का भी एहसास कराना है, जो समाज का उत्पादक सदस्य बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी संबंधित प्रमुख विषयों जैसे नमूनाकरण, मॉडलिंग, निर्णय लेना, पूर्वानुमान और बहुत कुछ शामिल है। अध्ययन कार्यक्रम के दौरान, छात्रों को उनके सर्वांगीण विकास में पूर्ण अनुभव और सहायता दी जाती है। इसके अलावा, विभाग के पास "पररितका" नाम से एक सोसायटी है जो सोसायटी के बैनर तले प्रतिष्ठित प्रोफेसरों द्वारा दिए गए अधिक अद्यतन सूचनात्मक साख्यिकीय अध्ययनों के आधार पर विभिन्न व्याख्यान श्रृंखला, सेमिनार, वेबिनार और प्रशिक्षण आयोजित करती है। विभाग के पास एक सुसज्जित प्रयोगशाला है जिसके कंप्यूटर सिस्टम पर विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। छात्रों को आर-सॉफ्टवेयर माषा, एसपीएसएस, टीओआरए, मैथमेटिका और एक्सेल जैसे सॉफ्टवेयर कौशल सीखने से विशेषज्ञता मिलती है और स्नातक स्तर की सरकारी और निजी क्षेत्र की नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ते है। इस कार्यक्रम के पूरा होने के बाद, छात्र सर्वेक्षण अन्वेषक, सांख्यिकीविद, डेटा विश्लेषक, डेटा वैज्ञानिक आदि के लिए आवेदन कर सकते है।

सहायक विभाग - अंग्रेजी विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन में अंग्रेजी विभाग, संस्थान के सभी शैक्षणिक विभागों के लिए एक सहायक स्तंभ के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 2015 में व्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) पाठ्छक्रम की शुरुआत के अनुरुप स्थापित, विभाग तब से विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को विविध प्रकार के पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहा है। इसकी पेशकशों के एक अनिवार्य हिस्से में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी) शामिल हैं, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत स्नातक पाठ्चक्रम ढांचे (यूजीसीएफ) के अनुपालन में डिजाइन किए गए है। एसईसी छात्रों के रोजगार के अवसरों को बढ़ाने और उन्हें प्रासंगिक, बाजार-उन्मुख कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। बी.ए.सी. छात्रों के बौद्धिक, रचनात्मक और नैतिक विकास को बढ़ावा देकर उनके समग्र विकास में योगदान देता है। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से, विभाग न केवल अकादमिक ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि छात्रों को अपने क्षितिज को व्यापक बनाने, रुचि के नए क्षेत्रों में जाने और कौशल को बढ़ावा देने के लिए भी प्रोत्साहित करता है जो उनके भविष्य के प्रयासों में फायदेमंद होगा। इनके अलावा, विभाग प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) पाठ्यक्रम प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम व्यापक शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य को बढ़ावा देते हुए छात्रों को उनके मूल पाठ्यक्रम के बाहर विभिन्न विषयों से परिचित कराने का प्रयास करते हैं। इन जीई पाठ्यक्रमों के माध्यम से विभाग की आकांक्षा साहित्य की गहन अंर्तदृष्टि का लाभ उठाकर छात्रों के बीच महत्वपूर्ण सोच कौशल विकसित करना है। इसका अंतिम उद्देश्य छात्रों को समसामयिक सामाजिक मुद्दों के बारे में स्वतंत्रा और निष्पक्ष राय बनाने के लिए सशक्त बनाना है। इसके अलावा, अंग्रेजी विभाग शिक्षाविदों से परे अपना समर्थन बढ़ाता है, कॉलेज की सांस्कृतिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय रूप से योगदान देता है। इन क्षेत्रों में में इसकी भागीदारी सर्वांगीण छात्रों को विकसित करने के प्रति इसके समर्पण को रेखांकित करती है जो आत्मविश्वास और रीढ़ता के साथ दुनिया का भ्रमण कर सकते हैं। कॉलेज में अंग्रेजी विभाग एक सहायक विभाग के रूप में एक अद्वितीय स्थान रखता है, जो महत्वपूर्ण सोच और अंतःविषय सीखने को बढ़ावा देते हुए छात्रों की शैक्षणिक और पाठेतर यात्रा को समृद्ध करता है।

सहायक विभाग – पर्यावरण अध्ययन विभाग

स्नातक अध्ययन के लिए पर्यावरण शिक्षा एनईपी के तहत पहले और दूसरे वर्ष में योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी), पर्यावरण अध्ययन (ईवीएस) के रूप में प्रदान की जाती है। पेपर में सिद्धात और व्यावहारिक घटक है। ईवीएस विभाग पर्यावरण संबंधी मुद्दों को समझने के लिए ऐसी रणनीतियों बनाने में शामिल है जो सरल, नवीन, प्राकृतिक, मर्मजज, भरोसेमंद, अंतर-अनुशासनात्मक और अंतर सांस्कृतिक हो। पर्यावरण पर जानकारी विभिन्न आयामों को कवर करती है जिसमें पारिस्थितिकी तंत्र, प्राकृतिक संसाधन, सतत विकास, पर्यावरण नीति, प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन, प्रभाव मूल्यांकन, जैव विविधता, पर्यावरणीय नैतिकता और पारंपरिक प्रथाएं जैसे विषय शामिल है। इसके अलावा, यह कार्बन फुटप्रिंट, पर्यावरण ऑडिट, ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा प्रबंधन, परिपत्र अर्थव्यवस्था, जीवन चक्र मूल्यांकन (किसी उत्पाद का) और सांख्यिकीय विश्लेषण (डेटा का) जैसे वर्तमान विषयों के माध्यम से छात्रों के ज्ञान को नवीनीकृत करता है जो पाठ्चक्रम आधारित विषयों से परे है। यह सीख छात्रों में सोच को बढ़ावा देती है और उन्हें स्थायी पर्यावरण की दिशा में कार्रवाई की बढ़ती इच्छा के साथ एकजुट करती है। इसके अलावा, ईवीएस का लक्ष्य परियोजनाओं, सर्वेक्षणों और फील्डवर्क के माध्यम से एक छात्रा की जानकारी को कक्षा में सीखने से परे अभ्यास में लाना है। छात्रों द्वारा विभिन्न परियोजनाएं और सर्वेक्षण किए गए है, उदाहरण के लिए, उनके घरों की कार्बन पदचिह्न गणना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरुकता, अभ्यास और परिवार के दृष्टिकोण का आकलन करने पर सर्वेक्षण, पर्यावरण पर जागरुकता, घर पर उनके कंपोस्टिंग सिस्टम का निर्माण आदि। इस प्रकार, ईवीएस विभाग महत्वपूर्ण जांच के माध्यम से अपने छात्रों में जिम्मेदारी और देखभाल नैतिकता की अवधारणा को अधिक व्यक्तिगत से सामाजिक मूल्यों और आगे पर्यावरणीय मूल्यों तक ले जाता है।

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग

युवा शक्ति को राष्ट्र का भविष्य माना जाता है। उनके समग्र विकास एवं क्षमता के संवर्धन के माध्यम से ही उन्हें राष्ट्र की प्रगति का सशक्त आधार बनाया जा सकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ खेल एवं शारीरिक गतिविधियों को भी समान महत्व देता है तथा विद्यार्थियों को विभिन्न खेलों एवं प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रोत्साहित करता है।

महाविद्यालय द्वारा शारीरिक शिक्षा एवं खेलों के क्षेत्र में निम्नलिखित सुविधाएँ एवं अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं—

1. **खेल सुविधाएँ:** महाविद्यालय में एथलेटिक्स, एरोबिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, क्रॉस-कंट्री, जिम्नास्टिक्स, हैंडबॉल, खो-खो, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस तथा योग जैसी खेल गतिविधियों के लिए उत्कृष्ट सुविधाएँ उपलब्ध हैं। परिसर में एक आधुनिक एवं सुसज्जित व्यायामशाला (जिम) भी स्थापित है, जिसका उपयोग विद्यार्थी नियमित रूप से कर सकते हैं। विभाग समय-समय पर विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों के लिए विभिन्न फिटनेस कार्यक्रमों तथा प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन भी करता है।
2. **प्रतियोगिताओं में सहभागिता:** महाविद्यालय के विद्यार्थी नियमित रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं के साथ-साथ जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर-विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त करते हैं तथा महाविद्यालय का गौरव बढ़ाते हैं। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को महाविद्यालय द्वारा आवश्यक प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं अन्य सभी आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाता है।
3. **वार्षिक खेल महोत्सव – "स्पर्धा":** महाविद्यालय प्रतिवर्ष अपना वार्षिक खेल महोत्सव "स्पर्धा" आयोजित करता है, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। "स्पर्धा", जो स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और खेल भावना का प्रतीक है, प्रतिभागियों को अपने खेल कौशल, नेतृत्व क्षमता तथा टीम भावना का प्रदर्शन करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। वर्ष 2017 में आयोजित स्पर्धा में दिल्ली विश्वविद्यालय के 25 महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लेकर विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।
4. **इंट्रा-म्यूरल प्रतियोगिताएँ:** महाविद्यालय समय-समय पर इंट्रा-म्यूरल खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है, जिनमें विद्यार्थी, शिक्षक एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। ये प्रतियोगिताएँ महाविद्यालय समुदाय में खेल भावना, सौहार्द एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती हैं। शिक्षण एवं परा-शिक्षण कर्मचारियों के मध्य प्रतिवर्ष एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया जाता है, जो प्रतिभागियों एवं दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनता है।
5. **शारीरिक शिक्षा एक शैक्षणिक विषय के रूप में:** शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए शारीरिक शिक्षा विषय का अध्ययन-अध्यापन कराता है। इसके अतिरिक्त, बी.ए. (बहुविषयक कार्यक्रम) के विद्यार्थियों के लिए भी सामान्य वैकल्पिक (Generic Elective) पाठ्यक्रम के रूप में शारीरिक शिक्षा का अध्ययन उपलब्ध कराया जाता है, जिससे विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहन मिलता है।
6. विभाग में छात्रों से निम्नलिखित पदाधिकारियों के साथ विधिवत निर्वाचित खेल परिषद है:
   - सलाहकार (Advisor)
   - अध्यक्ष (President)
   - उपाध्यक्ष (Vice President)
   - सचिव (Secretary)
   - संयुक्त सचिव (Joint Secretary)
   - कोषाध्यक्ष (Treasurer)

   खेल परिषद खेल विभाग की सभी गतिविधियों का आयोजन करती है, जिसमें संगोष्ठियाँ तथा विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। इससे इन छात्रों को व्यापक प्रबंधकीय अनुभव तथा टीम निर्माण का अनुभव प्राप्त होता है।

स्पर्धा - 26
वार्षिक खेल महोत्सव
2026

सुविधाएं @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

महाविद्यालय में लगभग 600 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक हाई-टेक ऑडिटोरियम, एक सुविचारित रूप से डिज़ाइन किया गया एम्फीथिएटर, कई सेमिनार हॉल, कैफेटेरिया, अच्छी तरह से सुसज्जित जिम, सुंदर उद्यान तथा सुव्यवस्थित लॉन हैं। इसमें एक ऑन-कैम्पस छात्रावास भी है, जिसमें लगभग 120 छात्राएँ रहती हैं। महाविद्यालय छात्रावास छात्राओं को रहने के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित और आरामदायक स्थान प्रदान करता है।

पुस्तकालय

महाविद्यालय का पुस्तकालय आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) सक्षम है, जिसका उपयोग पुस्तकालय की हाउसकीपिंग गतिविधियों के संचालन के लिए किया जाता है। यह प्रणाली केवल सुरक्षा तक सीमित न रहकर एक ट्रैकिंग प्रणाली के रूप में भी कार्य करती है, जो सुरक्षा के साथ-साथ पुस्तकालय की सामग्री के अधिक प्रभावी प्रबंधन एवं ट्रैकिंग को सुनिश्चित करती है। इसके माध्यम से पुस्तकों का निर्गमन एवं वापसी (चार्ज एवं डिस्चार्ज) अधिक सरल एवं तेज़ हो जाता है, साथ ही सूचीकरण (इन्वेंटरी), सामग्री प्रबंधन तथा पुस्तकों की आसान वापसी के लिए स्वचालित बुक ड्रॉप कियोस्क का भी उपयोग किया जाता है। आरएफआईडी प्रणाली में सेल्फ-सर्कुलेशन डेस्क, स्टाफ वर्कस्टेशन, सिक्योरिटी गेट, बुक ड्रॉप बॉक्स, आरएफआईडी रीडर, पुस्तकों के लिए आरएफआईडी स्टिकर, आरएफआईडी-सक्षम सदस्यता कार्ड तथा प्रत्येक पुस्तक लेन-देन के लिए ई-मेल सेवा शामिल हैं।

महाविद्यालय के पुस्तकालय में 24,500 से अधिक मुद्रित पुस्तकें, लगभग 11 मुद्रित शोध-पत्रिकाएँ (जर्नल्स) तथा अनेक वैज्ञानिक विश्वकोश और आवधिक पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन, खाद्य प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान, प्रबंधन, सूक्ष्मजीवविज्ञान, मनोविज्ञान, जैव-चिकित्सा विज्ञान, जीवविज्ञान, जैवरसायन, रसायन विज्ञान, भौतिकी आदि मूलभूत विज्ञानों के सभी प्रमुख क्षेत्रों को समाहित करती हैं।

महाविद्यालय का पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के माध्यम से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की सदस्यता प्रदान करता है। इनमें 3,50,000 से अधिक ई-पुस्तकें, 13,000 से अधिक ई-जर्नल्स तथा 50 से अधिक ऑनलाइन डेटाबेस शामिल हैं, जो महाविद्यालय परिसर में सभी विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में इंटरनेट-सुविधा युक्त तीन कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ—ई-लाइब्रेरी-1, ई-लाइब्रेरी-2 एवं ई-लाइब्रेरी-3—उपलब्ध हैं, जिनमें लगभग 80 कंप्यूटर स्थापित हैं।

सुविधाएं @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

अन्य बुनियादी सुविधाएं

उपरोक्त के अलावा, कॉलेज में एक एम्फीथिएटर, व्याख्यान थिएटर, सम्मेलन कक्ष, संकाय के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित स्टाफ-रुम, कैफेटेरिया, छात्रावास और एक हरा-भरा खेल का मैदान भी है। स्टाफ-रूम में कैफे कॉफी डे द्वारा चाय / कॉफी वितरण मशीनें स्थापित की गई हैं।

Hostel

Conference Room

Amphitheater

Playground

e-Library

The Cafeteria

अवसर @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

बहुविषयी अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र (CMRIE)

कॉलेज में बहुविषयी अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है, जिसका उद्देश्य छात्राओं में अनुसंधान मानसिकता, नवाचार और उद्यमिता को विकसित और क्रियान्वित करना है। यह केंद्र कॉलेज और उसके आस-पास नवाचार, अनुसंधान, उद्यमिता वातावरण एवं स्टार्ट-अप संस्कृति को विकसित करने, समृद्ध करने और पोषित करने का लक्ष्य रखता है। यह केंद्र छात्राओं, शिक्षकों, पूर्व छात्राओं और मेंटर्स के लिए आसानी से उपलब्ध और व्यापक संसाधनों का एक ऐसा तंत्र बनाने की आकांक्षा रखता है, जो युवा उद्यमियों को प्रेरित कर सके। इसका मिशन उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है, जिसके तहत एक प्री-इन्क्यूबेशन सेटअप प्रदान किया जाता है और उसे एक सफल उद्यम में परिवर्तित करने की दिशा में कार्य किया जाता है। यह केंद्र महिलाओं के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए भी कार्य करता है और उन्हें अपने अनुसंधान या व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए प्रेरित करता है। केंद्र विशेष रूप से सामाजिक उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है। कॉलेज, वर्ष 2023-24 में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) द्वारा केंद्र के लिए दिए गए 4.0 लाख रुपये के अनुदान हेतु आभार प्रकट करता है है। इस धनराशि का उपयोग केंद्र की मूलभूत संरचना तैयार करने और उसकी गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने में किया गया है। CMRIE की वेबसाइट का शुभारंभ 10 अक्टूबर 2022 को किया गया।

शोध

अनुसंधान महाविद्यालय की गतिविधियों का एक अभिन्न अंग है। कॉलेज पर्याप्त और नवीनतम बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है और बहु-विषयक अनुसंधान, प्री-इन्क्यूबेशन और उद्यमिता कार्यक्रमों के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करता है।

विभिन्न कार्यक्रमों के चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थी शोध, शोध-प्रबंध (डिसर्टेशन) अथवा उद्यमिता ट्रैक पर कार्य कर रहे हैं। कुल 269 विद्यार्थियों में से 156 विद्यार्थी शोध-प्रबंध परियोजनाओं पर, 110 विद्यार्थी शैक्षणिक परियोजनाओं पर तथा 3 विद्यार्थी उद्यमिता ट्रैक पर कार्य कर रहे हैं।

2025-26 के लिए शोध डेटा: प्रकाशित शोध-पत्र (43); पुस्तकें/पुस्तकों के अध्याय (17); सम्मेलन कार्यवृत्त (Conference Proceedings) में प्रकाशित शोध-पत्रों की संख्या (1); पेटेंटों की संख्या (1); प्रचलित/चल रही शोध परियोजनाएँ (1); सम्मेलनों में प्रस्तुत शोध-पत्रों की संख्या (16); विद्यार्थियों के इन-हाउस इंटर्नशिप की संख्या (4)।

आईजेआईएएमआर (IJIAMR)

महाविद्यालय वर्ष 2022 से इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (IJIAMR), ISSN संख्या 2583-4452, का प्रकाशन कर रहा है। यह विद्यार्थियों के बीच नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता की संस्कृति को विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। यह युवा महाविद्यालयी विद्यार्थियों को अपने विचारों को विद्वतापूर्ण योगदान में परिवर्तित करने के लिए सशक्त बनाता है तथा आलोचनात्मक चिंतन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और कक्षा-कक्ष से परे शोध-उन्मुख अधिगम को बढ़ावा देता है।

प्रकाशन और सहकर्मी सहभागिता के अवसर प्रदान करके महाविद्यालय विद्यार्थियों को शोध, लेखन और नैतिक विद्वत्ता (Ethical Scholarship) में आवश्यक कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे वे शिक्षा-जगत, उद्योग और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार हो सकें।

SRCASW में IEEE छात्र शाखा

SRCASW, दिल्ली विश्वविद्यालय के 91 महाविद्यालयों और 86 विभागों के नेटवर्क में 31 अक्टूबर, 2025 को IEEE छात्र शाखा स्थापित करने वाला पहला स्नातक महाविद्यालय है। इस छात्र शाखा का उद्घाटन 24 मार्च, 2026 को किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. एम. एन. होडा, अध्यक्ष, IEEE दिल्ली सेक्शन एवं निदेशक, भारतीय विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन्स एंड मैनेजमेंट उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में वरिष्ठ प्रो. मृदुला गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, IEEE EDS दिल्ली चैप्टर एवं वरिष्ठ प्रोफेसर, इलेक्ट्रॉनिक साइंस विभाग, यूडीएससी तथा प्रो. मनोज कुमार खन्ना, अध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक साइंस विभाग, यूडीएससी उपस्थित रहे।

वर्तमान में इस शाखा में लगभग 26 छात्र सदस्य हैं तथा यह समाज के हित में प्रभावी तकनीकी एवं मानवीय गतिविधियों के आयोजन की योजना बना रही है।

अवसर @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

उद्यमिता विकास क्लब

कॉलेज का उद्यमिता विकास क्लब वर्ष 2015 में स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य कॉलेज और उसके आसपास उद्यमशील वातावरण का विकास एवं संवर्धन करना है। ईडी सेल (ED Cell) का लक्ष्य छात्राओं, नवोदित पेशेवरों और मार्गदर्शकों जैसे युवा उद्यमियों के लिए सुगम और समर्पित संसाधनों का एक व्यापक सेट प्रदान करना है। यह उद्योग विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करके अपक्व उद्यमशील ऊर्जा को सफल व्यवसायों में रूपांतरित करने की दिशा में कार्य करता है। ईडी सेल में संस्थान नवाचार परिषद (Institution Innovation Council - IIC) को एक प्रमुख घटक के रूप में शामिल किया गया है। IIC की स्थापना शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा उच्च शिक्षा में नवाचार और स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने हेतु की गई थी। पिछले एक वर्ष में, इस परिषद ने नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह परिषद सक्रिय रूप से प्रभावशाली पहल करती है और छात्राओं में उद्यमशीलता की भावना को पोषित करती है।

क्लब की प्रमुख गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

- ☆ इंटर्नशिप मेला
- ☆ व्यवसाय योजना प्रतियोगिता
- ☆ पिच प्रतियोगिता (Pitch Competition)
- ☆ समस्या-समाधान एवं आइडियेशन पर कार्यशाला
- ☆ बायोडाटा संग्रह अभियान
- ☆ शार्क टैंक
- ☆ शोध प्रस्ताव लेखन पर कार्यशाला
- ☆ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण ढाँचे की समझ पर सत्र
- ☆ समस्या की पहचान हेतु एक्सपोज़र एवं क्षेत्र भ्रमण
- ☆ "मेरी कहानी" – सफल नवोन्मेषकों द्वारा प्रेरक सत्र
- ☆ बौद्धिक संपदा अधिकार की मूलभूत अवधारणाओं एवं उनके महत्व पर सत्र

ATL सारथी

अटल नवाचार मिशन (AIM) ने पूरे देश में अटल टिंकरिंग लैब्स (ATL) की स्थापना की है। AIM ने 'ATL सारथी' पहल की शुरुआत की है, जो ATL का क्लस्टर-आधारित प्रबंधन है। इसका संचालन उच्च-प्रदर्शन करने वाले स्कूल प्राचार्यों, शिक्षकों, मार्गदर्शकों और एक स्थानीय नोडल संस्थान की समिति द्वारा किया जाता है।

AIM ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन को पूर्वी दिल्ली और नोएडा क्षेत्र में 'ATL सारथी' पहल का नोडल संगठन प्रस्तावित किया है।

कॉलेज ने ATL सारथी के अंतर्गत पूर्वी दिल्ली और नोएडा क्षेत्र के 26 स्कूलों को मेंटरशिप प्रदान की है।

सिस्को नेटवर्किंग अकादमी

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन ने सिस्को सिस्टम्स के सहयोग से वर्ष 2002 में CISCO नेटवर्किंग अकादमी (CNA) की स्थापना की थी। यह अकादमी छात्राओं को सिस्को सर्टिफाइड नेटवर्क एसोसिएट (CCNA) सर्टिफिकेशन के लिए प्रशिक्षण प्रदान करती है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्याधुनिक सिस्को राउटर और स्विच, पूर्णत: सुसज्जित कंप्यूटर लैब, और तेज़ इंटरनेट कनेक्शन से युक्त है, जिससे छात्राओं को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है। इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ प्रशिक्षक-निर्देशित वातावरण में लचीलापन के साथ सीखने की सुविधा, LAN नेटवर्क बनाना, राउटर एवं स्विच की मूलभूत कॉन्फ़िगरेशन, IPv4 व IPv6 एड्रेसिंग योजनाओं को लागू करना, स्थानीय और दूरस्थ नेटवर्क संसाधनों तक पहुंच के लिए डिवाइस सेटअप, एंड-टू-एंड नेटवर्क कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना।

CCNA के अतिरिक्त, हमारी अकादमी निम्नलिखित निःशुल्क ऑनलाइन पाठ्यक्रम भी प्रदान करती है। सिस्को अकादमी छात्राओं के लिए विभिन्न ऑनलाइन एक्सप्लोरेटरी कोर्सेज़ भी संचालित करती है: साइबर सुरक्षा का परिचय, साइबर सुरक्षा की मूल बातें, इंटरनेट ऑफ थिंग्स का परिचय, लिनक्स प्रारंभिक ज्ञान, मोबिलिटी एवं उद्यमिता के सिद्धांत, नेटवर्क सुरक्षा और लिनक्स की मूल बातें।

अवसर @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

विदेशी भाषा पाठ्यक्रम

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मन और रोमैंस अध्ययन विभाग के सहयोग से जर्मन भाषा में प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। एक विदेशी भाषा का ज्ञान सामान्य शैक्षणिक योग्यता के साथ होने पर रोज़गार की संभावनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि करता है।

दायरा, अवधि और शुल्क संरचना: विदेशी भाषाओं के क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएँ हैं और इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। भाषा कौशल आज लगभग हर पेशे में एक मूलभूत आवश्यकता बन चुका है, जो करियर में उन्नति में सहायक होता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, कॉलेज जर्मन भाषा के सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहा है। प्रत्येक स्तर (Level) के लिए न्यूनतम 25 विद्यार्थियों का एक बैच लिया जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगी। इस पाठ्यक्रम की शुल्क संरचना प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 10,500 ₹ प्रति छात्रा एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम 16,000 ₹ प्रति छात्रा है (उल्लेखित शुल्क में परीक्षा शुल्क शामिल नहीं है)। प्रत्येक भाषा पाठ्यक्रम को विभिन्न मॉड्यूल्स में विभाजित किया गया है। प्रत्येक मॉड्यूल को पूरा करने हेतु 80 से 150 घंटे के शिक्षण-अध्ययन की आवश्यकता होती है। प्रति सप्ताह 2-3 कक्षाएँ नियमित पाठ्यक्रम के साथ आयोजित की जाती हैं। पाठ्यक्रम में भाषा की गहरी समझ के लिए सुनने, बोलने और लेखन जैसे सभी पक्षों को सम्मिलित किया गया है। यदि कोई छात्रा पहले सेमेस्टर में यह कोर्स शुरू करती है, तो वह अपने मुख्य पाठ्यक्रम के साथ-साथ सभी मॉड्यूल्स को कुशलतापूर्वक पूर्ण कर सकती है। प्रत्येक मॉड्यूल के सफल समापन के बाद, छात्रा को "पूर्णता प्रमाण पत्र" प्रदान किया जाएगा।

सहायक विभाग: संस्कृत एवं हिन्दी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के तहत, संस्कृत एवं हिन्दी विभाग विद्यार्थियों को केवल भाषाई ज्ञान ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों, आत्मिक विकास और समकालीन संवेदनाओं से भी जोड़ते हैं। इन विभागों द्वारा संचालित एईसीसी (AECC) पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

संस्कृत विभाग भाषा से आगे बढ़कर भारत की शाश्वत बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपरा से विद्यार्थियों को जोड़ता है। उपनिषदों के दर्शन, भगवद्गीता की नैतिक शिक्षा, और कौटिल्य के अर्थशास्त्र में वर्णित शासनतंत्र जैसे विषय विद्यार्थियों को गहराई से चिंतन करना सिखाते हैं। सूक्तियों (सुभाषितों) और शास्त्रीय ग्रंथों के माध्यम से नैतिक मूल्यों और आत्ममंथन की भावना का विकास होता है। विभाग में पाण्डुलिपि अध्ययन, संस्कृत पाठ एवं वाचन कार्यशालाएं, सांस्कृतिक भ्रमण और प्राचीन भारतीय समाज पर परियोजनाओं जैसे अनुभवात्मक शिक्षण को प्रमुख स्थान दिया गया है। यह विद्यार्थियों को भारत की सभ्यता की गहराइयों से जोड़ता है और उन्हें वर्तमान जीवन में उसकी प्रासंगिकता समझने में सक्षम बनाता है।

हिन्दी विभाग विद्यार्थियों को व्यवहारिक भाषा कौशल के साथ-साथ साहित्यिक अभिरुचि से भी परिचित कराता है। हिन्दी के आधुनिक प्रयोग—जैसे मीडिया, विज्ञान, तकनीक, अनुवाद, संवाद लेखन और डिजिटल संप्रेषण को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। यह विभाग पारंपरिक साहित्य और समकालीन प्रवृत्तियों को जोड़ते हुए हिन्दी की बढ़ती भूमिका को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर स्थापित करता है।

संस्कृत और हिन्दी दोनों ही विभाग विद्यार्थियों में पहचान, नैतिक बोध और प्रभावी अभिव्यक्ति की क्षमता को सशक्त करते हैं, जिससे ये पाठ्यक्रम स्नातक शिक्षा का एक अनिवार्य और समृद्ध हिस्सा बन जाते हैं।

अवसर @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर (TBI)

कॉलेज को प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर (TBI) स्थापित करने की अनुमति सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME)-DI, नई दिल्ली द्वारा फरवरी 2018 में प्रदान की गई थी। इस इनक्यूबेटर का मिशन प्रौद्योगिकी-आधारित स्टार्ट-अप्स की स्थापना और विकास को प्रोत्साहित करना है। प्रस्तावित TBI में निम्नलिखित सुविधाएँ शामिल हैं: कार्य स्थान (Space), प्रयोगशालाओं के उपकरणों का साझा उपयोग, प्रत्यक्ष व्यावसायिक सहायता, मेंटरशिप (मार्गदर्शन), पूंजी एवं अन्य तकनीकी संसाधनों तक नेटवर्किंग आदि। इस मिशन को पूरा करते हुए, TBI का उद्देश्य रोजगार सृजन और स्वावलंबन के माध्यम से बिना किसी बाहरी सहायता के इनक्यूबेटर को चलाने के लिए राजस्व उत्पन्न करना है।

SPIC MACAY (स्पिक मैके)

भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को युवाओं के बीच बढ़ावा देने हेतु गठित SPIC MACAY एक 45 वर्ष पुराना, गैर-लाभकारी, गैर-राजनीतिक, देशव्यापी स्वैच्छिक युवा आंदोलन है, जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध, विविध और अमूर्त विरासत तथा उसकी सांस्कृतिक परंपराओं को देश के युवाओं के करीब लाना है। SPIC MACAY की स्थापना प्रोफेसर किरण सेठ द्वारा वर्ष 1977 में की गई थी।

सत्र 2025–26 के दौरान महाविद्यालय की SPIC MACAY इकाई द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें ऐतिहासिक जागरूकता एवं अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फ़िरोज़ शाह कोटला किला तथा पुराना किला की विरासत यात्राएँ आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने इन ऐतिहासिक स्थलों के स्थापत्य एवं सांस्कृतिक महत्व का अवलोकन किया, जिससे उन्हें कक्षा में अर्जित ज्ञान को वास्तविक विरासत स्थलों से जोड़ने का अवसर प्राप्त हुआ।

SPIC MACAY राजगुरु चैप्टर (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा सिनेमा क्लासिक्स मॉड्यूल के अंतर्गत फेडेरिको फेलिनी की फिल्म "ला स्ट्राडा (La Strada)" का प्रदर्शन किया गया, जिसके उपरांत चर्चा सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में सिनेमा को सांस्कृतिक एवं दार्शनिक अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में समझने की क्षमता को विकसित किया तथा सौंदर्यबोध एवं सार्थक संवाद को प्रोत्साहित किया।

कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम

कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम एक सराहनीय पहल है, जिसकी शुरुआत हमारी माननीय प्राचार्या प्रो. पायल मगो द्वारा कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सहयोग से अक्टूबर 2015 में की गई थी।

यह कार्यक्रम वंचित वर्ग की स्कूली छात्राओं को आवश्यक कंप्यूटर ज्ञान एवं व्यावहारिक डिजिटल कौशल प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने के लिए समर्पित है।

सीएलपी (CLP) एक संरचित 12-सप्ताह का कार्यक्रम है, जिसमें कंप्यूटिंग की मूलभूत अवधारणाएँ, हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर का आधारभूत ज्ञान, MS Office अनुप्रयोग तथा दैनिक एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं के लिए इंटरनेट के प्रभावी उपयोग को शामिल किया गया है। बदलती डिजिटल आवश्यकताओं के अनुरूप शैक्षणिक सत्र 2025–26 में पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया, जिसमें एआई (AI) आधारित उपकरणों जैसे ChatGPT, Gamma, Grammarly और SmartGPT को सम्मिलित किया गया। इसके अतिरिक्त, Canva, Google Forms, QR कोड, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन टिकट बुकिंग, DigiLocker, सरकारी सेवाओं तथा साइबर सुरक्षा जागरूकता का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया।

कार्यक्रम की स्थापना से लेकर अप्रैल 2026 तक सीएलपी के नौ बैच सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुके हैं, जिनसे लगभग 475 छात्राएँ लाभान्वित हुई हैं। छात्र स्वयंसेवकों के सक्रिय सहयोग से यह कार्यक्रम युवा शिक्षार्थियों में डिजिटल आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता तथा रोजगारोन्मुखी कौशल का विकास करते हुए निरंतर सार्थक सामाजिक प्रभाव उत्पन्न कर रहा है।

उपलब्धियां @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

NIRF रैंकिंग

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढाँचा (NIRF) द्वारा भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग का नौवाँ संस्करण "इंडिया रैंकिंग्स 2025" 04 सितम्बर 2025 को जारी किया गया। शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन ने कॉलेज श्रेणी में अखिल भारतीय स्तर पर 4030 प्रतिभागी कॉलेजों में से 65वीं रैंक प्राप्त की है, और इसका स्कोर 57.59 रहा। कॉलेज पिछले नौं वर्षों से लगातार शीर्ष 100 कॉलेजों में अपनी स्थिति बनाए हुए है। कॉलेज को वर्ष 2021 में NAAC द्वारा ग्रेड A+ भी प्रदान किया गया था।

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढाँचा (NIRF) को मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) द्वारा अनुमोदित किया गया था और इसे 29 सितंबर 2015 को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा लॉन्च किया गया। यह ढाँचा पूरे देश के संस्थानों की रैंकिंग के लिए एक प्रविधि निर्धारित करता है। यह विधि MHRD द्वारा गठित कोर कमेटी की सिफारिशों और विचार-विमर्श पर आधारित है, जो विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों की रैंकिंग के लिए प्रमुख मानदंडों की पहचान करता है। मुख्य मूल्यांकन मापदंड इस प्रकार हैं: "शिक्षण, अधिगम और संसाधन", "अनुसंधान और व्यावसायिक प्रथाएँ", "स्नातक परिणाम", "संपर्क और समावेशन", "धारणा"।

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज फॉर वीमेन (IR-C-C6426)

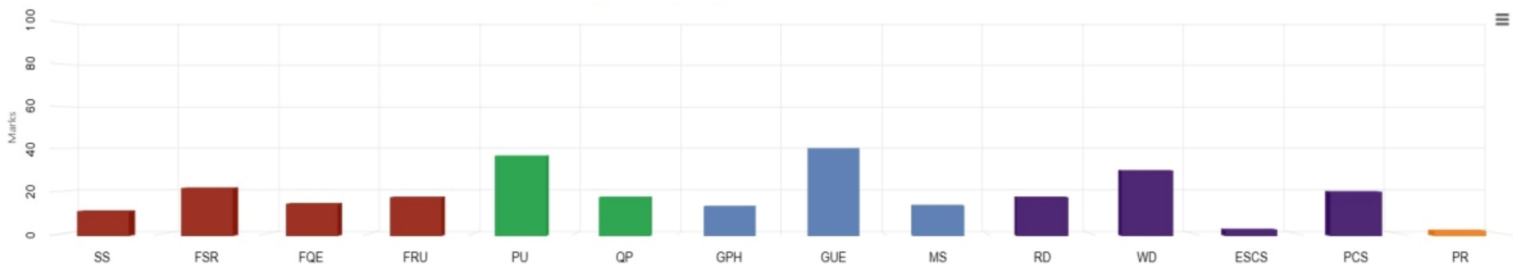

	TLR				RP		GO			OI				PR
	SS	FSR	FQE	FRU	PU	QP	GPH	GUE	MS	RD	WD	ESCS	PCS	PR
Score	10.82	21.58	14.53	17.44	36.54	17.42	13.06	40.00	13.31	17.50	30.00	2.33	20.00	1.91
Total	20.00	30.00	20.00	30.00	70.00	30.00	40.00	40.00	20.00	30.00	30.00	20.00	20.00	100.00

प्लेसमेंट सेल

विदेशी भाषा पाठ्यक्रम

प्लेसमेंट सेल एक मज़बूत और कुशल रूप से कार्यरत इकाई है, जो कॉलेज के सभी 14 विभागों में कैंपस प्लेसमेंट को केंद्रीय रूप से प्रबंधित करती है। इसके संचालन में कंपनियों और छात्राओं दोनों को व्यापक सहायता दी जाती है। चूंकि इस वर्ष छात्राओं ने NEP के तहत चौथे वर्ष का विकल्प चुना, प्लेसमेंट सेल ने केवल प्लेसमेंट को ही नहीं, बल्कि कौशल-आधारित इंटर्नशिप अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित किया। यह बहुआयामी दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि छात्रा न केवल रोजगार के अवसर प्राप्त करें, बल्कि व्यावसायिक दुनिया में सफलता के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव भी विकसित करें।

प्लेसमेंट सीज़न को दो चरणों में विभाजित किया गया है:

- चरण 1: अगस्त से दिसंबर
- चरण 2: जनवरी से अप्रैल

उपलब्धियाँ:

- वित्त वर्ष 2025-26 में शामिल की गई कुल कंपनियों में से लगभग 40% कंपनियाँ नई थीं, जिन्हें पहले इंटर्नशिप रूप में शामिल किया गया था।
- कॉलेज का टेक महिंद्रा, विलिस टावर्स वाटसन, एबुलेंट सिक्योरिटीज जैसी प्रमुख कंपनियों से जुड़ाव हुआ।
- प्लेसमेंट सेल ने डेटा एनालिटिक्स, फाइनेंस, मार्केटिंग, सेल्स, HR, रिसर्च आदि क्षेत्रों में छात्राओं को अवसर प्रदान किए।

Prominent Recruiters

तकनीकी क्लब @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

डेवलपर स्टूडेंट क्लब (DSC)

कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने वर्ष 2018 में परिसर में तकनीकी कौशल विकास एवं नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डेवलपर स्टूडेंट क्लब (DSC) की स्थापना की। यह क्लब विद्यार्थियों को संसाधन, मार्गदर्शन तथा व्यावहारिक अधिगम के अवसर प्रदान करता है, ताकि वे उद्योग के लिए तैयार पेशेवर बन सकें तथा वैश्विक प्रौद्योगिकी प्रवृत्तियों के अनुरूप स्वयं को विकसित कर सकें।

DSC का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का उपयोग करते हुए वास्तविक जीवन की समस्याओं के प्रभावी समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे उनकी तकनीकी विशेषज्ञता, समस्या-समाधान क्षमता तथा सहयोगात्मक कार्य-कौशल सुदृढ़ हो सके। क्लब वर्षभर कार्यशालाओं, कोडिंग प्रतियोगिताओं, विशेषज्ञ व्याख्यानों तथा हैकाथॉन का आयोजन करता है, जिससे सतत् अधिगम एवं नवाचार का एक सक्रिय वातावरण निर्मित होता है।

वर्ष 2018 से 2019 तक DSC ने गूगल डेवलपर स्टूडेंट क्लब (GDSC) के साथ सहयोग किया, जिसका नेतृत्व क्लब की प्रथम लीड सुश्री हुनर बत्रा ने किया था। शैक्षणिक सत्र 2024–2025 में इस कार्यक्रम का नाम परिवर्तित कर गूगल डेवलपर ग्रुप्स (GDG) ऑन कैंपस कर दिया गया।

शैक्षणिक सत्र 2025–2026 में सुश्री परिशी मिश्रा के नेतृत्व में क्लब ने टियर 1 (Tier 1) का दर्जा प्राप्त किया तथा निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहलें संचालित कीं-

- **गूगल क्लाउड स्टडी जैम्स (Jams):** इसमें 180 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 100 से अधिक ने कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया।
- **टेकस्प्रिंट 2026 हैकाथॉन:** इसमें 170 से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता रही तथा 40 से अधिक परियोजनाएँ प्रस्तुत की गईं, जिन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित समाधानों के माध्यम से नवाचार को प्रोत्साहित किया।

इन उपलब्धियों के माध्यम से DSC परिसर में नवाचार, नेतृत्व तथा तकनीकी उत्कृष्टता की सशक्त संस्कृति को निरंतर बढ़ावा देता रहा है।

रोबोटिक्स क्लब

रोबोटिक्स क्लब महाविद्यालय की छात्र सोसायटी है। रोबोटिक्स प्रौद्योगिकी की वह शाखा है जो रोबोटों के अभिकल्पन (डिज़ाइन), निर्माण तथा उनके अनुप्रयोग से संबंधित है। इस सोसायटी का उद्देश्य विद्यार्थियों को रोबोट प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूक करना तथा उनकी प्रोग्रामिंग क्षमता का उपयोग करते हुए रोबोटों का प्रोग्रामिंग एवं निर्माण करना सिखाना है, जो घरेलू, वाणिज्यिक तथा सैन्य सहित विभिन्न व्यावहारिक उद्देश्यों की पूर्ति कर सकें।

इसकी शुरुआत ई-यंत्र (E-Yantra), जो शिक्षा मंत्रालय (पूर्व में MHRD) की एक पहल है, के अंतर्गत आईआईटी (IIT) बॉम्बे में आयोजित टीचर्स रोबोटिक्स प्रतियोगिता में संकाय सदस्यों की भागीदारी से हुई। तब से प्रत्येक वर्ष विद्यार्थी ई-यंत्र छात्र प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। रोबोटिक्स क्लब के अंतर्गत समय-समय पर विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है।

महाविद्यालय में एक सुसज्जित रोबोटिक्स प्रयोगशाला उपलब्ध है, जिसमें फायरबर्ड रोबोट, स्पार्क वी रोबोट तथा ड्रोन जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिससे विद्यार्थियों को रोबोटिक्स का तकनीकी ज्ञान प्राप्त होता है।

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.
छात्र सांस्कृतिक समितियां

आहार्या – नृत्य समिति

'आहार्या' का अर्थ है — अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का एक तरीका, और यही हमारे समाज की पहचान है। SRCASW की आधिकारिक नृत्य समिति के रूप में, हम विभिन्न पृष्ठभूमि से आए छात्राओं को नृत्य की कला के माध्यम से एक मंच पर लाते हैं। हमारे सदस्य प्रतिदिन अपने कौशल को निखारने और अपनी अनोखी शैली को प्रस्तुत करने के लिए समर्पित रहते हैं। प्रत्येक वर्ष, आहार्या विभिन्न अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करता है, जिससे हमारी उत्कृष्टता की परंपरा गतिमान रहती है। हम कॉलेज परिसर में अक्सर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन भी करते हैं, जो पूरे कॉलेज में रचनात्मकता, जीवंतता और ऊर्जा का संचार करते हैं। आहार्या का मानना है कि अगर आप लड़खड़ा जाएं, तो उसे भी नृत्य का प्रारूप बना लें और नृत्य को अपने जीवन की दिनचर्या का।

एलवायरा (ELVIRA)

एलवायरा, ललित कला समिति, का उद्देश्य नवोदित और अनुभवी दोनों प्रकार के कलाकारों के लिए प्रेरणा, सौहार्द्र, अवसर और एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहाँ वे नई कला शैलियों और कौशलों को सीख और खोज सकें। इस समिति का सार रंगों की एक मनोहर विविधता में निहित है – “विभिन्न होने के बावजूद समान” - जो कला के प्रति अटूट जुनून से प्रेरित है। एलवायरा हर वर्ष नए मील के पत्थर स्थापित करती है और दृढ़ संकल्प के साथ नए अवसरों को अपनाती है। यह टीम अंतर और अंत: कॉलेज प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेती है, सेशन्स और कार्यशालाओं का आयोजन करती है, लाइव प्रस्तुतियाँ देती है, और अपनी सौंदर्यबोधात्मक प्रतिभा से कॉलेज के उत्सवों को सजीव बनाती है। वार्षिक कला प्रदर्शनी "विस्टा (VISTA)", इस समिति की भावना, समर्पण, विश्वास और उल्लास को दर्शाती है जो इसे एकजुट करता है और इसे एक टीम बनाता है। एलवायरा न केवल अपने सदस्यों की कलात्मक प्रतिभा को निखारने पर ध्यान केंद्रित करती है, बल्कि उनके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में व्यक्तिगत विकास सुनिश्चित करने का प्रयास भी करती है।

ग्लैमफायर (GLAMFIRE)

ग्लैमफायर (GLAMFIRE), शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ की फैशन सोसाइटी है, "जहाँ आत्मविश्वास रैम्प पर चलता है और रचनात्मकता मंच पर राज करती है"। ग्लैमफायर एक ऐसा जीवंत मंच है जो विभिन्न विषयों के छात्राओं को एक साथ लाता है – वे छात्रा जो फैशन, आत्म-अभिव्यक्ति, और व्यक्तित्व की विशिष्टता को गहराई से महसूस करते हैं। शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से ही, ग्लैमफायर में नियमित और गहन अभ्यास सत्र, स्टाइलिंग की व्यावहारिक गतिविधियाँ, और रचनात्मक फैशन गतिविधियां कराए जाते हैं, जो सदस्यों को आलोचनात्मक एवं नवाचारी सोच की ओर प्रेरित करते हैं। यह सोसाइटी नवीनतम फैशन ट्रेंड्स से लगातार अपडेट रहती है और ऐसे लुक्स व प्रस्तुतियाँ तैयार करती है जो आधुनिकता और सांस्कृतिक पहचान का सुंदर संगम होती हैं। वर्ष का सबसे प्रमुख आकर्षण है हमारी **वार्षिक फैशन प्रस्तुति – “प्रत्यंगिरा”**, जो शक्ति की प्रतीक देवी प्रत्यंगिरा के नाम पर आधारित है। प्रत्यंगिरा सिर्फ एक फैशन शो नहीं है, बल्कि सशक्तिकरण, सहनशक्ति, और रचनात्मक अभिव्यक्ति का उत्सव है। यह ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुति नारीत्व, सृजनात्मकता, और आत्मबल की झलक प्रस्तुत करती है, जहाँ हर प्रदर्शन एक ऐसी कहानी कहता है जो दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ जाती है।

ग्लैमफायर विभिन्न इंटर-कॉलेज फैशन प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेती है, साथ ही स्टाइलिंग कार्यशालाएं, ग्रूमिंग सेशन्स, और फोटोग्राफ़र्स, डिज़ाइनर्स, व स्टाइलिस्ट्स के साथ सहयोग कर के सदस्यों को फैशन इंडस्ट्री का वास्तविक अनुभव प्रदान करती है। रैम्प पर आत्मविश्वास से चलना हो या पर्दे के पीछे सृजनात्मक रूप से कार्य करना – ग्लैमफायर में हर सदस्य को अपनी पहचान और अपनी आवाज़ मिलती है।

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

इंकलिंग्स, साहित्यिक समिति, वर्ष 2013 से सक्रिय रूप से कार्य कर रही है, जिसका उद्देश्य भाषा और साहित्य प्रेमियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना है। यह समिति राजगुरु परिवार के साहित्य प्रेमियों और अन्य प्रतिभाशाली व्यक्तियों को एक मंच पर लाने का कार्य करती है, जहाँ वे अपनी प्रतिभा को निखार सकें और एक सामूहिक जुड़ाव का अनुभव कर सकें। वक्ता और वाद-विवादकर्ता हों या लेखक और कवि, डिज़ाइनर और रचनात्मक विचारक हों या पाठक और संपादक—यह समिति कॉलेज की संपूर्ण रचनात्मक ऊर्जा और अभिव्यक्ति का एक आदर्श संगम है।

मुखौटा, नाट्य समिति, का उद्देश्य हमारे समाज की उपेक्षित समस्याओं को उजागर करना है। सदस्य एकजुट होकर टीम के रूप में कार्य करते हैं और अपनी राय व आवाज़ के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। समर्पण, प्रतिबद्धता और कठिन परिश्रम के लिए जानी जाने वाली यह समिति वर्षों से अपने प्रयासों के लिए प्रशंसा प्राप्त करती आ रही है। यह यात्रा केवल अभिनय सिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें महत्वपूर्ण जीवन कौशल भी सिखाए जाते हैं -यह रंगमंच की एक सौंदर्यपूर्ण और सीख से भरी यात्रा है। सामाजिक मुद्दों पर आधारित नुक्कड़ नाटक इस समिति की विशेषता (USP) है।

फिलायरा, SRCASW की संगीत समिति, संगीत प्रेमियों का एक ऐसा समूह है जो दो मुख्य विधाओं में कार्य करता है – भारतीय और पश्चिमी संगीत। यह समिति महाविद्यालय में एक विशिष्ट स्थान रखती है तथा विभिन्न सांस्कृतिक एवं तकनीकी कार्यक्रमों में सक्रिय योगदान देती है।

समिति के भारतीय एवं पाश्चात्य संगीत प्रकोष्ठ विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास सत्रों, जैम सेशनों तथा सहयोगात्मक अधिगम के माध्यम से अपनी संगीत प्रतिभा को निखारने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। सदस्य महाविद्यालय के भीतर तथा अंतर-महाविद्यालयीय कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, जिससे उन्हें मंचीय प्रस्तुति का महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त होता है।

समिति को स्वाध्याय भवन में 'मुक्त शिक्षा विद्यालय' (SOL) ईस्ट रीजनल कैंपस के उद्घाटन समारोह में वंदना प्रस्तुत करने का गौरव प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद तथा भारत सरकार के माननीय सांसद श्री मनोज तिवारी सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

समिति ने भजन क्लबिंग जैसे कार्यक्रमों में भी सहभागिता की है, जहाँ समन्वित गायन एवं वाद्य प्रस्तुतियों के माध्यम से भक्तिमय संगीत का प्रदर्शन किया गया। इसके अतिरिक्त, समिति महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव करवाँ (Karvaan) में संगीत संबंधी कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी सक्रिय भूमिका निभाती है। निरंतर अभ्यास एवं समर्पण के माध्यम से फिलायरा महाविद्यालय के सांस्कृतिक जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग बनकर निरंतर प्रगति कर रही है।

यह समिति स्वयं एक बड़े परिवार के समान है। इस वर्ष आरोहणा को महाविद्यालय के भीतर एवं बाहर आयोजित अनेक प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ। आरोहणा तथा पाश्चात्य संगीत सोसायटी दोनों ने अनेक अंतर-महाविद्यालयीय एवं महाविद्यालय के आंतरिक कार्यक्रमों में भाग लिया। नियमित अभ्यास सत्र एवं प्रस्तुतियाँ परिसर में संगीत की भावना को जीवंत बनाए रखते हैं। इस समिति ने एक बार पुनः टीमवर्क एवं समन्वय की भावना का परिचय देते हुए स्वयं को महाविद्यालय की सबसे महत्वपूर्ण समितियों में से एक के रूप में स्थापित किया है।

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

शफल शाट्स, फोटोग्राफी क्लब, महाविद्यालय की सबसे गतिशील एवं लोकप्रिय समितियों में से एक है। लगभग 2014 में स्थापित यह समिति समय के साथ एक जीवंत समुदाय के रूप में विकसित हुई है, जहाँ जुनून और दृष्टिकोण का संगम होता है। महाविद्यालय के प्रत्येक प्रमुख कार्यक्रम को कैमरे में कैद करने से लेकर रचनात्मकता की नई संभावनाओं की खोज तक, यह समिति हर गतिविधि में सक्रिय रहती है—हाथ में कैमरा और मन में सृजनात्मक दृष्टि के साथ।

प्रतिभाशाली मार्गदर्शकों के नेतृत्व में शफल शाट्स नियमित रूप से रोचक प्रतियोगिताओं, व्यावहारिक कार्यशालाओं तथा प्रेरणादायक फोटो वॉक का आयोजन करती है, जो सदस्यों के कौशल को विकसित करने और उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाने में सहायक होते हैं। महाविद्यालय के भीतर एवं बाहर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से यह क्लब स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करते हुए रचनात्मकता को निरंतर जीवंत बनाए रखता है। क्लब के सदस्य अपनी प्रतिबद्धता, मौलिकता तथा कहानी कहने की उत्कृष्ट दृष्टि को प्रतिबिंबित करने वाले उच्च-स्तरीय फोटोग्राफिक कार्य प्रस्तुत करते हुए निरंतर उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करते हैं।

एहसास / ह्यूमन कैफ़े, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ की एक स्थापित समिति है। मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र स्वास्थ्य का एक अभिन्न अंग है और एक स्वस्थ, संतुलित व रचनात्मक जीवन जीने के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह समिति छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी फैलाना और उससे जुड़ी गलतफहमियों व सामाजिक अपवाद को समाप्त करना है। एहसास का उद्देश्य एक ऐसा सुरक्षित, पूर्वग्रह-रहित और आलोचना-मुक्त मंच प्रदान करना है, जहाँ हर कोई स्वतंत्र रूप से अपने विचारों, भावनाओं और अनुभवों को साझा कर सके।

समिति वर्ष भर विभिन्न सत्रों, कार्यशालाओं और संवादात्मक कार्यक्रमों का आयोजन करता है, ताकि एक ऐसा मानसिक स्वास्थ्य-जागरूक कैंपस वातावरण तैयार किया जा सके, जहाँ संवेदनशीलता, सहानुभूति और समझ को महत्व दिया जाता है।

एनक्टस (ENACTUS) का विश्वास है कि परिवर्तन प्रतीक्षा नहीं करता; इसकी शुरुआत उन लोगों से होती है जो बदलाव लाने के लिए कार्य करने का साहस और संकल्प रखते हैं।

हम ऐसे उत्साही छात्र परिवर्तनकर्ताओं का एक समुदाय हैं, जो वहाँ भी संभावनाएँ देखते हैं जहाँ अन्य लोग केवल सीमाएँ देखते हैं। उद्यमशीलता आधारित कार्यों (Entrepreneurial Action) की शक्ति के माध्यम से हम वंचित समुदायों के लोगों के साथ बाहरी व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि सहभागी के रूप में कार्य करते हैं। हम उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने, सतत आजीविका विकसित करने तथा अपने जीवन की नई कहानी लिखने में सहयोग प्रदान करते हैं।

जो लोग बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं, उन्हें सशक्त बनाने से लेकर उन उद्यमियों का सहयोग करने तक, जिन्हें लंबे समय तक समाज ने उपेक्षित किया है, हमारी प्रत्येक परियोजना का आधार एक सच्चा उद्देश्य होता है। हम केवल अवसरों का सृजन नहीं करते, बल्कि विश्वास भी उत्पन्न करते हैं—यह विश्वास कि परिस्थितियाँ किसी व्यक्ति की पहचान निर्धारित नहीं करतीं; यह विश्वास कि उसके सपने महत्वपूर्ण हैं; और यह विश्वास कि एक बेहतर जीवन संभव है।

हमारा उद्देश्य सरल, किंतु गहन मानवीय है—व्यवसाय को समाजहित का एक प्रभावी माध्यम बनाना तथा प्रत्येक उस समुदाय को, जिसके साथ हम कार्य करते हैं, पहले से अधिक सशक्त, अधिक उज्ज्वल और अधिक आशावान बनाकर आगे बढ़ाना।

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

"एनक्टस शहीद राजगुरु", शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक एनक्टस से संबद्ध प्रोजेक्ट है। हमारा उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से समुदाय का उत्थान करना है, साथ ही भविष्य के उद्यमियों का पोषण कर, एक बेहतर और अधिक सतत विश्व का निर्माण करना है। हमारे वर्तमान प्रोजेक्ट्स में शामिल हैं: प्रोजेक्ट पहचान, प्रोजेक्ट ग्रीन हैवन , प्रोजेक्ट सुगव्या । इन प्रोजेक्ट्स के माध्यम से हम तीन अलग-अलग हाशिए पर स्थित समुदायों को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रोजेक्ट पहचान इस पहल का उद्देश्य LGBTQIA+ समुदाय और वंचित व्यक्तियों को सशक्त बनाना है। इसके अंतर्गत उन्हें सिलाई, बेकिंग, डिज़ाइनिंग आदि जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण सत्र प्रदान किए जाते हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। इस परियोजना की खास बात यह है कि ये कौशल विकास कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क होते हैं। यह प्रोजेक्ट समाज में गहरी जमी हुई सामाजिक-आर्थिक असमानताओं और रूढ़ियों को समाप्त करने की दिशा में कार्य करता है। यह क्वीयर समुदाय को पहचान दिलाने और जनजागरूकता फैलाने के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करता है।

प्रोजेक्ट ग्रीन हेवन यह परियोजना कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य प्रवासी मजदूरों और रेहड़ी-पटरी वालों को रोजगार देना तथा वीगनवाद (veganism) और आहार में मशरूम के उपयोग को बढ़ावा देना है। कॉलेज परिसर में सस्टेनेबल फार्मिंग विधियों के माध्यम से ताजे मशरूम और मशरूम की खेती के पैकेज तैयार किए जाते हैं। हमारे उत्पाद स्वच्छ, प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों पर आधारित होते हैं और स्वास्थ्य व पोषण को बढ़ावा देते हैं। हमारे द्वारा उत्पादित मशरूम की किस्मों में शामिल हैं: किंग ऑएस्टर मशरूम, बटन मशरूम, ब्लैक, पिंक, येलो और ब्लू ऑएस्टर मशरूम। ये सभी मशरूम स्वच्छता के उच्च मानकों के अनुसार उगाए जाते हैं और कॉलेज कैंपस में स्टॉलों के माध्यम से तथा हमारी वेबसाइट पर बेचे जाते हैं। ये उत्पाद छात्राओं और शिक्षकों के बीच काफ़ी लोकप्रिय हैं।

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

प्रोजेक्ट सुगव्य "सुगव्य" शब्द का अर्थ है – "गाय से प्राप्त शुभ तत्व"। इसी दर्शन पर आधारित इस परियोजना के अंतर्गत हम गैर-दुग्ध देने वाली गायों के गोबर का उपयोग कर रासायनिक तत्वों से मुक्त विभिन्न उत्पाद बनाते हैं, जिससे न केवल उनके मूल्य में वृद्धि होती है बल्कि पर्यावरण को भी लाभ होता है। इस प्रोजेक्ट के उत्पाद बायोडिग्रेडेबल (जीवाणु विघटित होने योग्य) और पर्यावरण अनुकूल होते हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र के सतत विकास में योगदान करते हैं। हमारे सबसे प्रसिद्ध उत्पाद हैं "गौमय दीये", गाय के गोबर से बनाए गए यह दीये 100% बायोडिग्रेडेबल, रासायन-मुक्त और अटूट होते हैं। उपयोग के बाद इन्हें खाद (जैविक उर्वरक) के रूप में उपयोग किया जा सकता है। गौमूत्र से बना फिनाइल और ग्लास क्लीनर, यह प्राकृतिक उत्पाद घरेलू साफ-सफाई के कार्यों में उपयोगी हैं। खाद, गाय के गोबर से बनी जैविक खाद, जो पौधों की वृद्धि के लिए पोषक तत्वों से भरपूर होती है।

प्रवृद्धि (पर्यावरण क्लब)

प्रवृद्धि शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वुमेन का पर्यावरण क्लब (ईको क्लब) है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2005 में शिक्षकों और सक्रिय छात्राओं के एक समूह द्वारा की गई थी। यह क्लब नेशनल ग्रीन कॉर्प्स का हिस्सा है, जो पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा 2001 में शुरू की गई एक राष्ट्रीय योजना है। **प्रवृद्धि** अपने नाम के वास्तविक अर्थ—**"प्रकृति की वृद्धि"**—को सार्थक करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण के संरक्षण, संवर्धन तथा सतत् जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करती है।

प्रवृद्धि का उद्देश्य वृक्षारोपण अभियानों, जागरूकता कार्यक्रमों तथा सतत् विकास पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियों और चुनौतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं सतत् विकास की अवधारणाओं का प्रसार करना और उन्हें व्यवहार में उतारना है। यह सोसायटी विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के बीच पर्यावरण के प्रति जागरूकता, उत्तरदायित्व और गहरी रुचि विकसित करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करती है, जहाँ वे पर्यावरणीय विषयों पर विचार-विमर्श कर सकें और प्रकृति के संरक्षण हेतु सामूहिक रूप से योगदान देने के लिए प्रेरित हों।

सोसायटी महाविद्यालय के **हर्बल गार्डन** का प्रबंधन एवं संरक्षण करती है, जहाँ विभिन्न औषधीय पौधों का संवर्धन किया जाता है। प्रवृद्धि, आईक्यूएसी (IQAC) के तत्वावधान में अपनाई गई **ग्रीन पॉलिसी** के माध्यम से महाविद्यालय के आधारभूत ढाँचे में विभिन्न परियोजनाओं के जरिए सतत् विकास की अवधारणा को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्यरत है।

इसके अतिरिक्त, प्रवृद्धि अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर नियमित पोस्ट के माध्यम से सक्रिय ऑनलाइन उपस्थिति बनाए रखती है तथा पर्यावरणीय मुद्दों, पर्यावरण-अनुकूल व्यवहारों और सतत् जीवनशैली के प्रति जन-जागरूकता फैलाने का कार्य करती है।

महाविद्यालय को पर्यावरणीय सततता के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए अनेक प्रतिष्ठित सम्मान एवं मान्यताएँ प्राप्त हुई हैं। इनमें शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (MGNCRE) द्वारा महाविद्यालय को सोशल एंटरप्रेन्योरशिप, स्वच्छता एवं ग्रामीण सहभागिता प्रकोष्ठ (SES REC) संस्थान के रूप में मान्यता प्रदान किया जाना, सर्वाधिक वृक्षारोपण अभियान के सफल संचालन हेतु प्रशंसा-पत्र, तथा ग्रीन चैंपियन अवार्ड शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय को नेशनल एजूट्रस्ट द्वारा वर्ष 2024–25 के लिए पूर्वी दिल्ली जिला पर्यावरण चैंपियनशिप पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। हाल ही में, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन (SRCASW) को APEX SDG TRUST द्वारा ज़िला इको-SDG चैंपियन 2025 में A+ (गोल्ड) ग्रेड प्रदान किया गया। यह सम्मान महाविद्यालय को सतत् विकास, नागरिक उत्तरदायित्व तथा संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्यों (UN SDGs) एवं मिशन LiFE के प्रति उसके उत्कृष्ट योगदान और प्रतिबद्धता के लिए प्रदान किया गया है।

National EduTrust of India

Registered under Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India (UDYAM-CH-01-0039560)

ECO-FRIENDLY COLLEGE CERTIFICATE

This is to certify that

Shaheed Rajguru College of Applied Sciences for Women, University of Delhi

has successfully completed the **30-Day Environment Challenge** and has shown outstanding dedication to advancing environmental sustainability. Through active participation, the college has made significant strides in fostering a greener and more sustainable campus environment. The collective efforts of the Principal, Nodal Officer, Faculty, and Students in adopting eco-friendly practices have earned the college recognition as a distinguished Eco-Friendly Institution.

Director, NEI

Mr. Samarth Sharma
Chief Executive Officer

Date of Issue:12.09.2024
Certificate No: NEI/1037

भारत सरकार /Government of India
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद /Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चशिक्षाविभाग/Department of Higher Education
शिक्षामंत्रालय / Ministry of Education

District Green Champion Certificate

This is to certify that **SHAHEED RAJGURU COLLEGE OF APPLIED SCIENCES FOR WOMEN, UNIVERSITY OF DELHI** is hereby recognized as **District Green Champion** for **East** District, Delhi for the Academic Year 2021-22. The institution has successfully elevated the Swachhta Action Plan, adopted and implemented best practices in the areas of Sanitation, Hygiene, Waste Management, Water Management, Energy Management and Greenery Management.

Dr W G Prasanna Kumar
Chairman, MGNCRE
Ministry of Education, Government of India

तारीख / Date : 12.03.2022
ज्ञापनसंख्या/ Memo no: MGNCRE/SAP22/87

Certificate

District Eco-SDG Champion – 2025

(A National Call to Action for Higher Education Institutions)

APEX SDG

This is proudly presented to

Shaheed Rajguru College of Applied Sciences for Women, University of Delhi

East Delhi New Delhi

*for exemplary dedication and leadership in promoting **sustainability, civic responsibility, and nation building** through active participation in the **DESC 2025 initiative** organized by **APEX SDG Trust**. In recognition of its outstanding performance across the five focus areas— **Environment & Climate Action / Civic Literacy & Public Safety / Community Engagement / Innovation & Green Economy / Culture & Local Tourism** the institution is awarded the **highest honor**:*

A+ (Gold) Grade – District Eco-SDG Champion 2025

The topmost recognition (85–100 points), representing the pinnacle of excellence in sustainability and social responsibility among Higher Education Institutions in India.

Issued on: 17.04.2026

Executive Director
APEX SDG TRUST

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

मरक्यूरियस क्लब

कॉलेज में हाल ही में स्थापित प्रबंधन क्लब ने तीन छात्रा समितियों —रक़म (वित्त और निवेश समिति), मार्क हेवन (विपणन समिति), और इक्विलिब्रियम (अर्थशास्त्र समिति) — की ऊर्जा और समृद्ध इतिहास को एक साथ जोड़ा है। इस सशक्त समन्वय के माध्यम से एक ऐसा मंच तैयार किया गया है जो प्रबंधन, वित्त, विपणन और अर्थशास्त्र के भावी नेतृत्वकर्ताओं को विकसित करने के लिए समर्पित है।

मरक्यूरियस क्लब का उद्देश्य इन तीनों समितियों की क्षमताओं को एकीकृत कर छात्राओं को समग्र शैक्षणिक अनुभव प्रदान करना है। हमारा लक्ष्य है एक ऐसा सक्रिय और उत्साही समुदाय बनाना जहाँ छात्रा प्रबंधन सिद्धांतों की गहन समझ प्राप्त करें और साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त करें। इन गतिविधियों में संगोष्ठियां, कार्यशालाएँ, औद्योगिक भ्रमण, लाइव प्रोजेक्ट्स, मॉक यूनाइटेड नेशंस (MUN) और इंडस्ट्री विशेषज्ञों के साथ संवाद सत्र शामिल हैं। मरक्यूरियस क्लब छात्राओं को बिजनेस और प्रबंधन की प्रतिस्पर्धी दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु आवश्यक कौशल और ज्ञान से सुसज्जित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सभी छात्राओं को इस रोमांचक और पेशेवर विकास की यात्रा में शामिल होने का आमंत्रण देते हैं।

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

राजगुरुकुलम्, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन (SRCASW) के अंतर्गत स्थापित बहुविषयक अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र (CMRIE) की एक दूरदर्शी शैक्षिक पहल है।

इस पहल का उद्देश्य स्नातक विद्यार्थियों को विविध करियर अवसरों से परिचित कराना तथा उन्हें भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs) और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (IISERs) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा हेतु प्रवेश प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करना है।

विद्यार्थियों के समक्ष उपस्थित विविध सामाजिक एवं आर्थिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, राजगुरुकुलम् महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के समर्पण, विशेषज्ञता और उत्साह से संचालित एक निःशुल्क, समावेशी एवं संवादात्मक मंच उपलब्ध कराता है। यह पहल सामूहिक प्रतिबद्धता, शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है।

अपनी दूरदर्शी सोच को और सुदृढ़ करते हुए, यह पहल अब चतुर्थ वर्ष के अनुसंधान पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों में अनुसंधान पद्धति (Research Methodology) से संबंधित आवश्यक कौशल विकसित करने पर विशेष बल देती है, जिससे वे शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ-साथ भविष्य में अनुसंधान, नवाचार और ज्ञान-सृजन के क्षेत्र में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार हो सकें।

युवा संसद समिति की पावन स्थापना जुलाई 2016 में कॉलेज परिसर में हुई थी, और तब से यह सतत प्रगति कर रही है। यह समिति अकादमिक वर्ष के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों, जैसे, वाद-विवाद चर्चाएं, काल्पनिक संसद सत्र, ऐतिहासिक स्थलों की यात्राएं, जो लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं आदि का आयोजन करती है। इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्राओं को लोकतंत्र की मूल भावना और संसद की कार्यप्रणाली को समझने में सहायता करना है। समिति ने छात्राओं को संसद भवन, प्रधानमंत्री संग्राहलय, तथा G20 सम्मेलन जैसे सरकारी आयोजनों का भ्रमण करवाया है, जहाँ उन्हें लोकतांत्रिक और राजनीतिक संस्थाओं के कार्य को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिलता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्राओं में निम्नलिखित कौशल विकसित करना है: आलोचनात्मक सोच, प्रभावी अभिव्यक्ति सार्थक और संवाद करने की क्षमता।

यह समिति एक ऐसा मंच प्रदान करती है जहाँ छात्रा अपने विचार खुलकर रख सकते हैं, समस्याओं पर बहस कर सकते हैं, तथा समाज और समुदायों से जुड़ी समस्याओं के समाधान प्रस्तावित कर सकते हैं। इसके माध्यम से छात्रा, नेतृत्व कौशल, जनसंचार कौशल तथा राजनीतिक प्रक्रिया की समझ विकसित करते हैं। विभिन्न दृष्टिकोणों के संपर्क और रचनात्मक बहसों के माध्यम से छात्रा सहानुभूति विकसित करते हैं और विविध मतों को समझने की क्षमता अर्जित करते हैं।

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

TEDxSRCASW – SRCASW ने वर्ष 2022 में प्रेरणादायक विचारों को व्यापक स्तर पर साझा करने तथा संवाद और प्रेरणा का सशक्त मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अपनी TEDx यात्रा का शुभारंभ किया। TEDx एक स्वतंत्र रूप से आयोजित स्थानीय कार्यक्रम होता है, जिसमें TED की भावना के अनुरूप प्रेरक व्याख्यान (Talks) और प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाती हैं। ऐसे कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, विचारकों और श्रोताओं को एक साथ लाकर ऐसे विचारों के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करते हैं, जो सीमित दृष्टिकोण से आगे बढ़कर गहन चिंतन और सार्थक विमर्श को प्रेरित करते हैं।

वर्ष 2026 में TEDxSRCASW का नवीनतम आयोजन "The Second Layer: Stories. Systems. Truths." विषय पर आयोजित किया गया। इस विषय ने प्रतिष्ठित वक्ताओं और जागरूक श्रोताओं को सतही दृष्टि से आगे बढ़कर कहानियों, व्यवस्थाओं और सत्य के गहन आयामों का अन्वेषण करने तथा उनके अंतर्निहित अर्थों को समझने के लिए प्रेरित किया।

TEDxSRCASW का उद्देश्य अपनी इस प्रेरणादायी परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाना तथा प्रत्येक वर्ष ऐसे सार्थक आयोजनों के माध्यम से विचारों के आदान-प्रदान, नवाचार, प्रेरणा और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करना है।

आहार – द फ़ूड सोसायटी की स्थापना जुलाई 2022 में विद्यार्थियों को भोजन के प्रति उनकी रुचि के माध्यम से एकजुट करने, स्वस्थ खान-पान की आदतों को प्रोत्साहित करने तथा रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई। इस सोसायटी का लक्ष्य ऐसे विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना है जो पाक-कला, भोजन, खाद्य विज्ञान तथा पोषण के प्रति रुचि रखते हैं और इस क्षेत्र में अपने ज्ञान का विस्तार करना चाहते हैं।

तेजी से बदलती वर्तमान परिस्थितियों में आहार महाविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा आम जनमानस के बीच खाद्य सुरक्षा, खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, खाद्य विधायन, पैकेजिंग तथा लेबलिंग से संबंधित नियमों जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का सतत प्रयास करती है।

यह सोसायटी खाद्य गुणवत्ता एवं खाद्य मिलावट से संबंधित समस्याओं के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करती है, विशेष रूप से सामान्य मिलावटों की पहचान तथा उनके संभावित स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में लोगों को शिक्षित करती है। सेमिनारों, जागरूकता अभियानों, संवादात्मक सत्रों तथा नियमित सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से आहार विद्यार्थियों को उपभोक्ता अधिकारों एवं स्वस्थ भोजन संबंधी आदतों के प्रति जागरूक बनाती है।

साथ ही, सोसायटी अपने कार्यक्रमों का समन्वय भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा संचालित राष्ट्रीय अभियानों, जैसे Eat Right India, के साथ भी करती है। व्याख्यानों, जन-जागरूकता अभियानों तथा सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों के माध्यम से आहार पौष्टिक एवं संतुलित भोजन को अपनाने के लिए प्रेरित करती है तथा युवाओं में खाद्य सुरक्षा मानकों एवं विनियमों के प्रति समझ और जागरूकता विकसित करने का निरंतर प्रयास करती है।

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

गतिविधियाँ : छात्र परिषद (Student Council)

स्वतंत्रता दिवस समारोह: महाविद्यालय में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस 14 अगस्त, 2025 को अत्यंत उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पायल मागो ने प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) के कैडेटों ने आकर्षक एवं अनुशासित परेड प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

राजगुरु दिवस : महाविद्यालय ने 26 अगस्त, 2025 को अमर शहीद श्री शिवराम हरि राजगुरु जी की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई। इस अवसर पर उनके अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

फ्रेशर्स डे एवं शपथ ग्रहण समारोह : 18 सितम्बर, 2025 को छात्र परिषद द्वारा नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागतार्थ फ्रेशर्स डे का भव्य आयोजन किया गया। इसी अवसर पर नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शपथ ग्रहण समारोह से हुआ, जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पायल मागो ने नव-निर्वाचित प्रतिनिधियों को बैज प्रदान किए। सभी प्रतिनिधियों ने अपने दायित्वों का ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने की शपथ ली।

फ्रेशर्स डे समारोह में विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसने विद्यार्थियों के बीच संवाद, सहभागिता और आपसी सौहार्द को प्रोत्साहित किया। प्रतिभागियों ने अपने उत्साह, प्रतिभा और सृजनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कार्यक्रम को जीवंत एवं अविस्मरणीय बना दिया।

सुव्यवस्थित कार्यक्रम ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को अपने सहपाठियों एवं वरिष्ठ विद्यार्थियों से परिचित होने, नए संबंध स्थापित करने तथा आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा के साथ अपने शैक्षणिक जीवन की शुरुआत करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण डीजे सत्र के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने संगीत और नृत्य का आनंद लेते हुए एकता, उत्साह और आनंद की भावना को और अधिक प्रगाढ़ बनाया।

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

दीपावली मेला – उज्ज्वल'25 का आयोजन 17 अक्टूबर, 2025 को अत्यंत उत्साह और उत्सवी माहौल के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन समारोह से हुआ, जिसके बाद विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण लोकप्रिय बॉलीवुड फिल्मों पर आधारित अंतर-विभागीय नृत्य-नाट्य प्रतियोगिता थी। प्रत्येक टीम ने नृत्य और अभिनय का उत्कृष्ट समन्वय प्रस्तुत किया, जिसने कार्यक्रम की शुरुआत को ऊर्जावान और आकर्षक बना दिया।

उद्घाटन प्रस्तुति के बाद महाविद्यालय की विभिन्न समितियों—ग्लैमफायर, फिलायरा और मुखौटा ने अपनी विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनकी प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया और कार्यक्रम के उत्साहपूर्ण वातावरण में योगदान दिया।

लाइव संगीत प्रस्तुति तथा बैंड के प्रदर्शन ने भी दर्शकों में उत्साह का संचार किया और पूरे समारोह के दौरान उत्सवी वातावरण को बनाए रखा। समारोह का समापन गरबा-डांडिया सत्र के साथ हुआ, जिसने विद्यार्थियों की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित किया और मेले का समापन आनंदपूर्ण, उत्सवपूर्ण तथा समावेशी वातावरण में हुआ।

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

स्वास्थ्य जाँच शिविर: छात्र परिषद ने एनएसएस (NSS) के सहयोग से 12–13 नवम्बर, 2025 को दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया। शिविर में विशेष रूप से हीमोग्लोबिन (Hb) परीक्षण, रक्तचाप (BP) जाँच, रक्त शर्करा स्तर परीक्षण, अस्थि खनिज घनत्व (Bone Mineral Density) का आकलन तथा व्यापक नेत्र परीक्षण शामिल थे। प्रथम दिवस 180 तथा द्वितीय दिवस 130 विद्यार्थियों ने चिकित्सकीय परामर्श एवं स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। यह पहल अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई, जिससे विद्यार्थियों को निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच की सुविधा प्राप्त हुई तथा निवारक स्वास्थ्य देखभाल और समग्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिला।

आधिकारिक महाविद्यालय भ्रमण: छात्र परिषद ने 10 जनवरी से 14 जनवरी, 2026 तक उदयपुर एवं माउंट आबू के लिए महाविद्यालय का आधिकारिक शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया। इस भ्रमण में 195 विद्यार्थियों तथा 21 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। यात्रा कार्यक्रम में नौका विहार तथा बाहुबली हिल्स ट्रेकिंग सहित अनेक रोमांचक एवं यादगार गतिविधियाँ शामिल थीं। विद्यार्थियों ने जीवंत डीजे नाइट तथा सांस्कृतिक संध्या का भी आनंद लिया, जिसने सभी प्रतिभागियों को उत्सव के वातावरण में एक साथ जोड़ दिया। यह भ्रमण विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों, दोनों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध हुआ।

सरस्वती पूजा एवं गणतंत्र दिवस: 23 जनवरी को महाविद्यालय में सरस्वती पूजा एवं गणतंत्र दिवस का उत्सव अत्यंत उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण समारोह से हुआ, जिसके पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन तथा एनसीसी (NCC) कैडेटों द्वारा प्रभावशाली परेड प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में भारतीय संगीत सोसायटी तथा नाट्य सोसायटी द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें शहीद राजगुरु जी के जीवन पर आधारित एक जीवंत नाट्य प्रस्तुति भी शामिल थी। इस प्रस्तुति ने उनके साहस एवं बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की और दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा।

इसके उपरांत पारंपरिक विधि-विधानों एवं श्रद्धा के साथ सरस्वती पूजा सम्पन्न की गई, जिसमें ज्ञान एवं विद्या की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त करने की प्रार्थना की गई। समारोह का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसने विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को एकता, सांस्कृतिक गौरव एवं उत्सव की भावना में एक साथ जोड़ा।

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

कारवां'26: वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव: 18 एवं 19 मार्च, 2026 को महाविद्यालय ने अपने वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव **कारवां'26** का अत्यंत उत्साह के साथ सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न संस्थानों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। 3,000 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों, आकर्षक सजावट, जीवंत खाद्य स्टॉलों तथा रोमांचक प्रस्तुतियों के साथ यह दो दिवसीय उत्सव जीवंत एवं ऊर्जावान वातावरण से परिपूर्ण रहा, जिसने इसे वास्तव में एक जादुई अनुभव बना दिया।

जीवन @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

प्रथम दिवस: 18 मार्च, 2026 - कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पायल मागो, संकाय सदस्यों तथा सांस्कृतिक समिति की उपस्थिति में पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। पूरे दिन महाविद्यालय की विभिन्न सोसायटियों द्वारा विद्यार्थियों की विविध प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने वाली अनेक प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सायंकाल का प्रमुख आकर्षण साधो बैंड द्वारा प्रस्तुत मनमोहक भजन क्लबिंग प्रस्तुति रही, जिसकी भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने भक्ति संगीत और आधुनिक तत्वों का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करते हुए दर्शकों को गहराई से आकर्षित किया तथा उन्हें आध्यात्मिक रूप से प्रेरित करने वाला अनुभव प्रदान किया।

द्वितीय दिवस: 19 मार्च, 2026 - दिन के प्रथम सत्र में विभिन्न सोसायटियों द्वारा अपनी-अपनी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिन का मुख्य आकर्षण शिवम चौहान का रोमांचक संगीत कार्यक्रम रहा। उनकी ऊर्जावान मंच प्रस्तुति और मनमोहक संगीत ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा पूरे वातावरण को जीवंत और उत्साहपूर्ण बना दिया। उत्सव का समापन सम्मान समारोह के पश्चात धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

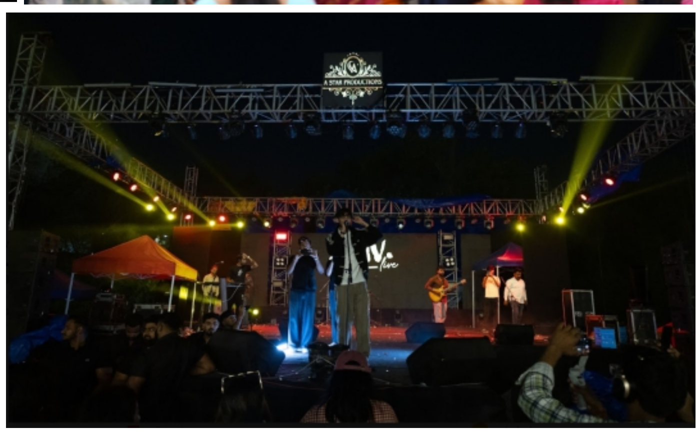

सामाजिक पहल @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) – राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) अपने ध्येय वाक्य **"स्वयं से पहले आप" (Not Me But You)** के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित करती है। पूरे वर्ष के दौरान NSS समुदाय कल्याण तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती है। इन गतिविधियों में महाविद्यालय परिसर एवं उसके आसपास स्वच्छता अभियान, स्वच्छता एवं स्वास्थ्यकर आदतों के प्रति जागरूकता अभियान शामिल हैं। NSS प्लास्टिक के उपयोग में कमी तथा स्वच्छ परिवेश बनाए रखने जैसी सतत् जीवनशैली को प्रोत्साहित करने वाली पहलों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूकता फैलाती है।

विद्यार्थियों में रचनात्मकता तथा सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए NSS नारा लेखन, पोस्टर निर्माण तथा निबंध लेखन जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। छात्र स्वयंसेवक विद्यालयों के भ्रमण सहित विभिन्न सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, जहाँ वे स्वच्छता, जिम्मेदार नागरिक व्यवहार तथा सतत् जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाते हैं। विद्यार्थियों को सरकारी पहलों तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका से परिचित कराने के लिए अतिथि वक्ताओं के साथ कार्यशालाओं एवं संवादात्मक सत्रों का भी आयोजन किया जाता है। NSS वित्तीय साक्षरता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा सुशासन के प्रति जागरूकता फैलाने पर भी विशेष बल देती है।

विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान, निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर तथा नशा-निवारण जागरूकता अभियान जैसी स्वास्थ्य संबंधी पहलें भी आयोजित की जाती हैं। समग्र रूप से, NSS सामाजिक रूप से जागरूक, उत्तरदायी एवं सक्रिय नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो समाज के सकारात्मक विकास में अपना सार्थक योगदान देते हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) — राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) अपने ध्येय वाक्य "एकता और अनुशासन" के अंतर्गत युवा कैडेटों में नेतृत्व, देशभक्ति तथा निःस्वार्थ सेवा की भावना का विकास करता है। एनसीसी विद्यार्थियों को एक सशक्त मंच प्रदान करता है, जिसके माध्यम से वे चरित्र, साहस, सौहार्द, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण तथा निःस्वार्थ सेवा के आदर्श जैसे गुणों का विकास करते हैं, जो एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

SRCASW की NCC इकाई में 54-54 सीनियर विंग कैडेटों वाली दो पलटनें हैं (कुल 108 कैडेट)। यह इकाई विद्यार्थियों को ऐसा परिवर्तनकारी अनुभव प्रदान करने का लक्ष्य रखती है, जिसमें शारीरिक दक्षता, नागरिक उत्तरदायित्व तथा चरित्र निर्माण का समन्वित विकास हो।

NCC इकाई विद्यार्थियों में दृढ़ता, आत्मविश्वास, टीम भावना तथा राष्ट्रीय गौरव जैसे मूल्यों का विकास करने का लक्ष्य रखती है। यद्यपि यह इकाई अभी अपने

सामाजिक पहल @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

प्रारंभिक चरण में है, फिर भी इसमें छात्र जीवन का एक सशक्त अंग बनने की अपार संभावनाएँ हैं। यह भविष्य में कैडेटों को सुव्यवस्थित सैन्य-शैली प्रशिक्षण, नेतृत्व शिविरों, सामाजिक जागरूकता अभियानों तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर प्रदान करेगी।

शारीरिक एवं नेतृत्व प्रशिक्षण से आगे बढ़कर, NCC का उद्देश्य युवा छात्राओं को भविष्य के परिवर्तनकारी नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना है, ताकि वे सम्मान और सत्यनिष्ठा के साथ समाज एवं राष्ट्र की सेवा कर सकें। इस इकाई की स्थापना उन विद्यार्थियों के लिए एक सार्थक यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है, जो अनुशासन, नागरिक उत्तरदायित्व तथा व्यक्तिगत विकास से परिपूर्ण जीवन को अपनाना चाहते हैं।

SRCASW में एनसीसी केवल एक सह-पाठ्यक्रम गतिविधि नहीं है, बल्कि यह साहस, प्रतिबद्धता और राष्ट्र सेवा की गौरवशाली परंपरा का हिस्सा बनने का एक अवसर है।

EBSB क्लब - जनवरी 2020 में स्थापित, SRCASW का EBSB क्लब एमएचआरडी, भारत सरकार की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत बनाया गया था, जहां दिल्ली राज्य को सिक्किम राज्य के साथ जोड़ा गया है। EBSB क्लब सिक्किम की संस्कृति, परंपराओं, भाषा, लोक नृत्य, लोक संगीत और व्यंजनों को बढ़ावा देने वाली विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का संचालन करने का प्रयास करता है। क्लब का उद्देश्य "हमारे देश की विविधता में एकता का जश्न मनाना" है, युवाओं को समानता के लिए एक ताकत बनने और अपनी रोजमर्रा की बातचीत में सांस्कृतिक रूप से अधिक समावेशी बनने के लिए प्रेरित करना है।

सामाजिक पहल @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

उन्नत भारत अभियान (UBA) – यह भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम की शुरुआत IIT दिल्ली के कुछ समर्पित संकाय सदस्यों द्वारा की गई थी, जो ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे थे। इसे आधिकारिक रूप से MHRD (अब MoE) द्वारा वर्ष 2014 में लॉन्च किया गया। UBA का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों (HEI) के संकाय सदस्यों और छात्राओं को ग्रामीण समुदायों की सामाजिक और आर्थिक भलाई को सुधारने तथा ग्रामीण भारत में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लक्ष्य में शामिल करना है। देश के उच्च संस्थानों के ज्ञान और संसाधनों का उपयोग ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए किया जाता है। यह समाज और उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच एक सशक्त संबंध बनाने का भी लक्ष्य रखता है, जिसमें उच्च शिक्षण संस्थान ग्रामीण लोगों के जीवन को सुधारने हेतु आवश्यक ज्ञान और तकनीकी सहयोग प्रदान करते हैं और समाज में सार्वजनिक व निजी संगठनों की क्षमताओं को भी बढ़ाते हैं।

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय को उन्नत भारत अभियान (UBA) के तहत एक भागीदार संस्थान के रूप में चुनौती मोड एप्लिकेशन के माध्यम से चयनित किया गया था। तब से, छात्राओं ने संकाय सदस्यों के साथ मिलकर उन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम किया है जो अपनाए गए ग्रामीण समुदायों में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निर्धारित किए गए हैं। UBA, SRCASW ने कॉलेज परिसर के आसपास के 5 गांवों को गोद लिया है। शुरू किए गए विभिन्न परियोजनाओं में भूख के खिलाफ लड़ाई, एकल उपयोग प्लास्टिक को ना कहना, आवश्यक वस्तुओं का वितरण, LGBTQI समुदाय को उनकी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करके उनका सशक्तिकरण, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। इस सत्र में हम शहरी गांवों में कैंसर पर विशेष ध्यान देते हुए स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बेहतर बनाने के साथ-साथ अन्य बहुमूल्य पहलों पर भी काम कर रहे हैं।

उन्नत भारत अभियान का मिशन यह है कि भागीदार उच्च शिक्षण संस्थान ग्रामीण भारत की जनता के साथ मिलकर विकास संबंधी चुनौतियों की पहचान करें और संवहनीय विकास को तेज करने हेतु उपयुक्त समाधान तैयार करें।

महिला विकास प्रकोष्ठ, कॉलेज का महिला विकास प्रकोष्ठ "अनुभूति" महिलाओं से संबंधित मुद्दों, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। यह विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और गतिविधियों के माध्यम से अपने उद्देश्यों की पूर्ति करता है। यह प्रकोष्ठ सामान्य और महिला-विशेष दोनों प्रकार के विषयों को सम्मिलित करता है। इसके प्रमुख उद्देश्यों में महिलाओं से संबंधित कल्याणकारी कानूनों की जानकारी देना, आर्थिक, सामाजिक और लैंगिक समानता के महत्व को समझाना, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समग्र व्यक्तित्व विकास हेतु बहुविषयी दृष्टिकोण को बढ़ावा देना शामिल हैं।

समान अवसर प्रकोष्ठ भारत सरकार का दृष्टिकोण एक समावेशी समाज की स्थापना करना है, जहाँ दिव्यांगजन (PwDs) को विकास और उन्नति के लिए समान अवसर और पहुँच प्रदान की जाए, ताकि वे एक उत्पादक, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी सकें। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 में विशेष रूप से निर्मित वातावरण में भेदभाव न करने का प्रावधान है।

सामाजिक पहल @ एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

सुगम्य भारत अभियान को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 3 दिसंबर 2015 को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर शुरू किया गया था। यह एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सार्वभौमिक सुगमता प्राप्त करना है।

कॉलेज का **समान अवसर प्रकोष्ठ (EOC)** दिव्यांग छात्राओं को सशक्त बनाने और उन्हें उच्च शिक्षा में समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। यह प्रकोष्ठ इन छात्राओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रसारित करता है तथा परामर्श और सहायक कक्षाओं के माध्यम से उन्हें सहायता प्रदान करता है। कॉलेज में रैम्प, लिफ्ट, व्हीलचेयर, दिव्यांगजन-अनुकूल शौचालय तथा PwDs (दिव्यांगजन) के लिए आरक्षित पार्किंग की सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, कॉलेज की पुस्तकालय में दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए सहायक सॉफ्टवेयर युक्त कंप्यूटर भी उपलब्ध हैं

उत्तर-पूर्व प्रकोष्ठ: उत्तर-पूर्व प्रकोष्ठ (NEC) एक संस्थागत निकाय है, जिसकी स्थापना भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के विद्यार्थियों तथा लद्दाख और दार्जिलिंग जैसे सांस्कृतिक रूप से समान क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए एक समावेशी, सहयोगपूर्ण एवं सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील वातावरण विकसित करने के उद्देश्य से की गई है। इन क्षेत्रों की भौगोलिक दूरी तथा विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को ध्यान में रखते हुए, यह प्रकोष्ठ महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए **"घर से दूर एक घर"** जैसा वातावरण निर्मित करने का प्रयास करता है, जहाँ वे अपनापन, सहजता तथा प्रतिनिधित्व का अनुभव कर सकें। साथ ही, यह व्यापक छात्र समुदाय के बीच इन क्षेत्रों की समृद्ध परंपराओं, भाषाओं एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता और सम्मान को बढ़ावा देने का कार्य भी करता है।

यह प्रकोष्ठ समावेशिता, पारस्परिक सम्मान तथा विभिन्न समूहों के बीच सार्थक संवाद को प्रोत्साहित करते हुए इन विद्यार्थियों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कल्याण को सुदृढ़ बनाने का लक्ष्य रखता है। इसकी परिकल्पना विविधता में एकता पर आधारित ऐसी परिसर संस्कृति का निर्माण करना है, जहाँ सांस्कृतिक भिन्नताओं को केवल स्वीकार ही नहीं किया जाए, बल्कि उनका उत्सव भी मनाया जाए, तथा प्रत्येक विद्यार्थी स्वयं को संस्थान का मूल्यवान, जुड़ा हुआ और सशक्त सदस्य अनुभव करे।

महाविद्यालय के नियम

कक्षाएँ, ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल

प्रत्येक छात्र के लिए अध्ययन हेतु चुने गए प्रत्येक विषय की कक्षाओं, ट्यूटोरियल तथा प्रैक्टिकल में उपस्थित होना अनिवार्य है।

कक्षाओं एवं प्रैक्टिकल के लिए छात्रों को विभिन्न खंडों अथवा समूहों में विभाजित किया जाता है। छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे समय रहते अपने खंड/समूह, दिवस तथा समय-सारिणी की जानकारी प्राप्त कर लें ताकि कोई भी कक्षा या प्रैक्टिकल न छूटे। यदि किसी छात्र का नाम या रोल नंबर किसी कक्षा अथवा प्रैक्टिकल समूह में सम्मिलित नहीं है, तो उसे तत्काल संबंधित शिक्षक के संज्ञान में लाना चाहिए।

अनुशासन एवं उपस्थिति

महाविद्यालय के प्रत्येक छात्र को महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के सभी नियमों एवं विनियमों का पालन करना चाहिए। विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार, स्नातक पाठ्यक्रम के प्रत्येक विषय में व्याख्यान (Lectures) तथा ट्यूटोरियल/प्रैक्टिकल में न्यूनतम **67 प्रतिशत उपस्थिति** अनिवार्य है। जिन छात्रों की उपस्थिति निर्धारित सीमा से कम होगी, उन्हें सेमेस्टर परीक्षाओं में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे कक्षाओं एवं प्रयोगशालाओं के भीतर तथा बाहर अनुशासन एवं शांति बनाए रखें। कक्षाओं एवं प्रयोगशालाओं में मोबाइल फोन बंद अथवा साइलेंट मोड पर रखें। प्राचार्य की पूर्व अनुमति के बिना महाविद्यालय परिसर के बाहर आयोजित किसी भी कार्यक्रम अथवा गतिविधि के लिए महाविद्यालय उत्तरदायी नहीं होगा।

चिकित्सकीय अवकाश

बीमारी के कारण अनुपस्थिति के लिए किए गए प्रत्येक आवेदन के साथ किसी अधिकृत चिकित्सक अथवा अस्पताल द्वारा जारी चिकित्सा प्रमाण-पत्र संलग्न होना चाहिए। यह प्रमाण-पत्र छात्र के पुनः महाविद्यालय में उपस्थित होने की तिथि से एक सप्ताह के भीतर प्राचार्य के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। चिकित्सकीय आधार पर उपस्थिति में छूट प्रदान करने के मामलों में इस नियम का कड़ाई से पालन किया जाएगा।

पहचान-पत्र

सभी छात्रों को प्रवेश के तुरंत बाद आरएफआईडी (RFID) पहचान-पत्र जारी किया जाता है। प्रत्येक छात्र के लिए प्रतिदिन महाविद्यालय आते समय अपना पहचान-पत्र साथ लाना तथा महाविद्यालय के अधिकारियों द्वारा माँगे जाने पर उसे प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

पुस्तकालय

प्रत्येक छात्र को एक सप्ताह के लिए चार पुस्तकें तथा एक दिन के लिए एक पाठ्य-पुस्तक (Textbook) निर्गत की जा सकती है। निर्धारित अवधि में पुस्तकें वापस न करने पर पुस्तकालय नियमों के अनुसार जुर्माना देना होगा।

पुस्तकालय की संदर्भ पुस्तकें केवल अध्ययन हेतु उपलब्ध हैं। छात्र उनकी प्रतिलिपि निर्धारित सुविधा के अनुसार प्राप्त कर सकते हैं। मुद्रित पुस्तकों के अतिरिक्त छात्रों को लगभग **1,35,000 ई-पुस्तकों** तथा **5,000 ई-पत्रिकाओं** तक पहुँच के लिए लॉग-इन आईडी एवं पासवर्ड भी उपलब्ध कराया जाता है।

सूचना-पट्ट

छात्रों को नियमित रूप से सूचना-पट्ट का अवलोकन करने तथा समय-समय पर जारी सभी आदेशों एवं निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जाती है। साथ ही, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय की वेबसाइटों का नियमित रूप से अवलोकन कर सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं से अवगत रहना चाहिए।

मेडल एवं पुरस्कार

शैक्षणिक सत्र के अंत में प्रत्येक कार्यक्रम में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किए जाते हैं। शैक्षणिक पुरस्कारों के अतिरिक्त महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी मेडल एवं पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है।

संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ एवं विविध समारोह, वार्षिक तकनीकी महोत्सव

महाविद्यालय में समय-समय पर विभिन्न उद्योगों एवं अनुसंधान संस्थानों के साथ प्रत्यक्ष संवाद के उद्देश्य से संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का

महाविद्यालय के नियम

आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों में संबंधित क्षेत्रों के विशिष्ट विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है, ताकि छात्र-छात्राएँ उनके अनुभव एवं ज्ञान से लाभान्वित हो सकें। इसके अतिरिक्त, कुशल पेशेवरों द्वारा समय-समय पर व्याख्यान भी आयोजित किए जाते हैं। प्रत्येक छात्र-छात्रा के लिए इन संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं व्याख्यानों में उपस्थित होना अनिवार्य है। अनुपस्थित रहने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

लॉकर

प्रत्येक छात्र को शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में एक लॉकर आवंटित किया जाता है। छात्र प्रयोगशालाओं, ऑडिटोरियम एवं पुस्तकालय में बैग लेकर नहीं जा सकते और न ही अपने सामान को बिना देखरेख के छोड़ सकते हैं। अतः सुरक्षा की दृष्टि से लॉकर का उपयोग करना अनिवार्य है।

कॉलेज संपत्ति को नुकसान पहुँचाना

छात्रों को कॉलेज की संपत्ति का उचित ध्यान रखना चाहिए। किसी भी प्रकार की तोड़फोड़, नुकसान या छेड़छाड़ करने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसमें फर्नीचर, फिटिंग आदि का नुकसान भी शामिल है।

छात्रवृत्ति

सभी पात्र SC/ST, OBC, PwD आदि छात्र भारत सरकार के राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर घोषित समय के भीतर ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरकर छात्रवृत्ति हेतु आवेदन कर सकते हैं। यह प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के लिए आवश्यक है।

शुल्क में रियायत

कॉलेज आर्थिक रूप से कमजोर, जरूरतमंद एवं मेधावी छात्रों के लिए शुल्क में रियायत प्रदान करता है। इच्छुक छात्र कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र में प्रवेश प्राप्त करने के पश्चात आवेदन कर सकते हैं। आवेदन आमंत्रित करने के लिए एक सूचना जारी की जाती है। छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित घोषणाओं को देखें।

यदि कोई छात्र कॉलेज के किसी भी नियम का उल्लंघन करता है, तो उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसमें चेतावनी, जुर्माना, पुस्तकालय के उपयोग से निलंबन, कक्षाओं से निलंबन या कॉलेज से निष्कासन तक की कार्रवाई हो सकती है।

महाविद्यालय परिसर पूर्णतः नशीले पदार्थों एवं मादक पेय पदार्थों से मुक्त क्षेत्र है। महाविद्यालय परिसर में किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ, मादक पेय या अन्य मादक/नशीले पदार्थों का कब्ज़ा, सेवन, वितरण अथवा उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है। इस नीति का कोई भी उल्लंघन संस्थान के नियमों एवं लागू कानूनों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई को आमंत्रित करेगा।

अध्यादेश

अध्यादेश XV-B

विश्वविद्यालय के छात्राओं के बीच अनुशासन बनाए रखना

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियाँ कुलपति में निहित होती हैं।
2. कुलपति अपनी इच्छानुसार ये शक्तियाँ प्रॉक्टर या किसी अन्य व्यक्ति को सौंप सकते हैं।
3. इस अध्यादेश के अंतर्गत अनुशासन लागू करने की सामान्य शक्तियों के बिना हानि पहुँचाए, निम्नलिखित कार्य घोर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आएंगे:
   क) किसी भी शैक्षणिक या अशैक्षणिक कर्मचारी अथवा किसी छात्रा पर शारीरिक हमला करना या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी देना।
   ख) हथियार रखना, उनका उपयोग करना, या उपयोग की धमकी देना।
   ग) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का उल्लंघन।
   घ) अनुसूचित जातियों और जनजातियों के छात्राओं की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।
   ङ) महिलाओं के प्रति अपमानजनक व्यवहार या कथन।
   च) रिश्वत देने या भ्रष्टाचार का प्रयास।
   छ) संस्थान की संपत्ति को जानबूझकर नष्ट करना।
   ज) धार्मिक या साम्प्रदायिक आधार पर वैमनस्य या असहिष्णुता फैलाना।
   झ) विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न करना।
   ञ) अध्यादेश XV-C के अनुसार रैगिंग पर प्रतिबंध।
4. अनुशासन बनाए रखने की शक्ति के अंतर्गत कुलपति निम्नलिखित कार्रवाई कर सकते हैं:
   क) किसी छात्रा को निष्कासित करना।
   ख) निश्चित समय के लिए छात्रा को विश्वविद्यालय से निलंबित करना।
   ग) किसी छात्रा को निश्चित समय तक किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश से वंचित करना।
   घ) छात्रा पर निर्धारित राशि का जुर्माना लगाना।
   ङ) छात्रा को एक या अधिक वर्षों तक विश्वविद्यालय, कॉलेज या विभागीय परीक्षाओं में सम्मिलित होने से वंचित करना या परीक्षाओं में प्राप्त परिणाम को रद्द करना।
5. कॉलेजों, छात्रावासों और संबंधित विभागों के शिक्षक, अपने क्षेत्राधिकार में अनुशासन बनाए रखने के लिए उपयुक्त शिक्षकों को अधिकार सौंप सकते हैं।
6. कुलपति और प्रॉक्टर की उपर्युक्त शक्तियों के अलावा, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। ये नियम, जहाँ आवश्यक हो, वहाँ कॉलेजों के प्राचार्य, छात्रावास प्रमुख, संकाय अधिष्ठाता और शिक्षण विभागाध्यक्ष द्वारा पूरक रूप में निर्धारित किए जा सकते हैं। प्रत्येक छात्रा को इन नियमों की प्रति प्राप्त करनी होगी। प्रवेश के समय प्रत्येक छात्रा को यह घोषणा करनी होगी कि वह विश्वविद्यालय के अधिनियमों, अधिनियमिक नियमों, विनियमों तथा विश्वविद्यालय विनियमों तथा विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए अनुशासनात्मक नियमों के अधीन रहेगा।

अध्यादेशXV-C

रैगिंग पर प्रतिबंध और दंड

1. कॉलेज/विभाग या संस्थान के परिसरों, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी भाग और सार्वजनिक परिवहन में रैगिंग किसी भी रूप में सख्ती सेप्रतिबंधित है।
2. रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता मानी जाएगी और इस अध्यादेश के अंतर्गत उसका निपटारा किया जाएगा।
3. इस अध्यादेश के अनुसार रैगिंग से तात्पर्य सामान्यतः ऐसे किसी भी कार्य, व्यवहार या अभ्यास से है, जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्राओं की प्रभुत्वशाली शक्ति या स्थिति का उपयोग नए नामांकित या कनिष्ठ छात्राओं पर किया जाता है: इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:
   क) शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी।
   ख) महिला छात्राओं की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।

ग) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित छात्राओं की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना।

घ) छात्राओं को उपहास और तिरस्कार का पात्र बनाना जिससे उनका आत्म-सम्मान प्रभावित हो।

ङ) मौखिक गाली-गलौज, आक्रामक व्यवहार, अभद्र संकेत और अशोभनीय आचरण करना।

4. किसी भी रैगिंग की घटना की सूचना मिलने पर, कॉलेज के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, संस्थान प्रमुख या विश्वविद्यालय के हॉस्टल/छात्रावास के अधिकारी तुरंत कार्रवाई करेंगे।
5. उपर्युक्त खंड (4) के बावजूद, प्रॉक्टर किसी रैगिंग की घटना की स्वतः संज्ञान लेकर जांच कर सकते हैं और कुलपति को दोषी व्यक्तियों की पहचान एवंघटना की प्रकृति की रिपोर्ट दे सकते हैं।
6. प्रॉक्टर प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकते हैं जिसमें रैगिंग करने वालों की पहचान और घटना की प्रकृति स्पष्ट की गई हो।
7. यदि कॉलेज के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, संस्थान प्रमुख या प्रॉक्टर यह लिखित रूप में दर्ज कर संतुष्ट हों कि किसी कारणवश जांच करना व्यावहारिक नहीं है, तो वे कुलपति को इस संबंध में परामर्शदे सकते हैं।
8. यदि कुलपति इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि जांच करना उपयुक्त नहीं है, तो उनका निर्णय अंतिम होगा।
9. खंड (5), (6) या (7) के अंतर्गत प्राप्त रिपोर्ट में यदि खंड 3 (a), (b) और (c) में वर्णित रैगिंग की घटनाएं सामने आती हैं, तो कुलपति दोषी छात्रा/छात्राओं को एक निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित करने का निर्देश दे सकते हैं।
10. रैगिंग के अन्य मामलों में, कुलपति छात्रा/छात्राओं को निष्कासित करने, किसी कार्यक्रम में प्रवेश से वंचित करने, परीक्षा में बैठने से रोकने या उनकी परीक्षा का परिणाम रद्द करने का आदेश दे सकते हैं।
11. यदि किसी छात्रा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त किया हो और उसे इस अध्यादेश के अंतर्गत दोषी पाया जाए, तो अधिनियम 15 के अंतर्गत उसकी डिग्री या डिप्लोमा को निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।
12. इस अध्यादेश के प्रयोजन हेतु, किसी भी रूप में रैगिंग के लिए उकसाना, सहायता करना या अभ्यास करना भी रैगिंग माना जाएगा।
13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत सभी संस्थानों को इस अध्यादेश के अंतर्गत जारी निर्देशों का पालन करना होगा और इसे प्रभावी रूप से लागू करने हेतु कुलपति को सहयोग देना होगा।

टिप्पणीः अध्यादेश XV-C के अनुपालन में कुलपति का आदेशः

यदि किसी प्राधिकारी द्वारा रैगिंग की घटना की सूचना कुलपति को दी जाती है, तो संबंधित छात्राओं को आदेश में निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित किया जाएगा।

रैगिंग में लिप्त गैर-छात्राओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत कार्रवाई की जाएगी और उन्हें पाँच वर्षों तक दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्थान में प्रवेश के लिए अयोग्य घोषित किया जाएगा।

ऐसे छात्राओं को, जिनके विरुद्ध कार्रवाई की गई है, न्यायसंगत प्रक्रिया के अनुसार निर्णय के पश्चात सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाएगा।

अध्यादेश XV-D

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (कानून और न्याय मंत्रालय)

यह अधिनियम कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करने तथा यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण के लिए बनाया गया है।

इस अधिनियम की पृष्ठभूमिः

यौन उत्पीड़न, संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के तहत महिलाओं के समानता के मौलिक अधिकार और अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन करता है।

यह अधिनियम महिलाओं को ऐसे सुरक्षित वातावरण में कार्य करने का अधिकार प्रदान करता है जो यौन उत्पीड़न से मुक्त हो।

अंतरराष्ट्रीय मान्यताः

यह अधिकार महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन से संबंधित संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन द्वारा भी मान्यता प्राप्त है, जिसे भारत सरकार ने 25 जून, 1993 को अनुमोदित किया था।

उद्देश्यः

इस अधिनियम का उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करने हेतु उपयुक्त प्रावधान लागू करना है।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाएँः

http://www.shebox.nic.in/assets/site/main/images/Sexual-Harassment-atWorkplace-Act.pdf

समितियां

प्रवेश समिति

प्रो. दीपाली बजाज (संयोजक)....9899291274
डॉ. साकिब अंसारी (संयोजक) 9868877867
डॉ. श्रुति बंसवाल (विदेशी छात्रा सलाहकार)....9811138293
डॉ. साधना जैन, एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी, बायोकेमिस्ट्री विभाग....9810103664
डॉ. श्रुति बंसवाल , एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी बायोमेडिकल साइंसेज विभाग....9811138293
प्रो. जसजीत कौर, टीआईसी, रसायन विज्ञान विभाग....8130959522
प्रो. दीपाली बजाज, TIC, कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट....9899291274
डॉ. दीपा जोशी, एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी, खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग....9810950353
सुश्री प्रीति सिंघल, एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग....9868516331
डॉ. दया भारद्वाज, एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी, इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग....9811239028
प्रो. पुनीता सक्सेना, टीआईसी, गणित विभाग 9810221483
प्रो. रेखा मेहरोत्रा, टीआईसी, जीवविज्ञान/सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग....9811243283
प्रो. अलका वोहरा कुअंर , टीआईसी, भौतिकी विभाग....9717453770
डॉ. दया भारद्वाज, एसोसिएट प्रोफेसर, टीआईसी, मनोविज्ञान विभाग....9811239028
प्रो. पायल मागो / डॉ. दीपा त्यागी, सांख्यिकी विभाग....9529794512
प्रो. पायल मागो / श्री सुभाष मंडा, वित्तीय अध्ययन विभाग....9873257221
प्रो. पायल मागो / डॉ. डिम्पी हांडा, मैनेजमेंट स्टडीज़ विभाग....9212111802

प्रवेश शिकायत समिति

प्रो. जसजीत कौर 8130959522

खेल प्रवेश समिति

डॉ. बिमला पवार (संयोजक)....9810224259

ईसीए प्रवेश समिति

डॉ. मनीषा खत्री....9810169181

विशेष श्रेणी प्रवेश सुविधा समिति

डॉ. साकिब अंसारी (संयोजक) 9868877867

प्रॉक्टोरियल एवं एंटी-रैगिंग समिति

डॉ. वर्षा मेहरा 9868877867
डॉ. आकांक्षा 7982868842

आंतरिक शिकायत समिति

प्रो. रंजना सिंह (नोडल अधिकारी) 9818258145

शुल्क रियायत समिति

डॉ. वर्षा मेहरा 9971703464

पाठ्यक्रम-सह सीटों की संख्या

क्रम सं	पाठ्यक्रम	सामान्य	ओबीसी -एनसीएल	एससी	एसटी	ईडब्ल्यूएस	कुल	दिव्यांग	सीडब्ल्यू (सेना)	कश्मीरी प्रवासी	खेल	ईसीए	वार्ड कोटा	विदेशी नागरिक	अधिसंख्य कुल
1	बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-चिकित्सा विज्ञान	16	11	6	3	4	40	2	2	2	2	1	2	4	15
2	बी.एससी. (ऑनर्स) जैव-रसायन	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
3	बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
4	बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	1	2	5	18
5	बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
6	बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी	16	11	6	3	4	40	2	2	2	2	1	2	4	15
7	बी.एससी. (ऑनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
8	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	1	2	5	18
9	बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजीव विज्ञान	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
10	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी	23	16	9	4	6	58	3	3	2	1	1	2	5	17
11	बी.एससी. (ऑनर्स) सांख्यिकी	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	1	2	5	18
12	बी.बी.ए. (एफआईए)	23	16	9	4	6	58	3	3	2	1	1	2	5	17
13	बी.एम.एस. (प्रबंधन अध्ययन स्नातक)	23	16	9	4	6	58	3	3	2	1	1	2	5	17
14	बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	1	2	5	18

शुल्क संरचना

शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए शुल्क संरचना

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज फॉर वीमेन दिल्ली विश्वविद्यालय वसुन्धरा एन्क्लेव, दिल्ली-110096		
क्रम सं.	**विवरण**	**राशि**
1	ट्यूशन शुल्क	180
2	महाविद्यालय सुविधाएँ एवं सेवाएँ शुल्क	16000
3	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण निधि *	300
4	विश्वविद्यालय विकास निधि*	1750
5	ईडब्ल्यूएस सहायता निधि*	300
6	विश्वविद्यालय सुविधाएँ एवं सेवाएँ शुल्क *	1750
7	महाविद्यालय छात्र कल्याण निधि **	5500
8	महाविद्यालय विकास निधि **	2500
	कुल	**28280**

*** विश्वविद्यालय को देय** **** छात्रा समाज कल्याण कोष में देय**

पाठ्यक्रम से संबंधित अतिरिक्त शुल्क		**निम्नलिखित को छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों के लिए कुल शुल्क:**	**28280**
कंप्यूटर विज्ञान पाठ्यक्रम का अतिरिक्त शुल्क	15000	बीएससी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस के लिए कुल शुल्क	43280
जैव चिकित्सा विज्ञान पाठ्यक्रम का अतिरिक्त शुल्क	10000	बीएससी (ऑनर्स) बायो मेडिकल साइंस के लिए कुल शुल्क	36280
बीबीए (एफआईए) पाठ्यक्रम का अतिरिक्त शुल्क	11000	बीबीए (एफआईए) के लिए कुल शुल्क	39280

पी डब्ल्यू डी: 4100 **अनाथ: 10**

शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए कार्यक्रम और श्रेणीवार शुल्क

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज फॉर वीमेन **दिल्ली विश्वविद्यालय** वसुन्धरा एन्क्लेव, दिल्ली-110096 **शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए प्रथम वर्ष की शुल्क संरचना**					
क्रम सं.	**पाठ्यक्रम**	**यूआर, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, सीडब्ल्यूएस, कश्मीरी प्रवासी, खेल, ईसीएस, वार्ड**	**एससी/ एसटी**	**अनाथ**	**पी डब्ल्यू डी**
1	इलेक्ट्रॉनिक्स	28280	28100	10	4100
2	इंस्ट्रूमेंटेशन	28280	28100	10	4100
3	खाद्य प्रौद्योगिकी	28280	28100	10	4100
4	जैव चिकित्सा विज्ञान	38280	38100	10	4100
5	कंप्यूटर विज्ञान	43280	43100	10	4100
6	भौतिक विज्ञान	28280	28100	10	4100
7	रसायन विज्ञान	28280	28100	10	4100
8	गणित	28280	28100	10	4100
9	मनोविज्ञान	28280	28100	10	4100
10	माइक्रोबायोलॉजी	28280	28100	10	4100
11	जीव रसायन	28280	28100	10	4100
12	सांख्यिकी	28280	28100	10	4100
13	बिज़नेस प्रशासन (बीबीए (एफआईए))	39280	39100	10	4100
14	मैनेजमेंट स्टडीज (बीएमएस)	28280	28100	10	4100

विदेशी छात्र वार्षिक शुल्क: **दिल्ली विश्वविद्यालय** के दिशानिर्देशों के अनुसार

बहु-निर्गमन योजना

बहु-निर्गमन योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अंतर्गत लागू की गई है। इसके अनुसार, **यूजीसीएफ (UGCF), 2022** में यूजीसी द्वारा इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक सम सेमेस्टर के अंत में बहु-निर्गमन का प्रावधान है।

(i) **सेमेस्टर II** का सफलतापूर्वक समापन (अनिवार्य 44 क्रेडिट अर्जित करने पर) करने के बाद, विद्यार्थी **स्नातक प्रमाणपत्र (Certificate)** (अध्ययन के क्षेत्र/विषय में) प्राप्त कर कार्यक्रम से बाहर निकल सकता/सकती है।

(ii) **सेमेस्टर IV** का सफलतापूर्वक समापन (अनिवार्य 88 क्रेडिट अर्जित करने पर) करने के बाद, विद्यार्थी **स्नातक डिप्लोमा (Diploma)** (अध्ययन के क्षेत्र/विषय में) प्राप्त कर कार्यक्रम से बाहर निकल सकता/सकती है।

(iii) **सेमेस्टर VI** का सफलतापूर्वक समापन (अनिवार्य 132 क्रेडिट अर्जित करने पर) करने के बाद, विद्यार्थी अपने द्वारा चुने गए कार्यक्रम के अनुसार **स्नातक डिग्री/ऑनर्स डिग्री** प्राप्त कर कार्यक्रम से बाहर निकल सकता/सकती है।

(iv) **सेमेस्टर VIII** का सफलतापूर्वक समापन (अनिवार्य 176 क्रेडिट अर्जित करने पर) करने के बाद, विद्यार्थी कार्यक्रम तथा अपनी पसंद के अनुसार **ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च/ऑनर्स विद एंटरप्रेन्योरशिप** की उपाधि प्राप्त कर कार्यक्रम से बाहर निकल सकता/सकती है।

विद्यार्थी को बहु-निर्गमन (Exit) के लिए **अगले शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ होने से पूर्व पर्याप्त समय रहते आवेदन करना चाहिए**।

टिप्पणी: यदि कोई विद्यार्थी किसी शैक्षणिक वर्ष के अंत के बजाय शैक्षणिक सत्र के मध्य में ही कार्यक्रम छोड़ देता/देती है, तो उसे उस समय तक अर्जित उपलब्धि के अनुसार ऊपर बिंदु (i) से (iv) में उल्लिखित संबंधित योग्यता प्रदान की जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें:

https://www.du.ac.in/uploads/new-web/29072025-ugcf-nep-multiple-entry-exit.pdf

प्रवेश संबंधी शुल्क की वापसी

विश्वविद्यालय तथा उसके महाविद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न मदों के अंतर्गत जमा किए गए शुल्क की वापसी के नियम निम्नलिखित हैं। इन्हें **दिल्ली विश्वविद्यालय की अधिसूचना संख्या Acad. I/Refund of fee/2026-27/309, दिनांक: 01.06.2026** के अनुसार अधिसूचित किया जाता है।

क्र.सं.	शुल्क वापसी का कारण	वापस की जाने वाली शुल्क राशि
(क)	जब कोई विद्यार्थी विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित प्रवेश की अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपना प्रवेश वापस लेता/लेती है।	निकासी शुल्क/प्रसंस्करण शुल्क को छोड़कर 100% शुल्क वापस किया जाएगा।
(ख)	जब कोई विद्यार्थी विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित प्रवेश की अंतिम तिथि के 30 दिनों के भीतर अपना प्रवेश वापस लेता/लेती है।	निकासी शुल्क/प्रसंस्करण शुल्क को छोड़कर 50% शुल्क वापस किया जाएगा।
(ग)	जब कोई विद्यार्थी विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित प्रवेश की अंतिम तिथि के 30 दिनों के बाद अपना प्रवेश वापस लेता/ लेती है।	कोई शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।
(घ)	जब प्रवेश निरस्त किया जाता है क्योंकि विद्यार्थी ने तथ्य छिपाए हों/गलत तथ्य प्रस्तुत किए हों, झूठे/फर्जी प्रमाणपत्र जमा किए हों, भ्रामक जानकारी दी हो, अथवा विद्यार्थी की ओर से किसी प्रकार की त्रुटि /गलती हुई हो।	कोई शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।
(ङ)	प्रवेश के बाद विद्यार्थी की मृत्यु होने की स्थिति में।	जिस सेमेस्टर/वर्ष में विद्यार्थी का निधन हुआ है, उसके लिए परीक्षा शुल्क सहित 100% शुल्क विद्यार्थी के माता-पिता/वैध अभिभावकों को वापस किया जाएगा।

मार्ग मानचित्र

N
Dilshad Garden
Preet Vihar
Vikas Marg
Jhilmil
Mansarovar Park Rd
Mayur Vihar I
Trilok Puri
Trilok Puri Blocks
Sanjay Lake
Mayur Vihar Phase 1
Trilok Puri – Sanjay Lake (Pink Line) 2.8 km
Karkardooma Rd
Karkardooma
IP Extension
Shaheed Rajguru College of Applied Sciences for Women
Shahdara Rd
Geeta Colony
Mandalpuri
NH 9
Indraprastha Park
Lal Bahadur Shastri Marg
New Ashok Nagar (Blue Line) 2.3 km
A. G. Cr. Enclave Rd
Noida Sector 62
Bhajanpura
Sector 15A
New Ashok Nagar
Noida
Yamuna Vihar
Sector 15
Noida Link Rd
Noida Sector 15 (Blue Line) 3.8 km
Noida Sector 15
Yamuna River
Sector 16
Sector 18
Shahdara
Akshardham Temple
DND Flyway
Akshardham Bridge
Film City
Kalindi Kunj Rd
Nizamuddin Bridge
Sarita Vihar
0 0.5 1 1.5 2 km

अंतरराष्ट्रीय सहयोग : इरास्मस+ छात्र विनिमय कार्यक्रम

सीमाओं को जोड़ते हुए, भविष्य का निर्माण

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर विमेन ने इरास्मस+ (Erasmus+) कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सहयोग के एक सशक्त केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है।

इरास्मस परियोजना संख्या 2017-1-CZ01-K107-034877 के अंतर्गत, महाविद्यालय ने चेक गणराज्य के सिलेसियन विश्वविद्यालय, ओपावा के फैकल्टी ऑफ फिलॉसफी एंड साइंस के साथ शैक्षणिक आदान-प्रदान की एक श्रृंखला में सहभागिता की है, जिससे दोनों संस्थान समृद्ध हुए।

इस वर्ष, कंप्यूटर विज्ञान विभाग की तीन छात्राओं—सुश्री शिक्षा श्रीवास्तव, सुश्री सोनाली झा तथा सुश्री आशना लांबा—का चयन सिलेसियन विश्वविद्यालय में दो माह के छात्र विनिमय कार्यक्रम के लिए किया गया। उनके पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक अध्ययन के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डीप लर्निंग तथा मशीन लर्निंग की आधारभूत अवधारणाओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी सम्मिलित था।

महाविद्यालय इरास्मस+ को केवल एक छात्र विनिमय कार्यक्रम के रूप में नहीं, बल्कि दीर्घकालिक सहयोगात्मक नेटवर्क विकसित करने, नवाचारपूर्ण शैक्षणिक पद्धतियों का आदान-प्रदान करने तथा शिक्षा प्रणाली के समग्र विकास में योगदान देने के एक प्रभावी माध्यम के रूप में देखता है। इस पहल में सहभागिता के माध्यम से महाविद्यालय एक दूरदर्शी संस्थान के रूप में अपनी भूमिका को सुदृढ़ करता है, जो वैश्विक अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाते हुए उन्हें विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा अन्य क्षेत्रों में नेतृत्व करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार करता है।

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वूमेन
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वसुंधरा एन्क्लेव (चिल्ला स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से सटा हुआ), दिल्ली - 110 096
फोन: 011-22623503, 22623505 | टेलीफ़ैक्स: 011- 22623504
वेबसाइट: www.rajgurucollege.com